फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 75 संख्याः 256 प्रभात जयपुर, शनिवार 19 अप्रैल, 2025 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Rashtradoot Metro

epaper.rashtradoot.com

The Silent Blockade

Raja Prithviraj Singh, in closed chambers, questioned why Amber's seasoned forces were relegated to static duties while Marwar's cavalry commanded the dynamic southern flanks

"Paint" God said

The Man, The Myth, The Missed Calls From His Mother

पार्टी अध्यक्ष जे.पी. नड्डा के लिये विदाई भोज की तैयारी आरंभ होने लगी है

इस घटनाक्रम से यह आकलन लगाया जा रहा है कि कुछ ही दिनों में नए भाजपा अध्यक्ष का चयन पूरा हो जायेगा

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 अप्रैल। भाजपा-आरएसएस ने भाजपा-अध्यक्ष के चयन के अंतिम निर्णय की प्रक्रिया तेज कर दी है, क्योंकि यह मुद्दा लम्बे समय से खिंचता चला आ रहा है और इससे ऐसा संदेश जा रहा है कि पदमुक्त होने जा रहे पार्टी अध्यक्ष जे.पी. नड्डा के स्थानापन्न के मामले में संघ परिवार के अंदर कोई बड़ा मतभेद है।

सूत्रों का कहना है कि नड्डा के विदाई समारोहों की श्रंखला शुरु हो गई है और ऐसा प्रतीत हो रहा है कि नये पार्टी अध्यक्ष की नियुक्ति चन्द रोज़ में ही हो जायेगी।

सूत्रों का कहना है कि आरएसएस के मन में कुछ महत्वपूर्ण चिन्तां हैं, जिनका समाधान नये पार्टी अध्यक्ष के चयन एवं नियुक्ति से पहले होना जरुरी है। आरएसएस इस पद के लिये एक ऐसा ताकतवर और दृढ़ नेता चाहती है, जो किसी के भी आगे झुके नहीं, बल्कि मुद्दों के मामले में दृढ़ रहे तथा कठोर निर्णय ले सके।

- आरएसएस यह चाहता है कि नया अध्यक्ष ऐसा मजबूत व्यक्ति हो, जो सख्त निर्णय ले सके और किसी के दबाव में झुके नहीं।
- दूसरा महत्वपूर्ण प्रश्न संघ के समक्ष है कि क्या मोदी 75वां जन्मदिन मनाने के बाद रिटायर होंगे तथा उनके रिटायरमैंट के बाद उनकी जगह कौन लेगा और देश के राष्ट्रपति व उपराष्ट्रपति की गद्दी पर कौन बैठेगा।
- आरएसएस इस बात से भी काफी चिंतित है कि भाजपा से जो बहुत से युवा पहली बार जुड़े हैं, क्या वे संघ की संस्कृति में अच्छी तरह समावेश हो गये हैं।
- भाजपा के बड़े नेता इस बात पर आश्वस्त हैं, पर फिर, भाजपा व संघ परिवार दोनों चाहते हैं कि आरएसएस का पुराना कार्यकर्ता, जो संघ की संस्कृति में डूबा हुआ है तथा ओतप्रोत है, वही पार्टी का नया अध्यक्ष होना चाहिये।
- इन मुद्दों पर मूल सहमति नहीं बन पाई है अभी तक तथा ये गतिरोध खत्म करने के लिये सभी प्रयासरत हैं।

सवाल हैं, जैसे सितम्बर में 75 साल के हो जाने पर, नरेन्द्र मोदी पद-त्याग के लिये सहमत होंगे या नहीं?

मोदी के सेवानिवृति होने की स्थिति में, उनके स्थान पर प्रधानमंत्री कौन बनेगा?

देश का अगला राष्ट्रपति कौन होगा?

देश का अगला उपराष्ट्रपति कौन होगा?

लेकिन आरएसएस के समक्ष सर्वाधिक महत्वपूर्ण मुद्दा नई नस्ल के उन नेताओं का है, जो अन्य पार्टियों से भाजपा में लिये गये है, और क्या वे नेता संघ-संस्कृति के साथ एकाकार हो गये हैं।

भाजपा की संस्कृति से अपरिचित ऐसे नेताओं को लेकर आरएसएस के अंदर बहुत अधिक बेचैनी है।

भाजपा के वरिष्ठ नेताओं का फोकस बूथ-लैवल कमेटियों तथा जमीनी कार्यकर्ताओं से सम्पर्क जैसी पार्टी की असली सम्पत्तियों पर है और उनका कहना है कि भाजपा नेताओं की नई खेप इसके प्रति सजग एवं इससे परिचित है तथा वह पार्टी को संभाल सकती है।

लेकिन भाजपा का कहना है कि यह

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

लायसैंस नहीं है तो राजापार्क के रैस्त्रां बंद करो

जयपुर, 18 अप्रैल। राजस्थान हाईकोर्ट ने नगर निगम ग्रेटर को निर्देश दिए हैं कि याचिका में पक्षकार बनाए गए 9 रेस्त्रां के पास यदि लाइसैंस नहीं है तो उनका आगामी सुनवाई तक संचालन रोका जाए। चीफ जस्टिस एम.एम श्रीवास्तव और जस्टिस आनंद शर्मा की खंडपीठ ने यह आदेश शालिनी श्रीवास्तव व अन्य की ओर से दायर जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में बताया कि शहर में संचालित कई रेस्त्रां और अन्य प्रतिष्ठान नगर निगम की ओर से दिए जाने वाले

- हाई कोर्ट ने नगर निगम ग्रेटर को निर्देश दिये, अगली सुनवाई तक बिना लायसैंस वाले रैस्त्रां का संचालन रोकें।

लाइसैंस के बिना ही खाद्य सामग्री बेच रहे हैं। जिसके चलते आमजन के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड हो रहा है। इस संबंध में नगर निगम को कई बार शिकायत भी दी गई, लेकिन अभी तक निगम प्रशासन ने कोई कार्रवाई नहीं की। याचिकाकर्ता की ओर से शहर के राजा पार्क क्षेत्र में संचालित 9 रेस्त्रां संचालकों को पक्षकार भी बनाया गया। जिस पर सुनवाई करते हुए खंडपीठ ने कहा कि यदि इन 9 रेस्त्रां के पास निगम का लाइसैंस नहीं है तो अंतरिम रूप से उनका संचालन रोका जाए।

प्र.मंत्री मोदी ने एलन मस्क से टेलीफोन मिलाकर बात की

बातचीत का मुद्दा, मस्क की सैटलाइट पर आधारित संचार सेवा, स्टारलिंक को भारत में पैर पसारने की इजाज़त देना लगता है

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 अप्रैल। हाल की घटनाओं को देखते हुए ऐसा लगता है कि अमेरिका द्वारा लगाए गए टैरिफ के खतरे, भारत में एलन मस्क की स्टारलिंक सर्विस के लाँच की योजनाओं में बाधा नहीं बनेंगे।

उद्योग और वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल की, स्टारलिंक के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ मुलाकात के कुछ ही दिनों बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज मस्क को फोन किया। यह बातचीत टैक्नॉलजी और इनोवेशन के क्षेत्र में सहयोग को बढ़ाने पर केन्द्रित थी। इस वर्ष के शुरु में मोदी और मस्क की वॉशिंगटन में आमने-सामने मुलाकात हो चुकी है। अपनी इस टेलिफोन बातचीत के बाद मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म "एक्स" पर लिखा, "मस्क से टैक्नॉलजी और इनोवेशन के क्षेत्रों में सहयोग की अपार संभावनाओं पर बात की। भारत इन क्षेत्रों में अमेरिका के साथ अपनी साझेदारी को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।"

मोदी के इस फोन कॉल को उस व्यापक परिप्रेक्ष्य में देखा जा रहा है, जिसमें मस्क की कंपनी टैस्ला भारत में मैनुफैक्चरिंग यूनिट स्थापित करने का प्रयास कर रही है। वहीं, रिलायंस जिओ ने, भारत में स्टारलिंक की हाईस्पीड सैटेलाइट इन्टरनैट सेवाएं शुरु करने के लिए स्पेसएक्स के साथ पार्टनशिप की है। स्पेसएक्स भारत में अधिकारिक रुप से स्टारलिंक सेवाएं देने के लिए सरकारी मंजूरी की प्रतीक्षा कर रहा है।

हालांकि, हाल के हफ्तों में, टैरिफ

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- प्र.मंत्री मोदी ने अपने सोशल मीडिया हैण्डल पर यह जानकारी जनता से शेयर की।
- वैसे भी मोदी, मस्क से अपनी पिछली वॉशिंगटन यात्रा के दौरान मिले थे और उद्योग व वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल भी शुक्रवार को स्टारलिंक के उच्चाधिकारियों, वाइस प्रेसिडेन्ट चैड गिब्स व वरिष्ठ निदेशक रायन गुडनाइट से मिले। स्टारलिंक को भारत सरकार से शीघ्र ही अनुमति मिलने की संभावना है।
- यहाँ यह भी उल्लेखनीय है कि मस्क की इलैक्ट्रिक कार टैस्ला को कैनडा व फिर इंगलैंड में इलैक्ट्रिक व्हिकल रिबेट मिलने की संभावना नहीं है। अतः मस्क भारत में टैस्ला कार बनाने के लिये फैक्टरी लगाने की फिराक में भी हैं। रिलायंस जियो, भारती एयरटेल व वोडाफोन आइडिया भी भारत में मस्क से कोलैबोरेशन करके स्टारलिंक सेवा उपलब्ध कराने की कोशिश में हैं।

बाँग्लादेश, मुर्शिदाबाद के दंगों को भुनाने की कोशिश में!

बाँग्लादेश ने भारत को सार्वजनिक रूप से वक्तव्य देकर याद दिलाया, मुसलमानों की सुरक्षा व हिफाज़त, भारत की जिम्मेवारी है

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 अप्रैल। बाँग्लादेश बंगाल में विस्फोटक साम्प्रदायिक तनाव को और बड़ा और विकृत रुप देने की कोशिश में हैं। इस पड़ोसी देश ने भारत को मुस्लिमों की सुरक्षा एवं संरक्षण की याद दिलाने वाले सार्वजनिक बयान देना शुरु कर दिया है।

यह विश्वास करने के पर्याप्त कारण हैं कि बाँग्लादेश ने सीमावर्ती जिले में कुछ जिहादी तथा उग्रवादी भेजे थे तथा तनाव को पूरी सक्रियता के साथ उकसा रहा था। अब बाँग्लादेश अपनी इस सक्रिय दखलंदाजी को छिपाने के लिये हमारा ध्यान हटाने की कोशिश कर रहा है।

मुर्शिदाबाद तथा बंगाल के अन्य जिलों में साम्प्रदायिक हिंसा के तुरंत बाद आई टिप्पणी तथा बाँग्लादेश के हस्तक्षेप को लेकर, भारत सरकार ने बड़ी तीखी प्रतिक्रिया दी है। विदेश मंत्रालय ने

- ममता बनर्जी ने अपना पल्ला झाड़ते हुए कहा, यह हिंसा बीएसएफ ने फैलायी है।
- बंगाल की मु.मंत्री के अनुसार, बीएसएफ ने बच्चों को पैसे देकर उकसाया, पत्थर व मिसाइल दागने के लिये, क्योंकि अब दंगाग्रस्त इलाके में बीएसएफ की जिम्मेवारी है, पश्चिम बंगाल सरकार दोषमुक्त है।
- ममता ने जनता का ध्यान बांटने के लिये, पुरानी चाल चली और आरोप लगाया कि दंगे सुनियोजित हैं तथा अमित शाह की योजना के अंतर्गत हुए हैं।
- एक और "अनकनैक्टेड" बात जोड़ी कि अमित शाह का क्या होगा, मोदी के जाने के बाद।

बाँग्लादेश के अधिकारियों से कहा है कि वे अपना काम करें तथा वहाँ अल्पसंख्यक हिन्दुओं की सुरक्षा करें।

पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के देश छोड़कर भागने के तुरंत बाद, बाँग्लादेश में बड़े पैमाने में अग्निकांड एंव हिंसा की घटनाएं हुई थीं। दुर्भाग्य की बात यह हुई कि उस राजनैतिक हिंसा ने शीघ्र ही देश में हिन्दू समुदाय के प्रति नफरत के एक सूत्रीय कार्यक्रम का रुप ले लिया था।

बाँग्लादेशी हिन्दुओं के खिलाफ

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

यूनेस्को के "मैमरी ऑफ द वर्ल्ड रजिस्टर" में गीता, नाट्यशास्त्र शामिल

नयी दिल्ली, 18 अप्रैल। संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) ने दुर्लभ अभिलेखों की अपनी सूची, "मैमरी ऑफ द वर्ल्ड" रजिस्टर में गीता और भरत मुनि के नाट्यशास्त्र को भी शामिल किया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय संस्कृति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने

- प्रधानमंत्री ने इसे हर भारतीय के लिये गर्व की बात बताया। इस सूचि में अब भारत के दर्ज अभिलेखों की संख्या 14 हो गई।

इसकी प्रशंसा की और इसे दुनिया भर में रह रहे भारतीयों के लिए गर्व की बात बताया। इसके साथ ही इस सूची में भारत के दर्ज प्राचीन अभिलेखों की संख्या 14 हो गयी है।

प्रधानमंत्री मोदी ने इसे 'भारत की सभ्यतागत विरासत के लिए एक ऐतिहासिक क्षण बताया। उन्होंने यूनेस्को के निर्णय के बारे में संस्कृति मंत्री शेखावत के एक पोस्ट पर टिप्पणी में, लिखा, समूचे विश्व में प्रत्येक भारतीय के लिए गर्व का क्षण। गीता और

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

उप मु.मंत्री एकनाथ शिंदे, अमित शाह से मिले, पर इससे उनकी कमज़ोरी ही जाहिर हुई

म्युनिसिपल चुनाव से पूर्व, एकनाथ शिंदे काफी हिले हुए हैं क्योंकि उन्हें शिव सेना के उद्धव ठाकरे खेमे व भाजपा गठबंधन के अन्य घटकों से एक साथ संघर्ष करना पड़ रहा है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 अप्रैल। हाल ही में, महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिन्दे तथा केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह के बीच हुई गोपनीय मीटिंग से राज्य में सत्तारुढ़ "महायुति" गठबंधन की दरारों के गहरी होने की व्यापक अटकलें लगाई जा रही है। ज्ञातव्य है कि राज्य के म्यूनिसिपल चुनाव होने में कुछ सप्ताह ही शेष हैं। तेरह अप्रैल को मुम्बई के सहयात्री गैस्ट हाउस में हुई इस मीटिंग ने गठबंधन की एकता को लेकर चिन्ताएं बढ़ा दी हैं। फन्ड्स तथा राजनैतिक पदों को लेकर पैदा हुये अन्दरुनी विवादों से सत्तारुढ़ गठबंधन के स्थायित्व के लिये खतरा पैदा हो गया है।

महायुति गठबंधन, जिसमें शिवसेना (शिन्दे गुट) भारतीय जनता पार्टी तथा नैशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी (एनसीपी-अजित पवार गुट) शामिल हैं, 2024 के हलचलपूर्ण विधानसभा

- भाजपा ने अप्रत्यक्ष संकेत दिया है कि वो घटकों के आपसी संघर्ष में एनसीपी (अजित पंवार) के पक्ष में हैं। यह भाजपा का, महाराष्ट्र की राजनीति की दृष्टि से बुद्धिमतापूर्ण कदम है, पर, शिंदे के लिये खतरे की घंटी है।
- शिंदे ने मुम्बई में 13 अप्रेल को सहयाद्री गेस्ट हाउस में बात करके, शिव सेना को तोड़ने में अपनी भूमिका याद दिलाई तथा अमित शाह से हस्तक्षेप करने की दुहाई दी। मगर, शाह पर इस दुहाई का खास असर होता नहीं दिख रहा है, तो क्या महायुति गठबंधन टूट भी सकता है?

चुनावों के बाद सत्ता में आया था। इसका गठन 2022 में शिव सेना के नाटकीय रुप से टूटने के बाद हुआ था, जब शिन्दे ने उद्धव ठाकरे का नेतृत्व अस्वीकार कर दिया तथा महाविकास अघाड़ी सरकार को सत्ता से हटाने के लिये भाजपा से गठजोड़ कर लिया था।

इस पार्टनरशिप ने मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़नवीस की सत्ता में वापसी तो हो गई थी, लेकिन शिन्दे गुट का अपने मित्र दलों के साथ तालमेल नहीं हो पा रहा है और उनका असंतोष बढ़ता ही जा रहा है, और उनका यह तनाव शाह के साथ हाल ही हुई उनकी मीटिंग से खुलकर सामने आ गया है। सूत्रों का कहना है कि संसाधनों के आवंटन तथा राजनैतिक महत्व से सम्बंधित शिकायतों के समाधान के लिये शिन्दे ने शाह का हस्तक्षेप की मांग की है। इस विवाद का मुख्य कारण राज्य के वित्तीय संसाधनों का वितरण है, जिस पर एन.सी.पी. नेता अजित पवार का नियंत्रण है। शिंदे ग्रुप का आरोप है कि उन्हें जानबूझकर अनदेखा किया जा रहा है।

एक और विवादास्पद मुद्दा रायगढ़ जिले के संरक्षक मंत्री का पद है, जो आर्थिक और चुनावी दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जाता है। शाह के, एन.सी.पी. नेता सुनील तटकरे के घर जाने से इस धारणा को और बल मिला है कि भाजपा इस पद के लिए तटकरे को प्राथमिकता दे रही है, जिससे शिंदे गुट स्वयं को हाशिए पर महसूस कर रहा है और इसे लेकर गुट में नाराज़गी बढ़ रही है। नगर निगम चुनाव नज़दीक हैं, ऐसे में ये मतभेद महंगे साबित हो सकते हैं। ये चुनाव महाराष्ट्र के विभिन्न क्षेत्रों में गठबंधन की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बाइस नक्सलियों ने सामूहिक आत्म समर्पण किया

सुकमा, 18 अप्रैल। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में 40.5 लाख रुपये के 12 इनामी माओवादी सहित 22 नक्सलियों ने सुरक्षा बलों के समक्ष शुक्रवार को सामूहिक रुप से आत्मसमर्पण किया। सरेंडर करने वालों में नौ महिला नक्सली भी शामिल हैं। इन नक्सलियों ने एक साथ पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल

- इन नक्सलियों में से 12 पर 40 लाख रुपये का ईनाम था।

(सीआरपीएफ) के अफसरों के सामने सरेंडर किया है। इन पर कुल 40 लाख रुपये का इनाम घोषित है। ये सभी नक्सली माड़ डिवीजन (छत्तीसगढ़) और नुआपाडा डिवीजन (ओडिशा) में सक्रिय रहे हैं। आज एक साथ सरेंडर करने वाले नक्सलियों में एक दंपति भी शामिल हैं। इन पर आठ-आठ लाख रुपये का इनाम घोषित है। इनके सरेंडर को पुलिस बड़ी सफलता मान रही है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अमेरिका तीन सप्ताह में ही, जल्दी से जल्दी, भारत के साथ व्यापारिक समझौता फाइनल कर लेना चाहता है

अमेरिका का मकसद केवल "टैरिफ" में भारत के पक्ष में कुछ व्यवहारिक कमी करना ही नहीं है, बल्कि, चीन की एशिया व विश्व में व्यापारिक धौंस पर अंकुश लगाना है

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 अप्रैल। तेजी से बदलते वैश्विक ट्रेड ड्रामा में भारत एक महत्वपूर्ण किरदार के रूप में उभरा है क्योंकि अमेरिका अपने अन्य मित्र देशों की तुलना में भारत के साथ एक ट्रेड एग्रीमैंट करने के लिए जल्दबाजी में है। इसमें टैरिफ रेट के अलावा और भी बहुत कुछ दांव पर है। इस डील से इंडो पैसेफिक इकॉनमिक ऑर्डर में भारत की स्थिति पुनः परिभाषित हो सकती है और चीन के वैश्विक दबदबे को नियंत्रित करने के लिए यू एस के नेतृत्व वाली रणनीति को प्रोत्साहित करेगा।

पता चला है कि भारत, जापान दक्षिण कोरिया और यूनाइटेड किंगडम के साथ डील करने के लिए वाइट हाउस रात-दिन एक कर रहा है, इसके लिए उसने तीन सप्ताह की समय सीमा रखी है। ये उच्चस्तरीय वार्ताएं असल में वैश्विक बाज़ार में चीन के बढ़ते प्रभाव को कम करने और ट्रेड कॉरिडोर को नया आकार देने के विस्तृत भू-राजनैतिक प्रयासों का अंग हैं।

इस डिप्लोमैटिक उथल-पुथल की शुरुआत अमेरिका द्वारा टैरिफ की घोषणा करने से हुई थी। लेकिन टैरिफ पर 90 दिन की रोक ने देशों को व्यक्तिगत ट्रेड डील्स करके और दण्डात्मक शुल्क से बचने का एक छोटा सा मौका दिया है।

- अमेरिका चाहता है, भारत से "बायलेटरल" व्यापारिक समझौता करके पैसिफिक देशों (साउथ कोरिया, वियतनाम, ताईवान, आस्ट्रेलिया व जापान) से व्यापारिक अरैंजमैंट को फाइनल करे।
- उद्योग व वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल भी कुछ ऐसे ही संकेत दे रहे हैं। उन्होंने एक इन्टरव्यू में कहा कि भारत पर वैसे भी "टैरिफ की मार" नहीं पड़नी चाहिये, क्योंकि भारत तो "टैरिफ वॉर" के बहुत पहले से ही अमेरिका से "बायलेटरल" व्यापारिक समझौते की बात कर रहा था।

भारत का बहुत कुछ दांव पर लगा है। वॉशिंगटन के साथ कई महीनों से चल रही उच्च स्तरीय वार्ता के बावजूद भारत को ट्रंप की नई टैरिफ लिस्ट में शामिल किया गया और भारतीय सामान पर 26 प्रतिशत टैरिफ लगाया गया। यह रेट दक्षिण कोरिया के समकक्ष है, पर वियतनाम व ताईवान से कुछ कम है। केन्द्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने एक इंटरव्यू में बताया कि टैरिफ की धमकी से बहुत पहले से ही भारत द्विपक्षीय वार्ताएं कर रहा है। भारत उन देशों में नहीं था, जिन पर वास्तव में टैरिफ लगाने की जरुरत थी, क्योंकि हम पहले से ही द्विपक्षीय वार्ताएं कर रहे थे।"

चीन के विपरीत, भारत ने शांत और व्यवहारिक रास्ता अपनाया। जहाँ चीन ने भी बदले में आक्रामक टैरिफ लगाए और निर्यात पर नियंत्रण किया, वहीं नई दिल्ली ने बैक चैनल डिप्लोमैसी और वार्ता का सहारा लिया। इसी बीच अमेरिका ने भारत के साथ डील को प्राथमिकता दी और अमेरिका, ब्रिटेन के साथ अपनी बहुप्रतीक्षित संधि से पहले भारत के साथ डील को फाइनल कर लेगा। यह तत्परता ट्रम्प प्रशासन की रणनीतिक प्राथमिकता को दर्शाती है, जिसमें वह अपने इंडोपैसेफिक सहयोगियों के साथ व्यापारिक समझौते करने की दिशा में काम कर रहा है।

नई दिल्ली के व्यापारिक वार्ताएं सिर्फ टैरिफ से छूट के लिए ही नहीं है, बल्कि इससे कहीं अधिक हैं। भारत जैनरिक दवाओं के निर्यात, आईटी सेवाओं और ई-कॉमर्स, जहाँ भारतीय

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दो हजार से ऊपर के यूपीआई लेनदेन पर जीएसटी नहीं

नयी दिल्ली, 18 अप्रैल। सरकार ने शुक्रवार को कहा कि 2,000 रुपये से अधिक के यूपीआई लेन-देन पर जीएसटी लगाने का कोई प्रस्ताव नहीं है और ऐसे किसी भी प्रस्ताव की बात भ्रामक और निराधार है।

बयान में कहा गया है कि कुछ

- वित्त मंत्रालय ने कहा इस तरह का कोई प्रस्ताव नहीं है।

उपकरणों (कार्ड जैसे माध्यमों) का उपयोग करके किए गए भुगतानों से संबंधित मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) जैसे शुल्कों पर ही जीएसटी लगाया जाता है।

केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) 30 दिसंबर 2019 को राजपत्र में प्रकाशित अधिसूचना के माध्यम से व्यक्ति-से-व्यापारी (पी2एम) को यूपीआई के माफित

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

पति के किये पत्नी कार्य में मंत्री के समान सलाह देने वाली, सेवा में दासी के समान काम करने वाली, माता के समान सुन्दर भोजन बनाने वाली, धर्म के अनुकूल और क्षमादी गुण धारण करने में पृथ्वी के समान स्थिर रहने वाली होती है । –संस्कृत सूक्ति

डरावने हैं मां और शिशुओं की मौत के आंकड़े

विश्व स्वास्थ्य संगठन का मांनना है हम पिछले एक दशक से गर्भावस्था से जुड़ी जटिलताओं के कारण होने वाली मौतों को बहुत कम कर चुके थे लेकिन 2016 के बाद इसमें फिर वृद्धि होने लगी है क्योंकि सरकारों का ध्यान इस पर कम हुआ है। संगठन के मुताबिक दुनियाभर में हर साल लगभग 3 लाख महिलाएं गर्भावस्था या प्रसव संबंधी जटिलताओं के कारण अकाल मौत की शिकार हो जाती हैं। इसी भांति 2 मिलियन से अधिक बच्चे अपने जीवन के पहले महीने में ही मर जाते हैं। अन्य 2 मिलियन बच्चे मृत पैदा होते हैं, जिनमें से कई को समय पर चिकित्सा सहायता मिलने पर बचाया जा सकता था। सबसे अधिक चौंकाने वाली बात यह है कि विश्लेषण करे तो पाएंगे हर 7 सेकंड में एक रोकी जा सकने वाली मौत हो रही है। नवजात शिशु सबसे ज्या दासेंसिटिव होता है और इस दौरान बीमारी और मृत्यु का खतरा सबसे अधिक होता है। समय से पहले जन्म होने पर संक्रमण, जन्म के समय सांस की समस्या, जन्मजात बीमारियों का रिस्कर इस दौरान काफी बढ़ जाता है। महिलाओं के प्रजनन स्वास्थ्य पर आंकड़ा जारी करते हुए कहा है कि आज भी हर 2 मिनट में प्रेग्नेंसी और डिलीवरी से संबंधित जटिलताओं के कारण एक महिला की मौत हो जाती है। यह आंकड़ा बेहद डरावना है क्योंकि आज मेडिकल साइंस ने इतनी तरक्की कर ली है कि प्रेग्नेंसी की जटिलताओं के कारण महिलाओं की मौत को आसानी से रोका जा सकता है। संगठन ने 2023 के आंकड़ों को पेश करते हुए बताया कि गर्भावस्था से जुड़ी जटिलताओं के कारण दुनिया में हर दिन 700 से ज्यादा महिलाओं की मौत होती है जो बेहद चिंता का विषय है। आंकड़े ये भी दर्शाते हैं कि आज भी दुनिया के ज्यादातर हिस्सों में प्रेग्नेंसी कितनी खतरनाक है, जबकि मातृ मृत्यु के अधिकांश मामलों में जटिलताओं को रोकने और उनका उपचार करने के समाधान मौजूद हैं। इसलिए क्वालिटी मैटरल केयर तक पहुंच सुनिश्चित करने के अलावा, महिलाओं और लड़कियों के अंतर्निहित स्वास्थ्य और प्रजनन अधिकारों को मजबूत करना भी अहम होगा। ये ऐसे कारक हैं जो प्रसव के दौरान और उसके बाद उनके हेल्थ रिजल्ट्स की संभावनाओं को मजबूत करते हैं।

विशेषज्ञों का कहना है कि निष्क्रियता कई गंभीर बीमारियों को जन्म देती है। विश्व लगातार बढ़ रही निष्क्रियता नामक महामारी का शिकार हो रहा है आरामदेह जीवनशैली से जुड़ी बीमारियाँ, जैसे हृदय रोग और डायबीटीज, अब तक संपन्न देशों की बीमारियाँ मानी जाती थीं लेकिन संगठन का कहना है कि अब विकासशील देश भी अब इसके शिकार हो रहे हैं।

साल 1990 से लेकर 2020 के आंकड़ों को देखा जाए तो भारत की स्थिति दुनिया के औसत आंकड़े से काफी बेहतर है। हालांकि हमारी सरकार लगातार इसमें और सुधार करने की कोशिश कर रही है। मोदी सरकार की प्राथमिकता आंकड़ों को शून्य करना है। एक रिपोर्ट के अनुसार गर्भावस्था के दौरान नियमित जांच से जटिलताओं का शीघ्र निदान संभव हो जाता है। पोषण, शारीरिक गतिविधि और तंबाकू और शराब जैसे हानिकारक पदार्थों से बचने पर जागरूकता कार्यक्रम जनभागीदारी से आयोजित किये जाये। मानसिक स्वास्थ्य देखभाल तक पहुंच बढ़ाई जावे, क्योंकि मातृ अवसाद और प्रसवोत्तर तनाव पर अभी भी ध्यान नहीं दिया जाता है। साथ ही प्रसव एवं डिलीवरी के दौरान कुशल स्वास्थ्य देखभाल सहायता, समय पर हस्तक्षेप सुनिश्चित किये जाये।

यह संकल्प लेने की जरुरत है की हम पीड़ित मानवता को हर खतरे से बचाने के लिए समय पर स्वास्थ्य सुविधा सुलभ करा कर स्वस्थ दुनिया के निर्माण की दिशा में आगे बढ़ेंगे। हर इंसान का स्वास्थ्य अच्छा हो और बीमार होने पर हर व्यक्ति को अच्छे इलाज की सुविधा मिल सके। दुनियाभर में पोलियो, रक्ताल्पता, नेत्रहीनता, कुष्ठ, टीबी, मलेरिया और एड्स जैसी भयानक बीमारियों की रोकथाम हो सके और मरीजों को समुचित इलाज की सुविधा मिल सके और समाज को बीमारियों के प्रति जागरूक बनाया जाए और उनको स्वस्थ वातावरण बना कर स्वस्थ रहना सिखाया जाए। भारत में आम तौर पर लोगों में स्वास्थ्य चेतना का अभाव है। शारीरिक स्वास्थ्य के प्रति भी लोग तभी चिंतित होते हैं जब कोई रोग उन्हें ठास लेता है।

विशेषज्ञों का कहना है कि निष्क्रियता कई गंभीर बीमारियों को जन्म देती है। विश्व लगातार बढ़ रही निष्क्रियता नामक महामारी का शिकार हो रहा है आरामदेह जीवनशैली से जुड़ी बीमारियाँ, जैसे हृदय रोग और डायबीटीज, अब तक संपन्न देशों की बीमारियाँ मानी जाती थीं लेकिन संगठन का कहना है कि अब विकासशील देश भी अब इसके शिकार हो रहे हैं। विश्व भर में इन बीमारियों से हर वर्ष दो करोड़ लोगों की मौत होती है और इनमें से अस्सी प्रतिशत गरीब देशों से हैं संगठन का कहना है कि इस तरह की बीमारियाँ दौड़-भाग से रोकी जा सकती हैं स्वास्थ्य सिर्फ रोग या दुर्बलता की अनुपस्थिति ही नहीं बल्कि एक पूर्ण शारीरिक, मानसिक और सामाजिक खुशहाली की स्थिति है। स्वस्थ लोग रोजमर्रा की गतिविधियों से निपटने के लिए और किसी भी परिवेश के मुताबिक अपना अनुकूलन करने में सक्षम होते हैं। रोग की अनुपस्थिति एक वांछनीय स्थिति है लेकिन यह स्वास्थ्य को पूर्णतया परिभाषित नहीं करता है। यह स्वास्थ्य के लिए एक कसौटी नहीं है और इसे अकेले स्वास्थ्य निर्माण के लिए पर्याप्त भी नहीं माना जा सकता है। लेकिन स्वस्थ होने का वास्तविक अर्थ अपने आप पर ध्यान केंद्रित करते हुए जीवन जीने के स्वस्थ तरीकों को अपनाया जाना है।

जीवन में स्वास्थ्य ही अनमोल धन है। शारीरिक रूप से स्वस्थ व्यक्ति ही जीवन के विभिन्न क्षेत्रो में सफलता अर्जित कर सकते है। स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मन का निवास होता है। व्यक्ति की सबसे बड़ी दौलत उसका शरीर और उसका स्वास्थ्य होता है। जीवन में स्वास्थ्य का मूल्य समझ कर ही विश्व स्वास्थ्य संगठन की स्थापना की गई थी। अत: प्रत्येक व्यक्ति को अपने स्वास्थ्य के प्रति सदैव सजग रहना चाहिए।

–अतिथि संपादक,
बाल मुकुन्द ओझा,
वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार

राशिफल शनिवार 19 अप्रैल, 2025

पंडित अनिल शर्मा

वैशाख मास, कृष्ण पक्ष, षष्ठि तिथि, शनिवार, विक्रम संवत 2082, मूल नक्षत्र दिन 10:21 तक, शिव योग रात्रि 12:52 तक, वणिज करण सायं 6:22 तक, चन्द्रमा आज धनु राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मेष, चन्द्रमा-धनु, मंगल-कर्क, बुध-मीन, गुरू-वृष, शुक्र-मीन, शनि-मीन, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज रवियोग दिन 10:21 से आरम्भ होगा। भद्रा सायं 6:22 से आरम्भ होगी। आज सायन वृष में सूर्य रात्रि 1:26 पर प्रवेश करेगा। आज ग्रीष्म ऋतु आरम्भ होगी।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ 7:39 से 9:15 तक, चर 12:26 से 2:02 तक, लाभ-अमृत 2:02 से 5:13 तक।

राहूकाल: 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 6:03, सूर्यास्त 6:49

मेष
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। शुभ कार्य के लिए यात्रा संभव है। आज नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

सिंह
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु
घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृष
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं।

कन्या
घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

मकर
आज अनर्गल कार्यों में समय खराब होगा। मन में असंतोष बना रहेगा। अनावश्यक धन खर्च हो सकता है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मिथुन
परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। आज परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

तुला
व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे।

कुंभ
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

कर्क
स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृश्चिक
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी।

मीन
व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

समीक्षा: कहानी संग्रह ''अहसासों की इबारत''

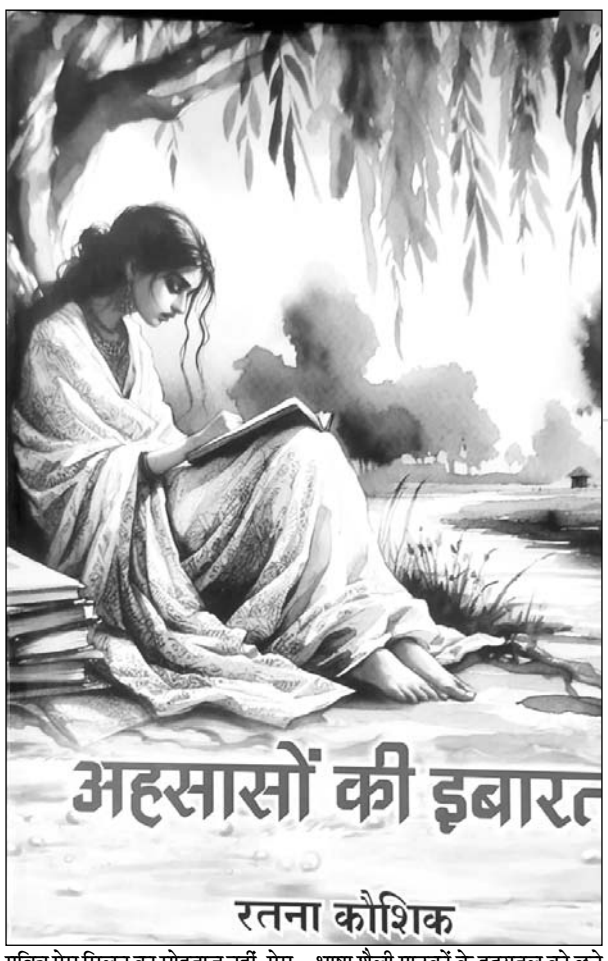

लेखिका की इससे पहले प्रकाशित कृति 'अतीत के पन्नों से' काफी चर्चित रही है। सद्य प्रकाशित 'अहसासों की इबारत' पुस्तक के प्रकाशक हैं साहित्यगार, मुद्रक हैं शीतल प्रिंटर्स जयपुर, आवरण पृष्ठ पर पेड़ के नीचे नदी किनारे बैठी एक युवती का रंगीन चित्र है जो बहुत संजीदगी के साथ कोई पुस्तक पढ़ रही, जो पुस्तक के शीर्षक के अनुसार ही है।

पुस्तक का मूल्य रु 300 रु, जो थोड़ा ज्यादा लग सकता है, पर पढ़ने के बाद अखरेगा नहीं।

पुस्तक अमेज़न और फ्लिपकार्ट पर उपलब्ध है।

शबनमी आखरों से बुनी पन्द्रह कहानियों का यह संग्रह, 'अहसासों की इबारत' आपके मन को गहराइयों तक भिगो देगा, आपको पता भी न चलेगा, कब आपकी आँखों से कुछ मोती झरे, और आपके मन के सारे क्लेश धो गए।

लेखिका रतना कौशिक की इन कहानियों में दर्द भी है और दवा भी। हकीकत की जमीं पर बोई गई और कल्पना से उकेरी गई ये कहानियाँ कभी हमें अपनी और कभी अपनों की सी लगती हैं।

यह कहानी संग्रह, साहित्य के महासागर की अमृतमयी बून्द है, साहित्य का अर्थ ही है 'हित से युक्त होना' यथा-'हितेन सह इति सहितं, तस्य भाव साहित्यं।' साहित्य का मूल तत्त्व हित-साधन है। साहित्य की कसौटी मूलत: शिवत्व अर्थात सामाजिक कल्याण है, आप इस संग्रह की हर कहानी में शिवत्व का यही मूल भाव सुगढ़ता से गुँथा हुआ पायेंगे। उपदेश की शुष्क जमीं से दूर, भावों की नमीं से उपजे ऐसे ही सृजन के लिए तुलसीदास जी ने लिखा है:-

''कीरति भनिति भूति भल सोई,सुरसरि सम सब कह हित होई।''

यानी कीर्ति, कविता, और सम्पत्ति वही उत्तम है जो गंगाजी की तरह सबका हित करने वाली हो।

इस संग्रह की पंद्रह कहानियों में से पहली आठ कहानिया स्त्री विमर्श पर आधारित है, तो अन्य सात कहानियों में से बर्फ वाली आइस्क्रीम बचपन की दोस्ती, टूट गए मोह के धागे पुत्र मोह, रिश्तों में जीवन रहने दो कोविड की विभीषिका में रिश्तों में आई विद्रूपता, अपना-अपना आईना एक लघु कथा है जिसमें समाज में बढ़ती संवेदनहीनता पर टिप्पणी की गई है। एक कतरा खुशी का दो मित्रो की कहानी है जिसमें एक मित्र अपने कंगाल हुए मित्र की शादी की 50 वीं सालगिरह धूम धाम से मनाता है। आज भी समाज में नारी को अपनी पहचान और अस्मिता बनाए रखने के लिए कठिन संघर्ष करना पड़ता है, समाज में उनके प्रति उदार दृष्टिकोण प्राय: छद्म में ही प्रतीत होता है, संग्रह की प्रथम आठ कहानियां ऐसे ही संघर्षों की रोचक कथाएं हैं, जहां कभी नायिका को विजय मिलती है तो कभी हार और कभी जीत में भी हार।

कहानि 'मेरा मायका' समाज के हीन होते नजरिए के बारे में है,जैसे कीचड़ से सनी आँखों को न कुछ साफ दिखता है न ही कुछ अच्छा, वैसे ही अपना घरबार और नौकरी छोड़ मायके में अपने माँ-बाप की सेवा करती बेटी की नीयत में उसकी सगी बहनों को बस खोट दिखा, खुद उसके माँ बाप को भी कुछ ऐसा ही लगा, सबको लगा इकलौते भाई की मृत्यु के बाद छोटी बहन ने बाप की संपत्ति पर कब्जा करने की नीयत से मायके में डेरा डाल रखा है, पर सच ये न था''।

किन्नर, हिजड़ा, हमारे समाज में गाली का पर्याय ही समझा जाता है, एक माँ जिसकी पहली संतान एक किन्नर है, पर जन्म के साथ ही बेरहम दकियानूसी समाज ने दूर कर दिया उसे अपनी इसी अभागी सन्तान से, पर वो अंतिम घड़ी तक अटकी रही उसकी साँसों में, सरकार ने भले ही किन्नरों को सब हक़ दे दिए, पर ये समाज उन्हें अपने घर परिवार का सुकूँ न दे सका, भावनाओं से ओतप्रोत कहानी ''किसी को हक़ मिला तो किसी को सुकून'' एक अन्वेषण है इसी जमीनी हक़ीक़त का।

एक धनाढ्य परिवार की महिला कैसे अपनों के ही हाथों बेबस लाचार 'चबूतरे वाली अम्मा' बन गई, दिल को झकझोर देने वाली यह कहानी है टूटती परम्पराओं और छूटते संस्कारो का प्रतिबिम्ब। वृद्धावस्था में चाहिये अपनों का प्यार, सम्मान आदर, पर अब तो आपका धन भी इसका आश्वासन नहीं दे सकता। जीवन भर माँ बाप अपनी सन्तान की उन्नति के लिये अपना सब कुछ दाँव पर लगा देते हैं, फिर भी बुढ़ापे में उनकी उपेक्षा झेलना ....समझ के बाहर है, पर यह हो रहा है, समय आ गया है, माँ-बाप अपनी सन्तान के भविष्य के लिए ही नहीं अपने भविष्य की भी सुदृढ योजना बनाये।

तोड़ दी जंजीरें बेमेल विवाद एवं तलाक की समस्या पर आधारित कथा है, सम्पन्न परिवार से आया रिश्ता आज भी मां-बाप ठुकरा नहीं पाते, ससुराल पक्ष भी शादी से पहले लड़की के खुले खाने, पहनने, ओढ़ने, घूमने-फिरने और काम करने की आजादी पर छद्म उदारता दिखाता है, लेकिन बेटे की चाह मेंकन्याभ्रूण हत्या के जघन्य अपराध से भी उन्हें गुरेज नहीं, इन्हीं यंत्रणाओं से गुजरी नायिका अपनी बेटी को बचाने के लिए शादी की जंजीरें तोड़ देती है।

संग्रह की शीर्षक कहानी अहसासों की इबारत एक अधूरी प्रेम कथा है, प्रेम मुक्कमल नहीं हो तो भी तो प्रेमी अपने-अपने जीवन में खुशहाल रह सकते हैं, पवित्र प्रेम मिलन का मोहताज़ नहीं, प्रेम एक अहसास की इबारत है, अक्षर है जो न मरता न ही मरने देता है। 'उन्नत बीज' एक ऐसी कहानी है जो संग्रह की अन्य कहानियों से बिलकुल अलग है किसी रूपक जैसी, और इस संग्रह में अप्रासंगिक सी लगती है।

कुल मिला कर यह बेहद मन भावन एवं रोचक कहानी संग्रह है, लेखिका की सहज सरल एवं सुग्राही भाषा शैली पाठकों के हृदयतल को छूने में सक्षम है, यह संग्रह न केवल समाज का आईना है, अपितु यह समाज को दिशा भी देता है, हमारी सोच और मान्यताओं को बलवती करता है।

भावो, तत भवति यानी आप वही बन जाते हैं जो आप मानते हैं।

लेखिका-रतना कौशिक
समीक्षक: अनिल कौशिक
'विश्वमित्र'

ग्राम पंचायत नेतेवाला में आम गलियों में जाली पट्टे जारी किये, जनसुनवाई में पीड़ा बताई

- **बुजुर्ग हेतराम ने कलेक्ट्रेट में जिला स्तरीय जनसुनवाई में अपनी पीड़ा बताई**
- **दिसंबर 2019 में जिला प्रभारी मंत्री को भी जनसुनवाई में पीड़ा बताई थी, लेकिन आज तक न्याय नहीं मिला**

श्रीगंगानगर, (निसं)। बुजुर्ग हेतराम कलेक्ट्रेट में जिला स्तरीय जनसुनवाई में अपनी पीड़ा बताने आए। उन्होंने बताया कि ग्राम पंचायत नेतेवाला का दो बार वर्ष 1978-80 व 1995 से 2000 में सरपंच भी रह चुका हूं। गांव में अवैध अतिक्रमण हटाने के लिए वर्ष 2018 से लेकर आज तक कई बार जिला प्रशासन तक फरियाद कर चुका हूं। यहां तक कि 3 दिसंबर 2019 को जिला प्रभारी मंत्री को भी जनसुनवाई में अपनी पीड़ा बताई थी, लेकिन आज तक न्याय नहीं मिला है। जनसुनवाई के यही हाल रहे तो तय मानिए कि आने वाले समय में लोग फरियाद लेकर आना ही बंद हो जाएंगे, जनसुनवाई से भरोसा उठ जाएगा।

उन्होंने कलेक्टर डॉ. मंजू को बताया कि नेतेवाला में आम गलियों में जाली पट्टे बनाकर कब्जा करवा दिया गया है। प्रभारी मंत्री के निर्देश पर जांच ग्राम विकास अधिकारी द्वारा की गई थी, जो निष्पक्ष नहीं थी। इसके बाद कई बार उच्चाधिकारियों को जांच कर आरोपियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की, लेकिन न जांच हुई न कार्रवाई। ऐसे में सहज अनुमान लगाया जा सकता है कि दो बार सरपंच रहे व्यक्ति को ही न्याय नहीं मिल रहा तो आम लोगों की क्या स्थिति होती होगी। 3ई छोटी को शहरी सीमा में शामिल तो कर लिया, लेकिन गंदगी उठाने कोई नहीं आ रहा। शिवनगर जन सेवा समिति का शिष्टमण्डल समिति अध्यक्ष गुरजंट सिंह के नेतृत्व में जनसुनवाई में कलेक्टर से मिला। बताया कि ग्राम पंचायत 3ई छोटी के परिसीमन के उपरांत नगर परिषद श्रीगंगानगर के क्षेत्र में सम्मिलित तो कर लिया गया। लेकिन सफाई व्यवस्था और कचरा उठाव के लिए कोई प्रयास नहीं हो रहे हैं। लिहाजा जगह-जगह गंदगी के ढेर लग चुके हैं। इस पर कलेक्टर ने नगर परिषद एक्सईएन को सफाई करवाने के निर्देश दिए।

चक 5 बी निवासी 87 साल के बुजुर्ग रिछपाल सिंह का कहना है कि उसकी कृषि भूमि मुरब्बा नंबर 20 में 15 बीघा, मुरब्बा नंबर 16 में 7 बीघा 10 बिस्वा, मुरब्बा नंबर 13 में 2 बीघा 10 बिस्वा, मुरब्बा नंबर 17 में 3 बीघा कृषि भूमि है। मुरब्बा नंबर 16,13,17 की बारी मुरब्बा नंबर 16 में एकट्ठी बंधी हुई है। जल उपभोक्ता संगम के अध्यक्ष ने प्रार्थी को नुकसान पहुंचाने के लिए बारियां अलग-अलग कर क्रमश: 13,17 व 16 में अलग-अलग कर बांध दी। ताकि उसकी बारियां और समय बर्बाद हो जाए। अधीक्षण अभियंता की ओर से भी पूर्व की भांति बारी एकट्ठा करने के आदेश दिए गए, लेकिन पालना आज तक नहीं हुई। इतना ही नहीं अध्यक्ष ने अपने पिता के लिए मुरब्बा नंबर 16 के किला नंबर 16-25 की डोली (बट) पर अतिरिक्त नाका 4 अप्रैल 2025 को स्वीकृत करवा लिया है। इस संबंध में हर स्तर पर शिकायतें की गई, लेकिन राहत आज तक नहीं मिली। लगभग ऐसी ही पीड़ा अन्य फरियादियों की थी।

जिला स्तरीय जनसुनवाई एवं सतर्कता समिति की बैठक कलेक्ट्रेट के वीसी रूम में हुई। इस दौरान कलेक्टर डॉ. मंजू ने कहा मुख्यमंत्री की मंशा के अनुसार परिवेदनाओं का निस्तारण कर आमजन को राहत पहुंचाई जाए। जनसुनवाई में प्राप्त 120 प्रकरणों पर चर्चा की गई। वीसी के माध्यम से मुख्य सचिव सुंधाश पंत ने संपर्क पोर्टल प्रकरणों की समीक्षा करते हुए आमजन की परिवेदनाओं के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए। जनसुनवाई के बाद सतर्कता समिति की बैठक में समस्त प्रकरणों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने कहा कि संपर्क पोर्टल पर ज्यादा अवधि तक प्रकरण लम्बित नहीं रहें। इस अवसर पर एडीएम सतर्कता रीना, जिला परिषद सीईओ गिरधर, एएसपी रामेश्वर लाल, नगर विकास न्यास सचिव अशोक असीजा, सहायक निदेशक लोक सेवाएं ऋषभ जैन, विजय कुमार सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

पूर्व पार्षद सुनीता इंदौरा, कश्मीरी लाल इंदौरा, अमित खन्ना, विनोद पंवार सहित अन्य ने कलेक्टर को ज्ञापन देकर बताया कि प्रार्थी वार्ड 62 के निवासी हैं। परिसीमन पर हमें एतराज है, क्योंकि वार्ड 62 का कुछ हिस्सा काटा जा रहा है। दूसरे वार्ड का हिस्सा जोड़ने से वार्ड में सुधार कार्य में परेशान होगी। ऐसे में परिसीमांकन से पहले वार्डवासियों, पूर्व पार्षदों की बात भी सुनी जाए। अनिल कुमार बिश्नोई, सतनाम सिंह, थाना सिंह, सज्जन सिंह, बलदेव सिंह बराड़ आदि ने ज्ञापन के जरिए अवगत कराया कि ग्राम पंचायत 4 जैड के आबादी क्षेत्र में ऑफिसर कॉलोनी (मुरब्बा नंबर 69), तीन पुली को नगर परिषद से वंचित कर दिया गया। जबकि इस क्षेत्र की दूरी महज 1 किलोमीटर ही है। यूआईटी पट्टे जारी करती है। मूलभूत सुविधाएं भी निकाय से उपलब्ध करवा रहे हैं।

जेईई-मेन अप्रैल सेशन की एनटीए ने संसोधित फाइनल आंसर-की जारी की

- **17 अप्रैल की आंसर-की में दो सवालों के जवाब वापस लिए**
- **रिवाइज्ड आंसर-की में दो नए सवालों के जवाबों में बदलाव किया**

कोटा, (निसं)। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी की ओर से शुक्रवार दोपहर जेईई-मेन अप्रैल सेशन की रिवाइज्ड फाइनल आंसर-की जारी कर दी गई। इससे पूर्व गुरुवार को जेईई-मेन अप्रैल सेशन की आंसर-की जारी की गई थी, जिसे करीब दो घंटे बाद ही वापस ले लिया गया था। अब पुन: जारी की गई रिवाइज्ड फाइनल आंसर-की में भी 11 सवालों के जवाबों में बदलाव किया गया है।

इसमें सबसे ज्यादा फिजिक्स में 6, मैथ्स में 3 और 2 केमेस्ट्री के सवालों के जवाबों में बदलाव किए गए हैं। इनमें सबसे अधिक 5 सवालों के जवाब 3 अप्रैल को बदले गए, जिसमें 4 सवाल मॉर्निंग तथा एक सवाल इवनिंग शिफ्ट से था।

रिवाइज्ड फाइनल आंसर-की के अध्ययन के आधार पर एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट के निदेशक डॉ. बृजेश माहेश्वरी ने बताया कि रिवाइज्ड फाइनल आंसर-की में 2 सवालों के जवाब ऐसे हैं, जो 17 अप्रैल को जारी की गई फाइनल आंसर-की में बदले गए थे, लेकिन अब उन्हें वापस ले लिया गया है। इसमें 3 अप्रैल को मॉर्निंग शिफ्ट में फिजिक्स और 4 अप्रैल को इवनिंग शिफ्ट में फिजिक्स के सवाल के जवाब में 17 अप्रैल को जारी की गई फाइनल आंसर-की में करेक्शन किया गया था, जिसे रिवाइज्ड फाइनल आंसर-की में वापस ले लिया गया। इन सवालों के जवाब बदले-2 अप्रैल को मॉर्निंग शिफ्ट में मैथ्स के सवाल के जवाब में बदलाव किया गया है।

वहीं 3 अप्रैल को मॉर्निंग शिफ्ट के फिजिक्स के सवाल को ड्रॉप किया गया, इसी शिफ्ट में फिजिक्स तथा कैमेस्ट्री के सवाल के जवाब बदले गए हैं। इसी तरह 3 अप्रैल को इवनिंग शिफ्ट मैथ्य के एक सवाल के दो जवाब का विकल्प दिया गया है। 4 अप्रैल को मॉर्निंग शिफ्ट में फिजिक्स, इसी शिफ्ट में फिजिक्स के ही एक अन्य सवाल में दो जवाबों का विकल्प दिया गया है। इसी तरह 4 अप्रैल को इवनिंग शिफ्ट में फिजिक्स के सवाल के जवाब में बदलाव किया गया है। 7 अप्रैल को मॉर्निंग शिफ्ट में मैथ्स और फिजिक्स के एक-एक सवाल के जवाब बदले गए हैं। 8 अप्रैल को इवनिंग शिफ्ट में कैमेस्ट्री के सवाल के जवाब में बदलाव किया गया है।

स्कूल शिक्षक ने मासूम बच्चे की बेरहमी से पिटाई की

- **आम के पेड़ से कच्चे आम तोड़ने पर स्कूल टीचर ने मासूम बच्चे को मारा**

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के जहाजपुर क्षैत्र के हनुमान नगर थाना क्षेत्र से एक घटना सामने आई है, जहां एक स्कूल टीचर ने आम के पेड़ से कच्चे आम तोड़ने पर एक मासूम बच्चे की बेरहमी से पिटाई कर दी। बच्चे के परिजनों का कहना है कि मारपीट इतनी क्रूर थी कि डर के मारे बच्चे की पैंट में शौच निकल गई और उसके शरीर पर गंभीर चोटों के निशान भी आए हैं। पीड़ित बच्चे के पिता चैन सिंह मीणा ने हनुमान नगर थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई है।

उन्होंने बताया कि उनका बेटा आवासीय कॉलोनी में अपने दोस्तों के साथ क्रिकेट खेल रहा था। खेल के दौरान पास ही लगे आम के पेड़ से बच्चों ने कुछ कच्चे आम तोड़ लिए, जिससे नाराज़ होकर पास में ही रहने वाले टीचर ने उनके बेटे को पकड़ लिया और अपने घर ले जाकर बांधकर बेरहमी से पीटा। चैन सिंह का आरोप है कि पिटाई इतनी जोरदार थी कि बच्चा डर के कारण शारीरिक संतुलन खो बैठा। पुलिस को दी शिकायत में उन्होंने बताया कि बच्चे के शरीर पर गहरे चोट के निशान हैं। हनुमान नगर थाना अधिकारी गणेश राम ने जानकारी दी कि पुलिस ने मामले में तुरंत कार्रवाई करते हुए बच्चे का मेडिकल चेकअप कराया, जिसमें मामूली चोटें पाई गई हैं। टीचर के घर पर पुलिस की एक टीम भेजी गई थी, लेकिन आरोपी टीचर मौके पर नहीं मिला। उसके परिजनों को थाने बुलाया गया है और मामले की जांच जारी है।

पोषाहार के चावल में इल्लियां मिली, प्राथमिक स्कूल का हैड मास्टर सस्पेंड

- **डीईओ एलीमेंट्री अचानक स्कूल का निरीक्षण करने पहुंचे थे**

झुंझुनूं, (निसं)। जिले के नवलगढ़ उपखंड के डूमरा गांव की राजकीय प्राथमिक विद्यालय घीसा की ढाणी के हैड मास्टर पवन कुमार को डीईओ एलीमेंट्री मनोज कुमार ढाका ने सस्पैंड कर दिया है।

जानकारी के अनुसार डीईओ एलीमेंट्री मनोज कुमार ढाका अचानक स्कूल का निरीक्षण करने पहुंचे थे। उन्होंने जब पोषाहार चैक किया तो पोषाहार के उपयोग में आने वाले गेंहू की मात्रा कम और चावल की मात्रा ज्यादा मिली, जिससे पोषाहार में पोषक आहार में अनियमितता सामने आई। इसके अलावा चावल में इल्लियां भी मिली। वहीं मिड-डे मील के वाउचर भी संदिग्ध मिले। इसके बाद जब ढाका ने स्कूल के स्टोर को खंगाला तो उनकी भी आंखें फटी की फटी रह गई। वहां पर विद्यार्थियों को बांटी जाने वाली एवीएल किट बंद कार्टून में मिली। एक कार्टून खुला हुआ मिला तो उसमें भी किट का उपयोग किया हुआ नहीं मिला। इस मामले में जब हैडमास्टर से पूछा गया तो वो संतोषप्रद जवाब नहीं दे पाए। हैड मास्टर की लापरवाही यही पर खत्म नहीं हुई। स्कूल के बच्चों के लिए आई खेल सामग्री भी पैकेट बंद ही मिली। कैश बुक में पिछले एक साल से एसएमसी अध्यक्ष के साइन नहीं मिले, जबकि हर माह होने वाली बैठक के बाद कैश बुक में एसएमसी अध्यक्ष का अनुमोदन अनिवार्य है। ढेर सारी लापरवाही मिलने पर डीईओ एलीमेंट्री मनोज कुमार ढाका ने हैड मास्टर पवन कुमार को सस्पैंड कर उसका मुख्यालय सीबीईओ खेतड़ी कर दिया। डीईओ ने बताया कि यह स्कूल कक्षा एक से पांच की है। जहां पर कक्षा पांच के बच्चे परीक्षा होने के कारण नहीं थे। वहीं एक से चार तक के बच्चे पढ़ रहे थे। उन्होंने बताया कि जो अनियमितताएं मिली है। उसकी रिपोर्ट तैयार कर उच्चाधिकारियों को भिजवा दी गई है। सोमवार को जांच कमेटी बनाकर पूरे मामले, अनियमितता और लापरवाही की विस्तृत जांच करवाई जाएगी। मिड-डे मील के लिए लाए गए सामान के वाउचर भी संदेह के घेरे में है। संबंधित फर्मों से जानकारी जुटाई जाएगी।

आई.पी.एल.मैचों पर ऑनलाइन सट्टा लगाने वाले चार बदमाश गिरफ्तार

जयपुर ग्रामीण जिले की शाहपुरा थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आईपीएल मैचो पर ऑनलाइन सट्टा लगाने वाले गिरोह के चार सदस्यों को गिरफ्तार किया है।

- 5 लाख रुपये का सट्टे का हिसाब व 60 हजार रुपये नकद किए बरामद
- 11 एंड्रॉइड मोबाईल फोन, भिन्न-भिन्न कंपनी की 14 मोबाइल सिम,सट्टा सामग्री,एक थार जीप, एक मोटरसाइकिल व एक स्कूटी जब्त

जयपुर। जयपुर ग्रामीण जिले की शाहपुरा थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आईपीएल मैचो पर ऑनलाइन सट्टा लगाने वाले गिरोह के चार सदस्यों को गिरफ्तार किया है और साथ ही उनके पास से 5 लाख रुपये का सट्टे का हिसाब, 60 हजार रुपये नकद , 11 एंड्रॉइड मोबाईल फोन,भिन्न-भिन्न कंपनी की 14 मोबाइल सिम,सट्टा सामग्री,एक थार जीप, एक मोटरसाइकिल व एक स्कूटी जब्त की गई है। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

उप महानिरीक्षक पुलिस सह-पुलिस अधीक्षक जिला जयपुर ग्रामीण आनन्द शर्मा ने बताया कि जिले की शाहपुरा थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आईपीएल मैचों पर ऑनलाइन सट्टा लगाने वाले गिरोह भानु कुमार अग्रवाल निवासी शाहपुरा जिला जयपुर, मनोज चौधरी शाहपुरा जिला जयपुर, सतीश निवासी दौलतपुरा जयपुर और विजय महाजन निवासी मनोहरपुर जिला जयपुर को गिरफ्तार किया गया है। वहीं आरोपित विक्रम उर्फ गुल्लु सैनी निवासी शाहपुरा जिला जयपुर फरार हो गया। जिसकी तलाश की जा रही है।

आरोपियों से पूछताछ पर यह सामने आया है कि वह सुनसान जगह पर स्थित फार्म हाउस या अन्य सुनसान जगहो पर एंड्रॉइड मोबाइल फोन तथा इंटरनेट तकनीक के माध्यम से आईपीएल क्रिकेट मैच पर सट्टे के भाव अपने से बड़े सटोरियों से जरिये फोन लाईन /ऑनलाईन इंटरनेट प्राप्त कर आईपीएल टी-20 क्रिकेट मैच पर अपने फायदे के लिए लोगो को रुपये कमाने का लालच देकर बदनीयति पूर्वक आपस में षड्यंत्र रचकर प्रवंचना पूर्वक लोगों को धोखा देने की नियत से क्रिकेट मैच पर मोबाइल फोन से सम्पर्क कर सट्टा खाईवाली व लगाईवाली करने का काम करते हैं। इस गिरोह को सट्टेबाजी के लिये जिये फोन लाईन व सट्टा भाव देने वाले बडे सटोरियों के सम्बन्ध में गहनता से जांच पड़ताल की जा रही है।

अधिस्वीकृत पत्रकारों के बच्चों की उच्च शिक्षा के लिये छात्रवृत्ति योजना की अधिसूचना जारी

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देश पर सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग द्वारा अधिस्वीकृत पत्रकारों के बच्चों के लिए उच्च शिक्षा हेतु छात्रवृत्ति योजना की अधिसूचना जारी कर दी गई है। बजट घोषणा वर्ष 2024-25 को पूरा करते हुए राज्य के सभी अधिस्वीकृत पत्रकारों के बच्चों के लिए राष्ट्रीय स्तर के उच्च शिक्षण संस्थानों में अध्ययन हेतु वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने के लिए यह योजना शुरू की गई है।

योजना के तहत आवेदक छात्र/छात्रा के माता-पिता में से किसी एक व्यक्ति को सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, राजस्थान से अधिस्वीकृत पत्रकार होना आवश्यक है। ऐसे अधिस्वीकृत पत्रकार जिनकी स्वयं की आजीविका पूर्णत: पत्रकारिता पर निर्भर हो तथा अभ्यर्थी की स्वयं की वार्षिक आय को सम्मलित करते हुए अधिकतम 5 लाख रुपये से कम हो, उनके दो बच्चे पात्र होंगे। राष्ट्रीय स्तर की शिक्षण संस्थानों के मान्यता प्राप्त पाठ्यक्रमों में संस्थाओं द्वारा विद्यार्थियों से लिये गये केवल अनिवार्य नॉन रिफंडेबल शुल्कों का आधा अर्थात 50 प्रतिशत शुल्क का पुनर्भरण/भुगतान विद्यार्थी को बैंक खाते के माध्यम से ऑनलाइन किया जाएगा। पाठ्यक्रम एक से अधिक वर्ष की अवधि होने पर छात्रवृत्ति का नवीनीकरण प्रतिवर्ष किया जायेगा।

प्रदेशभर में हीटवेव का हो पुख्ता प्रबंधन : गायत्री राठौड़

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने शुक्रवार को स्वास्थ्य भवन में भीषण गर्मी एवं हीटवेव के दौरान चिकित्सा संस्थानों में आवश्यक तैयारियों, बजट घोषणाओं एवं चिकित्सा सेवाओं से जुड़े विभिन्न विषयों पर समीक्षा की।

- 'एक भी रोगी के जीवन को नहीं हो खतरा'
- 'पंखे, कूलर, एसी की कमी से परेशानी हुई तो संस्थान प्रभारी होंगे जिम्मेदार'

जयपुर। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने कहा कि राजस्थान भीषण गर्मी एवं हीटवेव की दृष्टि से बेहद संवेदनशील राज्य है। इसे देखते हुए प्रदेश के चिकित्सा संस्थानों में हीटवेव को लेकर पुख्ता प्रबंधन सुनिश्चित हो। किसी भी स्तर पर लापरवाही सामने आई तो सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति का जीवन अमूल्य है। जांच, दवा, उपचार आदि के अभाव में किसी भी रोगी के जीवन को खतरा नहीं होना चाहिए।

राठौड़ शुक्रवार को स्वास्थ्य भवन में भीषण गर्मी एवं हीटवेव के दौरान चिकित्सा संस्थानों में आवश्यक तैयारियों, बजट घोषणाओं एवं चिकित्सा सेवाओं से जुड़े विभिन्न विषयों पर समीक्षा कर रही थीं। प्रमुख शासन सचिव ने कहा कि अस्पतालों में हीटवेव एवं मौसमी बीमारियों के उपचार के लिए आवश्यक दवाओं की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। मांग एवं आवश्यकता के अनुरूप हर चिकित्सा संस्थान में दवाओं की उपलब्धता हो। जरूरत होने पर स्थानीय स्तर पर भी दवाओं की खरीद की जाए, लेकिन दवाओं की कमी नहीं रहे। राठौड़ ने कहा कि हर चिकित्सा संस्थान में पानी, छाया, एसी, कूलर, पंखों आदि की समुचित उपलब्धता एवं क्रियाशीलता को लेकर विशेष ध्यान रखा जाए। अगर किसी भी चिकित्सा संस्थान से मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ा तो संबंधित संस्थान के प्रभारी की जिम्मेदारी तय की जाएगी और नियमानुसार अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

फॉर्च्यून पार्क लैंड पर एक लाख रुपए हर्जाना

- टूर एंड ट्रेवल्स कंपनी ने ग्राहक को सुविधा नहीं देने का मामला

जयपुर। जिला उपभोक्ता आयोग, जयपुर-तृतीय ने टूर एंड ट्रेवल्स कंपनी की ओर से उपभोक्ता को बताई गई सुविधा मुहैया नहीं कराए जाने को अनफेयर ट्रेड प्रैक्टिस माना है। इसके साथ ही आयोग ने विपक्षी कंपनी फॉर्च्यून पार्क लैंड इन एंड सुइट्स पर एक लाख रुपए का हर्जाना लगाया है। वहीं आयोग ने कंपनी को निर्देश दिया है कि वह परिवादी से मेंबरशिप के लिए वसूली राशि 1.68 लाख रुपए भी 18 प्रतिशत ब्याज सहित लौटाए। आयोग के अध्यक्ष देवेन्द्र मोहन माथुर व सदस्य दुष्यंत कुमार शर्मा ने यह आदेश चरणजीत सिंह के परिवाद पर दिया।

परिवाद में परिवादी ने बताया कि कंपनी के प्रतिनिधि ने परिवादी को वेकेशन में घूमने का प्लान बताया था। जिस पर परिवादी ने कंपनी पर भरोसा कर 13 मई 2022 को 1.68 लाख रुपए देकर दस साल के लिए कंपनी का उत्पाद खरीद लिया। परिवादी को बताया गया कि वह अपनी सुविधानुसार पहली बार बुकिंग करवाएंगे तो उसे 6 दिन व 7 रात फ्री दी जाएगी। कंपनी की वेबसाइट पर भी कहा कि वह स्टूडियो श्रेणी में बुकिंग करवा सकेगा। इस दौरान परिवादी ने 8 मार्च 2024 को कंपनी के टोल फ्री नंबर पर पहली बुकिंग की जानकारी मांगी तो कहा कि वह ईमेल के जरिए करवाए, लेकिन जब उसने होटल की बुकिंग करवानी चाही तो ज्यादातर होटलों में बुकिंग फुल बताई और उसे अन्य कोई होटल चुनने के लिए कहा। वहीं परिवादी ने जो भी तारीखें बताई उन पर भी कोई भी प्रॉपर्टी नहीं होना बताया। कंपनी ने परिवादी को सुझाव दिया कि 4 से 7 अप्रैल के दौरान मंसूरी में होटल पैराडाइज मेंशन में जगह मिल रही है। जिस पर परिवादी ने बुकिंग के लिए अपनी स्वीकृति दे दी, लेकिन विपक्षी कंपनी ने उससे ब्रेकफास्ट व अन्य खर्चों के पेटे 13,216 रुपए की मांग कर दी। इसे परिवादी ने आयोग में चुनौती दी।

पदोन्नत उप प्राचार्य को यथावत रखा

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने उप प्राचार्य के पद पर पदोन्नत हुए व्याख्याता के पदस्थापन से जुडे मामले में राज्य सरकार से जवाब तलब किया है। अदालत ने कहा कि यदि याचिकाकर्ता के स्थान पर दूसरा कर्मचारी पदस्थापित नहीं हुआ तो उसे समान पद पर बनाए रखा जाए। वहीं अदालत ने शिक्षा सचिव और माध्यमिक शिक्षा निदेशक से पूछा है कि जब याचिकाकर्ता के स्कूल में उप प्राचार्य का पद खाली है तो उसे दूसरी स्कूल में क्यों भेजा जा रहा है। जस्टिस सुदेश बंसल ने यह आदेश मुकेश कुमार मीणा की याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता रामप्रताप सैनी ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता बूंदी के लाखेरी में पदस्थापित है। उसे साल 2022-23 के पदों के विरुद्ध पदोन्नत कर उप प्राचार्य बनाया गया है।

"एक राष्ट्र, एक चुनाव" देश की स्थिरता और विकास के लिए आवश्यक पहल : मदन राठौड़

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने "एक राष्ट्र, एक चुनाव" अभियान के डिजिटल संस्करण का लोकार्पण किया।

- डिजिटल माध्यम से जुड़ रही है जनता, स्कैन करें क्यूआर कोड और दें समर्थन : सुनील भार्गव

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने बताया कि "एक राष्ट्र, एक चुनाव" अभियान के डिजिटल संस्करण का लोकार्पण किया गया और एक विशेष क्यूआर कोड जारी किया गया है, जिसे स्कैन करके आम नागरिक अपने समर्थन को डिजिटल रूप से दर्ज करा सकते हैं। यह पहल जनभागीदारी को बढ़ावा देने और अधिक से अधिक लोगों को जोड़ने की दिशा में एक अभिनव प्रयास है।

इस अवसर पर प्रदेशाध्यक्ष राठौड ने कहा कि "एक राष्ट्र, एक चुनाव" केवल एक राजनीतिक विचार नहीं, बल्कि यह भारत की लोकतांत्रिक प्रणाली को सशक्त करने और शासन व्यवस्था को स्थिरता देने की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम है। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने इस विचार का पुरजोर समर्थन करते हुए इसे समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बताया है।

राठौड़ ने कहा कि वर्तमान में बार-बार होने वाले चुनावों से न केवल आर्थिक संसाधनों की भारी बर्बादी होती है, बल्कि बार-बार लागू होने वाली आचार संहिता के कारण जनकल्याणकारी योजनाएं ठप हो जाती हैं। सरकारी अधिकारी, कर्मचारी और प्रशासनिक तंत्र चुनावों में व्यस्त हो जाता है, जिससे विकास कार्य रुक जाते हैं और जनता को इसका सीधा नुकसान उठाना पड़ता है।

इस अवसर पर "एक राष्ट्र, एक चुनाव" अभियान के प्रदेश संयोजक सुनील भार्गव ने इस अभियान की प्रस्तावना रखते हुए स्पष्ट किया कि यह पहल राष्ट्र की स्थिरता, संसाधनों की बचत और नीति-निरंतरता के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने बताया कि इसके डिजिटल संस्करण के माध्यम से आम जनता क्यूआर कोड स्कैन कर अपना समर्थन दर्ज कर सकती है, जिससे व्यापक जनसहभागिता सुनिश्चित होगी।

सोनिया और राहुल सहित कांग्रेसी नेताओं को राष्ट्र की संपत्ति लूटने का अधिकार नहीं : अंकित चेची

- भाजपा युवा मोर्चा ने नेशनल हेराल्ड घोटाले को लेकर किया विरोध प्रदर्शन, राहुल गांधी का जलाया पुतला

जयपुर। नेशनल हेराल्ड केस में 2 हजार करोड़ से अधिक के घोटाले मामले में भाजपा युवा मोर्चा की ओर से शुक्रवार को छोटी चौपड़ पर कांग्रेस के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया गया। मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष अंकित चेची के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस के खिलाफ नारेबाजी की और राहुल गांधी का पुतला जलाया। चेची ने बताया कि कांग्रेसी नेताओं को देश की संपत्ति और धन को लूटने का अधिकार नहीं है। 1937 में नेशनल हेराल्ड शुरू हुआ था उस समय 5000 शेयर होल्डर थे, यह संपत्ति स्वतंत्रता सेनानियों की है किसी खानदान की जागीर नहीं है। 50 लाख रुपए में 90 करोड़ का राइट ऑफ हो जाना और करोड़ों की संपत्ति एक अनजानी सी कंपनी के हाथ चले जाना, यहीं गांधी मॉडल ऑफ डेवलपमेंट है। सोनिया जी और राहुल जी बेल पर है। इस मामले में कोर्ट ने उन्हें कोई राहत नहीं दी, केवल इतना कहा है कि व्यक्तिगत उपस्थिति में छूट है। 4 साल से कोई जवाब नहीं दे पा रहे हैं अब बेबुनियाद बयान बाजी कर रहे हैं। लेकिन देश की जांच एजेंसियां निष्पक्ष रूप से अपना काम कर रही है।

युवा मोर्चा जयपुर शहर जिला अध्यक्ष सुरेन्द्र सिंह पुरूवंशी ने बताया कि नेशनल हेराल्ड केस में जांच एजेंसियां अपना कार्य कर रही है, लेकिन कांग्रेसी नेता और कार्यकर्ताओं द्वारा बिना बात के हंगामा और विरोध कर रहे है। इन कांग्रेसियों को जांच में सहयोग करना चाहिए। राष्ट्र की हजारों-करोड़ों की प्रॉपर्टी को एक परिवार के लोगों ने षडयंत्र पूर्वक कब्जा कर लिया और अब जब जांच की जा रही है तो हंगामा किया जा रहा है, लेकिन मोदी सरकार में कानून अपना काम कर रहा है, करेगा और करता रहेगा। भाजपा युवा मोर्चा के विरोध प्रदर्शन के दौरान प्रदेश महामंत्री अमित कुमार नारनोलिया, प्रदेश उपाध्यक्ष प्रीति शर्मा, लोहित सिंह चौहान, विशाल पार्थ, कमल स्वामी, डेनपाल सिंह सहित युवा मोर्चा के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

देवनानी को मिलेगा मेवाड़ गौरव सम्मान

जयपुर। विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी को मेवाड़ गौरव सम्मान से नवाजा जाएगा। उन्हें यह सम्मान उनकी उल्लेखनीय समाज सेवाओं, राजस्थान विधानसभा में किए गए नवाचारों और वैचारिक क्रांति के लिए दिया जा रहा है। देवनानी को शनिवार को जयपुर में मेवाड़ गौरव सम्मान स्वर्गीय सुन्दर सिंह भंडारी के 105 वें जन्म दिवस पर जन चेतना मंच द्वारा 'जागृत परिवार ही सशक्त राष्ट्र का आधार' विषय पर आयोजित की जा रही स्व.सुन्दर सिंह भंडारी स्मृति व्याख्यान माला और अभिनंदन समारोह के अवसर पर प्रदान किया जाएगा। समारोह का आयोजन शनिवार को सायं छ: बजे जयपुर के नारायण सिंह सर्किल भट्टारक जी नसिया स्थित श्री हरिश्चंद्र तोतूका सभा भवन में किया जाएगा।

मध्य प्रदेश में कृषि आधारित मॉडल स्थापित करेगा पतंजलि : आचार्य बालकृष्ण

मध्यप्रदेश के उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला और विभाग के अन्य अधिकारियों ने मऊगंज स्थित भूमि की रजिस्ट्री की कॉपी का स्थानांतरण पतंजलि योगपीठ के महामंत्री आचार्य बालकृष्ण के माध्यम से पतंजलि योगपीठ को किया।

- मध्य प्रदेश में पतंजलि की कृषि क्रान्ति का शंखनाद, मऊगंज में पतंजलि की व्यापक कार्य योजना
- 'किसानों को बेहतर संसाधनों और तकनीकी सहायता प्रदान करेगा पतंजलि'

रीवा। जिला मऊगंज की बंजर और ऊसर भूमि अब किसानों की उपज के लिए व उनकी समृद्धि का द्वारा खोलेगी और विकसित विंध्य का एक नया अध्याय जोड़ेगी। इस बड़े कार्य के लिए मध्यप्रदेश के उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला और विभाग के अन्य अधिकारियों ने मऊगंज स्थित उक्त भूमि की रजिस्ट्री की कॉपी का स्थानांतरण पतंजलि योगपीठ के महामंत्री आचार्य बालकृष्ण के माध्यम से पतंजलि योगपीठ को किया। इसके पश्चात आचार्य ने मऊगंज के डीएम संजय कुमार जैन के साथ स्थानीय भूमि का निरीक्षण कर भावी योजनाओं पर विस्तृत चर्चा की। इस अवसर पर आचार्य ने कहा कि श्रद्धेय स्वामी जी के नेतृत्व में पतंजलि योगपीठ ने किसानों की समृद्धि के लिए जो स्वप्न देखा था, उसको साकार करने में पतंजलि का सेवा प्रकल्प शीघ्र ही साकार होगा।

आचार्य ने कहा कि जब हम अपने राष्ट्रभाव व कर्तव्य को सामाजिकता के साथ जोड़कर लोकहित व लोक कल्याण के साथ कोई संकल्प लेते हैं तो निश्चित ही बहुत बड़ा कार्य किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि पतंजलि ने विंध्य क्षेत्र के लिए औद्योगिक नीति और निवेश प्रोत्साहन के तहत राज्य में किसानों की समृद्धि बढ़ाने, रोजगार के अवसर पैदा करने और क्षेत्र में विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक व्यापक और समग्र योजना विकसित की है। इस योजना के अन्तर्गत मध्य प्रदेश के रीवा क्षेत्र, मऊगंज जिले के ग्राम घुरेहटा में औद्योगिक नीति और निवेश प्रोत्साहन के अंतर्गत पतंजलि की औद्योगिक पार्क विकसित करने की योजना है। इस योजना का उद्देश्य न केवल आर्थिक विकास को प्रोत्साहित करना है, बल्कि स्थानीय समुदायों के बीच जागरूकता और कौशल विकास को भी बढ़ावा देना है, जिससे एक समृद्ध और आत्मनिर्भर कृषि क्षेत्र का निर्माण हो सके।

आचार्य ने बताया कि यह अभिनव पहल राज्य में कृषि आधारित मॉडल स्थापित करेगी, जिसमें फसल विविधीकरण, प्रशिक्षण केंद्र, बीज इकाइयां, प्राथमिक प्रसंस्करण इकाइयां शामिल रहेंगी, ताकि किसानों को बेहतर संसाधनों और तकनीकी सहायता प्रदान की जा सके। साथ ही स्थानीय निवासियों को पतंजलि की शिक्षा व स्वास्थय सेवाओं का लाभ भी मिल सकेगा। उन्होंने कहा कि पतंजलि पहले से ही राज्य में फसल विविधीकरण की दिशा में प्रयास कर रहा है, जिससे स्थानीय कृषि की उत्पादकता बढ़ेगी और किसानों की आजीविका में सुधार होगा।

आचार्य ने कहा कि इस परियोजना के सफल कार्यान्वयन से किसानों की आय में एक महत्वपूर्ण वृद्धि होने की संभावना है, जो उन्हें आर्थिक रूप से मजबूत बनाने में मदद करेगी। साथ ही, इस प्रक्रिया के माध्यम से कीटनाशकों, रासायनिक उर्वरकों और अत्यधिक पानी के उपयोग पर उनकी निर्भरता कम हो जाएगी, जिससे उनकी उत्पादन लागत में कमी आएगी और वे अधिक स्थायी कृषि प्रथाओं को अपनाने में सक्षम होंगे। इस योजना के प्रभावी क्रियान्वयन से प्रदेश में कृषि क्षेत्र की समृद्धि, कृषि प्रशिक्षण के माध्यम से किसानों की कौशल वृद्धि, रोजगार सृजन, सामाजिक विकास और पर्यटन को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण योगदान मिलेगा।

इस अवसर पर आरओ एमपीआईडीसी लिमिटेड, रीवा के कार्यकारी निदेशक यू.के. तिवारी, महाप्रबंधक नवेंदु शुक्ला तथा एक्सीक्यूटिव इंजीनियर के.के. गर्ग आदि उपस्थित रहे।

बिजनेसमैन ने 14वीं मंजिल से कूदकर सुसाइड किया

- सुसाइड नोट में आरएएस अधिकारी पर लगाया आरोप

जयपुर। बिंदायका थाना इलाके में शुक्रवार को एक बिजनेसमैन ने अपार्टमेंट की 14वीं मंजिल से कूदकर सुसाइड कर लिया। सुसाइड से एक दिन पहले बिजनेसमैन (आर्किटेक्ट) ने फर्म के लेटर पेड पर सुसाइड नोट भी लिखा। मृतक ने सुसाइड नोट में आरएएस पर काम के पैसे नहीं देने का आरोप लगाया है। इससे परेशान होकर सुसाइड कर लिया।

थानाधिकारी विनोद वर्मा ने बताया कि करधनी के गोविन्दपुरा निवासी आर्किटेक्ट भारत कुमार सैनी (42) पुत्र भानुप्रताप सैनी ने सुसाइड किया है। वह अपने माता-पिता, पत्नी और 12 व 5 साल के बेटे के साथ रहता था। पिछले 10 साल से बालाजी विहार-9 सीकर रोड पर गौरव डिजायनिंग के नाम से बिजनेस करता था। शुक्रवार सुबह करीब 9 बजे वह घर पर किसी से बात किए बिना ही स्कूटी लेकर निकला था। दोपहर करीब 11 बजे उसने सिरसी रोड पर स्थित रॉयल ग्रीन सोसाइटी अपार्टमेंट (जहां आरएएस का फ्लैट) में गया। अपार्टमेंट की 14वीं मंजिल पर छत से छलांग लगाकर भारत कुमार सैनी ने सुसाइड कर लिया। धमाके की आवाज सुनकर बाहर निकले सोसायटी के लोगों ने तुरंत एम्बुलेंस की मदद से बालाजी हॉस्पिटल भिजवाया। डॉक्टर्स ने जांच कर उसे मृत घोषित कर दिया। मेडिकल सूचना पर बिंदायका थाना पुलिस बालाजी हॉस्पिटल पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए एसएमएस अस्पताल के मुर्दाघर में भिजवाया है।

मृतक के पास एक सुसाइड नोट मिला है। इस पर 17 अप्रेल की तारीख लिखी है। इसमें लिखा कि मैं भारत कुमार सैनी। आज आरएस मुक्ताराव के घर गया था। सामने लगे कैमरे में पूरी रिकॉर्डिंग आई होगी। 14 अप्रेल को घर (आरएएस का घर) का मुहूर्त हो गया था। मैंने ठीक 3 दिन बाद अपने हिसाब और एक्सट्रा काम को लेकर बात छेड़ी। मेरे से वेंडर लोग पैसे मांग रहे हैं। आपका काम भी हो गया है। मुहूर्त भी हो गया है। कुछ काम बचा हो तो मैं कर दूंगा। मैं अपने वेंडरों दुकानदार को रोज यह कह कर टाल राह हूं कि मेरा हिसाब नहीं हुआ है। रोज जिल्लत भरे दिन निकाल रहा हूं। फिर मैंने निवेदन भी किया कि मेरा हिसाब कर दो। मेरे पास जहर खाने को भी पैसे नहीं है। पूरी रॉयल ग्रीन सोसाइटी में मेरी बेइज्जती करने के लिए वेंडर दुकानदार तैयार खड़े हैं।

मैंने मुक्ताराव की आवाज और विश्वास पर 1200 रुपए स्कवेयर फीट वाला जो काम तय हुआ था, उस काम को 2000-2200 वाला काम करके दिया। सिर्फ मेडम की जुबान पे कि आप काम करो। इसका पैसा में दूंगी। बस इसी बात पे भरोसा कर मार्केट से पैसा लिया। वाइफ के गहने भी मुथुट पे गिरवी रखे। अच्छे दिल से काम को पूरा किया। यही उम्मीद से की मुझे अपना पैसा मिल जाएगा। पर आज मेरी सारी उम्मीद टूट गई है। अब मुझे मजबूर होकर ये गलत कदम उठाना पड़ रहा है। मुझे ये भी पता है कि मेरे मरने के बाद भी मुझे पैसा नहीं मिलेगा और न कोई हरजाना।

मैंने अपना घर बर्बाद करके इनका तो घर बना दिया। 39 लाख 60 हजार का काम करके दिया। जिसमें मुझे 21 लाख मिले। बाकी का मुझे कोई पैसा नहीं दिया। आरएस मुक्ताराव जी और उनके हसबैंड ढाका जी ने बस इतना कहकर मुझे रवाना कर दिया कि 50 हजार या 1 लाख ज्यादा से ज्यादा निकलेगा आपका। ये सुनते ही मैं वहां से चला आया और अब मेरे पास सुसाइड के अलावा कोई रास्ता नहीं है। मैं अभी ही छत से कूदना चाहता था। पर सुबह से पत्नी-बच्चों को नहीं देखा था। बूढ़े मां-बाप से मिला नहीं, इसलिए घर आया हूं और जी भर के आखिरी बार मिल लूं। इनको तो यह भी नहीं पता कि सुबह में नहीं रहूंगा।

बिंदायका थाना पुलिस ने पिता भानुप्रताप की शिकायत पर सुसाइड नोट के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है। मृतक के पिता भानुप्रताप का आरोप है कि स्कूटी से रॉयल अपार्टमेंट में 13वीं फ्लोर पर रहने वाली आरएस मुक्ताराव से अपने रुपए मांगने गया था।

कंटेनर व कार की भिड़ंत में दो जनों की मौत, चार गंभीर घायल

कार में सवार होकर कुछ श्रद्धालु यूपी से खाटूश्यामजी जा रहे थे

निवाई, (निसं)। राष्ट्रीय राजमार्ग-11 ए पर स्थित हिंगोनिया मोड़ पर शुक्रवार को एक कंटेनर व कार में भिड़ंत हो गई। हादसे में कार में सवार दो लोगों की मौत हो गई और चार जने घायल हो गए। सूचना पर दतवास थाना पुलिस मौके पर पहुंची।

दतवास थानाधिकारी कालूराम ने बताया कि कार में सवार होकर कुछ श्रद्धालु यूपी से खाटूश्यामजी जा रहे थे। हिंगोनिया मोड पर एक पार्सल कंटेनर ने उनकी कार के टक्कर मार दी, जिसमें घायलों को उपचार के लिए निवाई अस्पताल लाया गया जहां चिकित्सकों ने लक्ष्मी (65) पत्नी मोहन कुमार गोयल निवासी राहुल गार्डन बहटा हाजीपुर लौनी थाना नहर जिला गाजियाबाद उत्तर प्रदेश व भगवानसिंह राजपूत (32) पुत्र राधेश्याम निवासी बदायूं थाना सहलमान को मृत घोषित कर दिया।

- हादसे के बारे में पुलिस ने मृतकों के परिजनों को सूचना दी

गांव हिंगोनिया मोड़ के समीप कंटेनर व कार की भिड़ंत होने से कार क्षतिग्रस्त हो गई।

गंभीर घायल खुशी तिवारी पुत्री राजेश तिवारी निवासी राहुल गार्डन बहटा हाजीपुर लौनी थाना नहर जिला गाजियाबाद उ.प्र., सुनील कुमार पुत्र चन्द्रपालसिंह निवासी नगला ब्रजलाल थाना खदौली जिला आगरा, रवि जाटव पुत्र मुंशीलाल जाटव निवासी सवाई एदमादपुर जिला आगरा उ.प्र. और बृजेन्दसिंह बघेल पुत्र चन्द्रपालसिंह बघेल निवासी गोपलपुरा थाना आगरा सदर उत्तरप्रदेश का चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार कर सआदत अस्पताल टोंक रैफर कर दिया। पुलिस ने बताया कि मृतकों के परिजनों को सूचना दे दी गईं है। परिजनों के आने के बाद पोस्टमार्टम की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने कंटेनर को सुरक्षार्थ थाने पर लाकर खड़ा करवा दिया है।

कुंए में गिरने से किसान की मौत : निवाई के बरोनी थानान्तर्गत गांव देवअरनिया में शुक्रवार की सुबह 5 बजे एक किसान की कुंए में गिरने से मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार थानाधिकारी बृजेन्द्रसिंह राठौड़ ने बताया कि रामसहाय (65) पुत्र छोटू वैष्णव निवासी देवअरनिया अपने खेत पर रंजके की फसल को पानी पिलाने के लिए गया था।

इसी दौरान उसका पैर फिसल गया। जिससे वह कुएं में गिर गया। कुएं मे डूबने से उसकी मौत हो गई। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची और ग्रामीणों के सहयोग से शव को कुएं से बाहर निकालकर सआदत अस्पताल टोंक में ले जाकर शव का पोस्टमार्टम करवाया और परिजनों को सौंप दिया।

बुजुर्ग दंपती को धमकाकर 28 लाख रुपये व जेवर लूटे

हुरनिया खेड़ा गांव में घर में घुसे बदमाशों ने तलवार व चाकू की नोक पर वारदात को अंजाम दिया

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर के सदर थाना क्षेत्र में बेखौफ बदमाशों ने हुरनिया खेड़ा गांव में एक घर में घुसकर तलवार व चाकू की नोक पर बुजुर्ग दंपती को डरा-धमकाकर घर में रखे 28 लाख रुपये व चांदी के जेवर लूट की वारदात को अंजाम दिया।

जानकारी के अनुसार, हुरनिया खेड़ा निवासी मोहनलाल भील व उनकी पत्नी लादी देवी (58) गांव के नजदीक ही खेत पर रहते हैं। बीती रात दंपती खेत पर बने मकान के बाहर सो रहे थे। देर रात करीब चार नकाबपोश बदमाश मकान में घुस आये और एक ने तलवार तो दूसरे के पास चाकू से दंपती को डराया-धमकाया और बेखौफ होकर वारदात को अंजाम देने में जुट गये। दो बदमाशों ने मोहन लाल के मकान के कमरे में प्रवेश किया। इन दोनों ने कमरे में रखी कीमती वस्तुएं ढूंढना शुरु किया। इस दौरान एक डिब्बे में रखे 28 लाख रुपये व चांदी की कनगती इन बदमाशों के हाथ लग गई, जिन्हें बदमाशों ने लूट लिया और वहां से फरार हो गये। लूटी गई राशि मोहन लाल भील की गणेशपुरा इलाके में करीब ढाई बीघा जमीन एक-दो महीने पहले ही सौदा कर प्राप्त की थी। जमीन के बदले मिले 28 लाख रुपये मोहन लाल ने अपने घर में सुरक्षित रख दिये थे। यह राशि बदमाश लूट ले गये।

- लूट की घटना से बुजुर्ग की पत्नी दहशत में आ गई, इसी के चलते उसकी हालत बिगड़ गई

वृद्धा को उपचार के लिए एमजी अस्पताल में भर्ती करवाया।

मोहन लाल के दो बेटे रामेश्वर व सुरेश भील हैं, जो गांव के मकान में रहते हैं। खेत भी गांव के नजदीक ही है। वारदात के बाद मोहन ने अपने बेटों के साथ ही सदर थाना पुलिस को सूचना दी। घटना से मोहन लाल की पत्नी लादी देवी दहशत में आ गई। इसी के चलते उसकी हालत बिगड़ गई। लादी देवी को उपचार के लिए एमजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। सदर थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है। सूचना के बाद पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और बदमाशों की तलाश में जुट गई। फिल्हाल बदमाशों का कोई सुराग पुलिस के हाथ नहीं लग पाया है।

संदिग्ध हालत में विवाहिता की मौत

कोटपूतली, (निसं)। कोटपूतली-बहरोड़ जिले के ग्राम सुन्दरपुरा में एक 29 वर्षिय विवाहिता की संदिग्ध हालत में मौत हो जाने का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि ससुराल वालों ने पीहर पक्ष को बिना सुचित किये ही महिला का अंतिम संस्कार कर दिया। इधर जब मामले का पता पीहर पक्ष को लगा तो पीहर पक्ष के लोग ग्राम सुन्दरपुरा पहुंचे और घटनाक्रम की जानकारी पुलिस को दी।

- ससुराल वालों ने पीहर पक्ष को बिना बताये अंतिम संस्कार किया
- पीहर पक्ष की सूचना पर शमशान घाट पहुंची पुलिस, साक्ष्य जुटाये

मामले की गंभीरता को देखते हुए डीएसपी राजेन्द्र बुरडक, कोटपूतली थाना प्रभारी राजेश शर्मा, पनियाला थाना प्रभारी मोहर सिंह व सरूण्ड थाना प्रभारी बाबूलाल मीणा मय जाप्ता शमशान घाट जहां विवाहिता का अंतिम संस्कार किया गया था वहां पहुंचे। पुलिस अधिकारियों ने मौके पर एफएसएल टीम को भी बुलाया, जहां पुलिस ने अहम साक्ष्य जुटाये। डीएसपी राजेन्द्र कुमार बुरडक ने जानकारी देते हुए बताया कि मृतका के भाई गजेन्द्र सिंह ने रिपोर्ट में बताया है कि उसकी बहन स्नेहलता का विवाह वर्ष 2020 में सुन्दरपुरा निवासी महेन्द्र कसाना के साथ हुआ था, जिसके एक दो साल का बेटा है। उसकी बहन का पति सिमेन्ट फैक्टरी में काम करता है।

आरोप है कि ससुराल वाले उसकी बहन को शादी के बाद से ही दहेज के लिए प्रताड़ित कर रहे थे। जिसके बारे में कई बार समझाइश की गई थी, लेकिन आखिर दहेज लोभियों ने उसकी बहन को मार कर जला दिया। रिपोर्ट में मृतका के भाई ने बताया है कि शुक्रवार को वह अपने बेटे की शादी का कार्ड बांटने के लिए रिश्तेदारी में गया हुआ था। सुबह करीब 8 बजे उनके रिश्तेदार का फोन आया जिसने बताया कि स्नेहलता की मौत हो गई। सुन्दरपुरा में चार-पांच लोग उसकी बहन का अंतिम संस्कार कर रहे है। इस पर करीब 9:30 बजे हम सुन्दरपुरा पहुंचे तब तक बहन का अंतिम संस्कार हो चुका था। मोक्षधाम में उन्हें कोई नहीं मिला। उसने बताया कि दो दिन पहले ही उसकी बहन से बात हुई थी। तब उसने भतीजे की शादी में जल्द लेकर जाने के लिए कहा था। साथ ही यह भी कहा था की ससुराल पक्ष के लोग उसे परेशान कर रहे हैं उन्हें भी समझायें। पुलिस ने रिपोर्ट के आधार पर गंभीरता से मामले की छानबीन शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि दोषियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही की जायेगी।

नकली चाय बनाने की फैक्टरी का खुलासा

गंगापुर सिटी, (निसं)। हिंगोटिया रोड पर चल रही नकली चाय फैक्टरी का भंडाफोड़ हुआ है। टाटा टी और माहेश्वरी टी कंपनी की शिकायत पर थाना सदर पुलिस ने कार्रवाई की। पुलिस अधीक्षक ममता गुप्ता के निर्देशन में यह कार्रवाई की गई।

- मौके से तीन बड़े बैगों में नकली चाय का पाउडर भी जब्त किया गया

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राकेश राजोरा और वृत्ताधिकारी संतराम मीना ने सुपरविजन किया। थानाधिकारी बनी सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने फैक्टरी पर छापा मारा। फैक्टरी से टाटा टी (लाल घोडा) और माहेश्वरी टी कंपनी के नकली पैकेट बरामद किए गए। पुलिस को नकली पैकिंग के रैपर रोल और इलेक्ट्रिक पैकिंग मशीन मिली। तीन बडे बैगों में नकली चाय का पाउडर भी जब्त किया गया। टाटा टी कंपनी के प्रतिनिधि नरेंद्र सिंह और सहयोगी गोविंद कसाना ने शिकायत दी थी। माहेश्वरी टी कंपनी के निदेशक गौरीशंकर परवाल ने भी सूचना दी थी। फैक्टरी मालिक राहुल वैष्णव और विमल जैन के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। राहुल अमरगढ़ चौकी का और विमल चूली गेट का रहने वाला है। दोनों आरोपी फरार हैं। मुकदमा संख्या 81/2025 में धारा 318(2), 3(5) भारतीय न्याय संहिता और कॉपीराइट एक्ट की धारा 63, 65 के तहत मामला दर्ज हुआ है।

श्रीगंगानगर में एक्सप्रेस-वे पर टैंकर से पेट्रोलियम पदार्थ लीक हुआ

टैंकर के चार हिस्सों में 28,000 लीटर पेट्रोलियम पदार्थ भरा हुआ था, इसमें से एक हिस्से का लगभग 7000 लीटर पेट्रोलियम पदार्थ सड़क पर फैल गया

श्रीगंगानगर, (निसं)। जिले के राजियासर इलाके से गुजरने वाली अमृतसर-जामनगर एक्सप्रेस- वे हाइवे पर देर रात पेट्रोलियम पदार्थ से भरा एक भारी-भरकम टैंकर हादसे का शिकार हो गया। टैंकर में भरा पेट्रोलियम पदार्थ सड़क पर बहने लगा। सड़क से गुजर रहे वाहन चालकों ने इसकी सूचना राजियासर पुलिस को दी। घटना की सूचना मिलने पर राजियासर पुलिस ओर फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची।

- हादसे की जानकारी मिलते ही थर्मल चौकी पुलिस मौके पर पहुंची, फायर ब्रिगेड की टीमें घटनास्थल पर पहुंची

जानकारी के अनुसार टैंकर के चार हिस्सों में कुल 28,000 लीटर पेट्रोलियम पदार्थ भरा हुआ था। इसमें से एक हिस्से का लगभग 7000 लीटर पेट्रोलियम पदार्थ सड़क पर फैल गया। इससे सड़क पर अत्यधिक फिसलन हो गई। चारों तरफ पेट्रोलियम पदार्थ की बदबू फैल गई। मौके पर जाम लग गया। टैंकर चालक ने भारतमाला सड़क परियोजना के अधिकारियों को सूचना दी। हादसे की जानकारी मिलते ही थर्मल चौकी प्रभारी ओमप्रकाश मान मौके पर पहुंचे। आसपास के फायर ब्रिगेड कार्यालयों को तत्काल सूचना भेजी। कुछ ही देर में फायर ब्रिगेड की टीमें घटनास्थल पर पहुंच गई। रिसाव को नियंत्रित करने की कार्रवाई शुरू की गई। इसी दौरान भारतमाला परियोजना के अधिकारी भी घटनास्थल पर पहुंचे और स्थिति को संभालते हुए टैंकर की साइड का पूरा आवागमन बन्द करवा ट्रैफिक डायवर्ट कर एक साइड का यातायात सुचारू रूप से शुरू करवाया गया। इस लीकेज की घटना के पीछे भारतमाला पर तेल चोरी की आशंका भी व्यक्त की जा रही हे। तेल माफिया द्वारा सड़क से गुजरने वाले वाहनों से पेट्रोलियम पदार्थ निकालकर डीजल पेट्रोल या केमिकल में मिलाकर डीजल पेट्रोल के रूप में बेचते हैं। पुलिस प्रशासन समय समय पर सड़क किनारे होटल ढाबों के बहाने अवैध धंधा करने वालों के खिलाफ अभियान चलाकर सड़क किनारों से हटाती रहती है। इन्हीं ढाबों की आड़ में तेल चोरी का धंधा चलाया जाता है। इसके साथ ही अस्थाई होटल ढाबों पर कभी कभार होने वाली सख्ती का तोड़ भी तेल माफिया ने निकाल लिया है। अब तेल माफिया पिकअप गाड़ी का इस्तेमाल करने लगे हैं। टैंकर के राजियासर क्षेत्र में पहुंचते ही सड़क किनारे पिक अप में रखे ड्रम या टंकी में टैंकर की नोजल को उखड़कर उसमें से पेट्रोलियम पदार्थ चोरी कर वापिस वेल्डिंग कर देते हैं। टैंकरों में से निकाली गई मात्रा के हिसाब से पानी या निम्न क्वालिटी का ज्वलनशील पेट्रोलियम पदार्थ वापिस भर देते हैं। फिर इसी 40 से 60 रुपए प्रति लीटर वाले तेल को पेट्रोल व्र डीजल के रूप में 80 से 100 रुपए में असली पेट्रोल डीजल टैंकरों से निकाला हुआ बताकर बेचते हैं।

चोरी के आरोपी नौकर को सूरत से गिरफ्तार किया

कोटा, (निसं.)। गुमानपुरा पुलिस टीम ने दुकान में चोरी के मामले में दर्ज रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए आरोपी नौकर अभिषेक पांचाल को सूरत गिरफ्तार किया है।

गुमानपुरा थानाधिकारी अनिल कुमार टेलर ने बताया कि 13 जनवरी को फरियादी राजेश जैन ने थाने में रिपोर्ट दी। फरियादी ने रिपोर्ट में कहा कि गुमानपुरा इलाके के शॉपिंग सेन्टर में उसकी जैन सन एन्टरप्राईजेज ओके प्ले हाउस के नाम से दुकान है। फरियादी ने रिपोर्ट में कहा कि दुकान पर काम करने के लिये उसने अभिषेक पांचाल को नौकरी पर रखा और दुकान की चाबियां भी उसके पास रहती थी। थानाधिकारी ने बताया कि फरियादी ने रिपोर्ट में कहा कि 26 नबंवर 2024 की सुबह अभिषेक घर पर आया और घर से दुकान पर जाने की कहकर स्कूटी लेकर गया तथा दुकान से करीब एक लाख रूपये चोरी कर दुकान का शटर खुला छोड़कर चला गया। थानाधिकारी ने बताया कि फरियादी की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू की गई।

थानाधिकारी ने बताया कि फरार आरोपी मूल रूप से मध्यप्रदेश के उज्जैन का निवासी है जो चोरी की वारदात के बाद से ही फरार चल रहा था। थानाधिकारी ने बताया कि आरोपी की कॉल डिटेल व आसूचना के आधार पर आरोपी अभिषेक पांचाल (22) को हाल सूरत गुजरत से गिरफ्तार किया गया। पकड़े गये आरोपी को पुलिस रिमांड पर लेकर पूछताछ की जा रही है।

छापरवाड़ा नहर के पेटे में अधेड़ का जला हुआ शव मिला

एक दिन पूर्व घर से निकला था अधेड़, परिजन उसे मानसिक रोगी बता रहे हैं

मालपुरा, (निसं)। मालपुरा उपखण्ड क्षेत्र के पचेवर थानान्तर्गत आखतडी से पारली की और जाने वाले रास्ते पर छापरवाड़ा नहर के पेटे में शुक्रवार को एक अधेड़ का जला हुआ शव मिलने से सनसनी फैल गई।

थानाधिकारी मुकेश चौधरी ने बताया कि शुक्रवार की सवेरे जरिये दूरभाष के छापरवाड़ा नदी के पेटे में एक अधेड़ का जला हुआ शव पड़ा होने की सूचना मिली। तत्काल मौके पर पहुंच शव को पुलिस सुरक्षा में लिया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुये पुलिस उपाधीक्षक आशीष प्रजापत व जिला मुख्यालय से एफएसएल टीम एवं मोबाइल इन्वेस्टीगेशन टीम ने मौके पर पहुंच घटना स्थल से सौ मीटर की परिधि में कई महत्वपूर्ण साक्ष्य जुटाये। पुलिस ने शव को सुरक्षा में ले मालपुरा जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। कई पहलूओं पर बारीकी से जांच करने व पूछताछ के आधार पर मृतक की पहचान किशन भील निवासी देशमा के रूप में की गई। पुलिस की सूचना पर पहुंचे परिजनों ने जले हुये शव की पहचान की। परिजनों की मौजूदगी में पोस्टमार्टम कर शव परिजनों को सौंपा। मृतक के परिजनों से मिली जानकारी में बताया कि मृतक किशन लाल जो कि पिछले कुछ महिने से मानसिक रोग से ग्रसित था, गुरूवार की सवेरे एक धार्मिक स्थल पर दर्शन के पश्चात गांव लोटते समय किशन लाल परिजनों से छुड़ाकर भाग गया। जिसका कोई सुराग नहीं मिला। आज शुक्रवार को जरिये पुलिस के किशन लाल का शव मिला।

नाबालिग बालिका दस्तयाब

कोटा, (निसं)। दादाबाड़ी थाना क्षेत्र से लापता नाबालिग बालिका को मानव तस्करी विरोधी यूनिट टीम ने रायपुरा से दस्तयाब किया है।

शहर पुलिस अधीक्षक, डॉ.अमृता दुहन ने बताया कि दादाबाड़ी थाने में नाबालिग बालिका की गुमशुदी के आधार पर दर्ज रिपोर्ट पर बालिका की तलाश के लिये मानव तस्करी विरोधी यूनिट प्रभारी बबीता चौधरी के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। शहर एसपी ने बताया कि गठित टीम ने लापता नाबालिग बालिका के बारे में जानकारी प्राप्त की तथा आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज देखे गए। शहर एसपी ने बताया कि टीम आसूचना संकलन एवं तकनीकी संसाधनों के उपयोग से पलायनकर्ता बालिका की तलाश करती हुई रायपुरा चौराहा पहुंची, जहां बालिका को तलाश किया जाकर रेस्क्यू किया गया।

18.42 लाख रु. के गबन मामले में डाकपाल गिरफ्तार

गंगापुर सिटी, (निसं)। पोस्ट ऑफिस मोरपा शाखा के डाकपाल द्वारा किए गए 18.42 लाख रुपए के गबन मामले में पुलिस ने 10 महीने से फरार चल रहे आरोपी जसराम मीना को गिरफ्तार कर लिया है। करौली जिले के बालघाट थाना क्षेत्र के पाडली गांव निवासी 35 वर्षीय जसराम मीना ने डाकपाल के पद पर रहते हुए खाताधारकों की जमा और निकासी की राशि को सरकारी खाते में नहीं डाला था। इस मामले की शिकायत गंगापुर सिटी डाकघर के सहायक अधीक्षक उमेशचंद ने 11 जून 2024 को बाटोदा थाने में दर्ज कराई थी।

आईजी भरतपुर रेंज और एसपी सवाई माधोपुर के निर्देश पर चलाए जा रहे वांछित अपराधियों की धरपकड़ अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। एएसपी बौंली और डीएसपी बामनवास के सुपरविजन में थानाधिकारी यशपाल सिंह के नेतृत्व में टीम ने मुखबिर की सूचना पर आरोपी को कस्बा बाटोदा से पकड़ा।

- 10 माह से फरार चल रहा था आरोपी

पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी और आपराधिक विश्वासघात की धाराओं में मामला दर्ज किया है। पूछताछ और दस्तावेजों की जांच के बाद आरोप सिद्ध होने पर उसे गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस अब गबन की गई राशि की बरामदगी के लिए प्रयास कर रही है।

दिवाली पर जोधपुरवासियों को नए एयरपोर्ट टर्मिनल की सौगात मिलेगी : शेखावत

जोधपुर, (नि.सं.)। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने शुक्रवार को जोधपुर एयरपोर्ट पर निर्माणाधीन नई टर्मिनल बिल्डिंग का अवलोकन किया। शेखावत ने निर्माण कार्यों की प्रगति पर संतोष जताया और कहा कि एयरपोर्ट विस्तार को लेकर जोधपुरवासियों का तीन दशक का सपना पूरा होने जा रहा है। दिवाली पर नए टर्मिनल की सौगात जोधपुरवासियों को मिलेगी। जोधपुर देश के सभी बड़े शहरों से कनेक्ट होगा।

निर्माणाधीन नई टर्मिनल बिल्डिंग में मीडिया से रू-ब-रू होते हुए शेखावत ने कहा कि जोधपुर मरुस्थल का गेट-वे है, उस दृष्टिकोण से भी जोधपुर एयरपोर्ट के विस्तार की अनेक वर्षों से प्रतीक्षा थी। जोधपुर एयरपोर्ट के विस्तार में दो तरह की बाधाएं थीं। एक एयरपोर्ट पर भूमि की कमी थी, क्योंकि इसका अधिकांश भाग इंडियन एयरफोर्स के पास है। दूसरा, जोधपुर एयरपोर्ट पर ऑटोमेटिक लैंडिंग की फैसिलिटी नहीं थी। इसके कारण नाइट लैंडिंग नहीं हो पाती। 10 साल के लगातार प्रयासों के बाद ये बाधाएं दूर हुई हैं। उन्होंने जोधपुर एयरपोर्ट के विस्तार के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद दिया। शेखावत ने कहा कि मोदीजी के विकसित भारत बनाने के संकल्प ने देश के इंफ्रास्ट्रक्चर को फ्यूचर रेडी बनाने का काम किया है।

शेखावत ने कहा कि जोधपुर राजस्थान का जयपुर के बाद दूसरा बड़ा शहर है। आने वाले समय में जब कभी आवश्यकता होगी, एक महीने के शॉर्ट नोटिस पर जोधपुर एयरपोर्ट को डोमेस्टिक से इंटरनेशनल में कन्वर्ट किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि एयरपोर्ट विस्तार का लाभ जोधपुर के हैंडीक्राफ्ट, स्टील, टेक्सटाइल, केमिकल, स्टोन, इंजीनियरिंग इंडस्टरीज आदि मिलेगा। उन्होंने कहा कि जोधपुर न केवल सांस्कृतिक रूप से समृद्ध है, बल्कि सामरिक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस टर्मिनल के निर्माण से क्षेत्रीय विकास को नया आयाम मिलेगा और अंतरराष्ट्रीय पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। अवलोकन के दौरान भाजपा जिला अध्यक्ष राजेंद्र कुमार पालीवाल, हवाई अड्डा सलाहकार समिति के सदस्य उपेन्द्र दवे, नरेन्द्र कच्छवाहा, प्रकाश जीरावाला, अशोक माथुर, जगत सिंह राठौड़, किशोर सिंह सोलंकी, एयरपोर्ट डायरेक्टर मनोज कुमार उनियाल, प्रोजेक्ट इंचार्ज राजीव गुप्ता, जेडीए आयुक्त उत्साह चौधरी, नगर निगम आयुक्त सिद्धार्थ सहित अनेक पदाधिकारी जनप्रतिनिधि साथ रहे।

पूर्व रक्षामंत्री स्व. मनोहर परिकर को याद करते हुए शेखावत ने कहा कि प्रधानमंत्री के निर्देश पर जब मैं पूर्व रक्षामंत्री स्वर्गीय मनोहर परिकर जी के पास इस विषय को लेकर के गया था, तब उन्होंने तत्काल समस्या का समाधान कराया। उनके प्रयासों से राज्य सरकार, नगर निगम, एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया और एयरफोर्स के बीच समझौता पत्र पर हस्ताक्षर हुए। एयरपोर्ट के लिए आवश्यक 37 एकड़ जमीन मिली।

पुराने एयरपोर्ट पर स्थानाभाव में लंबे समय एयरक्राफ्ट को रनवे पर खड़े रहना पड़ता है। परिकर जी ने इस दर्द को समझते हुए लैंड एक्सचेंज की टेक्निकल फॉर्मेलिटी से पहले ही एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया अपना काम शुरू करने की अनुमति दिलाई।

केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने जोधपुर एयरपोर्ट पर निर्माणाधीन नई टर्मिनल बिल्डिंग का अवलोकन कर निर्देश दिये।

- 'जब कभी आवश्यकता होगी, एक महीने के शॉर्ट नोटिस पर जोधपुर एयरपोर्ट को डोमेस्टिक से इंटरनेशनल में कन्वर्ट किया जा सकेगा'

शेखावत ने तत्कालीन सिविल एलिवेशन मंत्री अशोक गजपति राजू को भी धन्यवाद दिया, जिनके प्रयासों से जोधपुर में ऑटोमेटिक लैंडिंग सिस्टम की सुविधा मिली।

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि जोधपुर एयरपोर्ट पर 480 करोड़ रुपए का निर्माण हो रहा है। मल्टीलेवल पार्किंग, जो अभी उत्तर भारत में केवल मुंबई और दिल्ली में है, यहां भी बन रही है। अभी जोधपुर एयरपोर्ट में मात्र 200 पैसेंजर की क्षमता है, जो अब 2000 पैसेंजर की होने वाली है। एयरपोर्ट की बिल्डिंग अभी 3900 स्क्वायर मीटर की है, जो छह गुना बढ़कर 24 हजार स्क्वायर मीटर होने जा रही है। इंजीनियर्स के मुताबिक नई बिल्डिंग में 20 साल के लिए प्रोविजन किया गया, लेकिन जिस तरह से देश में विस्तार हो रहा है और अर्थव्यवस्था बढ़ रही है, मुझे विश्वास है कि 10 साल तक यह बिल्डिंग आवश्यकताओं को पूरा करेगी।

नाबालिग बालकों को करंट लगाने का वीडियो वायरल

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले की आसींद विधानसभा क्षेत्र के शंभूगढ़ थाना क्षेत्र से दिल दहलाने वाला एक वीडियो सामने आया है, जिसमें क्षेत्र के कुछ नाबालिग बालकों के साथ करंट लगाकर ठेकेदारों द्वारा अमानवीय हैवानियत को दर्शाया गया है। वीडियो में नाबालिग जान की गुहार लगाते नजर आ रहे हैं और बोल रहे हैं कि हमारे पिताजी को बुला लो, जिस पर हैवान ठेकेदार बोल रहे हैं मर जाएगा तो घर ले जाएंगे।

- वीडियो में नाबालिग जान की गुहार लगाते नजर आ रहे हैं और बोल रहे हैं
- सोशल मीडिया पर मामला उजागर होने के बाद पुलिस ने मामला दर्ज किया

जानकारी के अनुसार आसींद विधानसभा क्षेत्र के कानिया गांव के अभिषेक भांबी व विनोद भांबी को क्षेत्र के ही कुछ व्यक्तियों द्वारा आइसक्रीम के कार्य के लिए छत्तीसगढ़ के कोरबा ले जाया जाता है, जहां उनके साथ क्षेत्र के ही ठेकेदार छोटू गुर्जर तथा मुकेश शर्मा चित्तौड़गढ़ ने हैवानियत की सारी हदें पार कर दी। वीडियो में ठेकेदारों द्वारा करंट के तारों द्वारा करंट दिया जा रहा है, जिसमें नाबालिग बालक हाथ जोड़कर जान बचाने की गुहार कर रहे हैं।

घटनास्थल से जैसे-तैसे जान बचाकर भागे अभिषेक व विनोद भांबी जब गांव पहुंचे तो ठेकेदार के लोगों ने वहां पर भी जान से मारने की धमकी दी। अभिषेक व विनोद के परिवार में चार भाई-बहन हैं तथा पिता ट्रक ड्राइवर हैं, जैसे-तैसे जान बचाकर गांव पहुंचे विनोद व अभिषेक के परिजनों द्वारा जब गुलाबपुरा थाना अधिकारी को रिपोर्ट दी तो इस घटना की सूचना पर भी थाना अधिकारी को जूं तक नहीं रेंगी। सोशल मीडिया पर मामला उजागर होने के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर संबंधित थाने को एफआईआर भेजने की बात कही है।

जिस दिन परामर्श, उसी दिन होगी पैथोलॉजी जांच, मरीज को नहीं आना होगा दूसरे दिन

चिकित्सा शिक्षा सचिव ने मेडिकल कॉलेजों से संबद्ध सभी अस्पतालों को दिए निर्देश

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व एवं चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के मार्गदर्शन में प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को लगातार सुदृढ़ किया जा रहा है। इसी कड़ी में अब प्रदेश के सभी राजकीय मेडिकल कॉलेजों से संबद्ध अस्पतालों में मरीज की पैथोलॉजी जांच परामर्श के दिन ही की जाएगी। इसके लिए जांच लैब में सैंपल कलेक्शन का समय और स्टाफ बढ़ाया जाएगा। साथ ही, किसी भी रोगी को निजी अस्पताल में नहीं भेजा जाएगा।

- **लैब में सेम्पल कलेक्शन का बढ़ाया जाएगा समय**

चिकित्सा शिक्षा सचिव अम्बरीष कुमार ने शुक्रवार को चिकित्सा शिक्षा निदेशालय में उच्च स्तरीय बैठक में निर्देश दिए।

चिकित्सा शिक्षा सचिव अम्बरीष कुमार ने शुक्रवार को चिकित्सा शिक्षा निदेशालय में आयोजित उच्च स्तरीय बैठक में इस संबंध में निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिस तरह माता पिता अपने बच्चों का ख्याल रखते हैं, उसी भावना के साथ रोगी की सेवा की जाए। बैठक में सभी 29 मेडिकल कॉलेजों के प्रधानाचार्य एवं संबद्ध 81 अस्पतालों के अधीक्षक उपांस्थत रहे।

चिकित्सा शिक्षा सचिव ने कहा कि अस्पतालों में आमजन को बेहतरीन उपचार उपलब्ध करवाने के लिए जांच, दवा एवं उपचार की व्यवस्थाओं को सुदृढ़ बनाना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस दृष्टि से लगातार सुधारात्मक कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि भीषण गर्मी एवं लू तापघात की स्थितियों के दृष्टिगत सभी अस्पतालों में माकूल इंतजाम सुनिश्चित किए जाएं। किसी भी अस्पताल में पंखे, कूलर, एसी, पेयजल, छाया, साफ-सफाई, जांच, दवा एवं उपचार की व्यवस्थाओं में कोइ कमी नहीं रहे। उन्होंने कहा कि दवा वितरण केंद्रों पर एक माह एवं सब स्टोर पर तीन माह का स्टॉक आवश्यक रूप से उपलब्ध रहे। इससे कम स्टॉक होने पर तत्काल ई औषधि स्टॉक के आधार दवाइयां भिजवाई जाएं।

चिकित्सा शिक्षा सचिव ने कहा कि सभी अस्पतालों में बिजली से संबंधित समस्याओं के त्वरित निस्तारण के दो इलेक्ट्रिशियन रखे जाएं। साथ ही, उन्होंने सार्वजनिक निर्माण विभाग को सभी अस्पतालों में सिविल और विद्युत दोनों कार्यों के लिए वार्षिक रखरखाव अनुबंध करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ठेकेदार को अस्पताल परिसर में 247 चौकी स्थापित करनी होगी, जिसमें इलेक्ट्रीशियन, प्लम्बर, बढ़ई और मिस्त्री तैनात रहेंगे, जो चौबीसों घंटे मरम्मत कार्य के लिए उपलब्ध होंगे।

चिकित्सा शिक्षा सचिव ने प्रदेश के मेडिकल कॉलेजों से जुड़े अस्पतालों में स्थापित ऑक्सीजन प्लांट्स के सुचारू संचालन पर जोर देते हुए कहा कि जहां भी प्लांट्स मेंटीनेंस के अभाव में बंद हैं, उन्हें तुरंत प्रभाव से ठीक करवाकर क्रियाशील किया जाए।

साथ ही, ऑक्सीजन रिफिलिंग का भुगतान भी समय पर किया जाना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि अस्पतालों में अव्यवस्था पाए जाने पर नोडल अधिकारी एवं संस्थान प्रभारियों की जिम्मेदारी तय की जाएगी। रोगियों के उपचार में कोई कोताही बर्दाश्त नहीं होगी।

अम्बरीष कुमार ने ई-फाइलों एवं ई-डाक के समयबद्ध निस्तारण, नकारात्मक समाचारों पर तत्काल कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बजट घोषणाओं को समय पर पूरा करना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसे ध्यान में रखते हुए घोषणाओ की टाइमलाइन निर्धारित कर उनसे संबंधित कार्यवाही समय पर की जाए। साथ ही, अस्पतालों में सिविल कार्यों को समय पर पूरा करने के साथ ही उनकी गुणवत्ता का पूरा ध्यान रखा जाए।

इससे पहले चिकित्सा शिक्षा सचिव ने जेके लोन अस्पताल पहुंचकर वहां वार्डों, आईसीयू, जांच लैब, दवा वितरण केंद्र आदि का गहन निरीक्षण किया और अधिकारियों को सुधार के लिए निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अस्पताल में भीड प्रबंधन एवं क्यू मैनेजमेंट पर काम शुरू किया जाए, ताकि लोगों को कतारों से मुक्ति मिले।

गांजे की तस्करी करने वाले सप्लायर को धर-दबोचा

जयपुर कमिश्नरेट की स्पेशल टीम ने प्रताप नगर थाना इलाके में कार्रवाई करते हुए एक तस्कर को गिरफ्तार किया है।

जयपुर। जयपुर कमिश्नरेट की स्पेशल टीम (सीएसटी) ने ऑपरेशन क्लीन स्वीप के तहत प्रताप नगर थाना इलाके में कार्रवाई करते हुए अवैध मादक पदार्थ की तस्करी करने वाले एक तस्कर को धर-दबोचा है और उसके पास से 5 किलो 600 ग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा जब्त किया है। फिलहाल आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त (अपराध) कुन्दन कंवरिया ने बताया कि पुलिस कमिश्नरेट की ओर से चलाए जा रहे ऑपरेशन क्लीन स्वीप के तहत सीएसटी ने प्रताप नगर थाना इलाके में कार्रवाई करते हुए अवैध मादक पदार्थ गांजे की तस्करी करने वाले तस्कर मंजूर आलम (24)निवासी चिलमिलिय सुपोल बिहार को गिरफ्तार किया है। जिसके पास से 5 किलो 600 ग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा बरामद किया है। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि आरोपित यह अवैध मादक पदार्थ जयपुर में रहने वाले बिहार एक व्यक्ति से लेकर आता है और फिर छोटी-छोटी पूडियां बनाकर ग्राहकों को बेचता है। पुलिस आरोपित से अवैध मादक पदार्थ की खरीद-फरोख्त के बारे मे पूछताछ की जा रही है।

युवक से ठगे 10 लाख

- **लैब में सेम्पल कलेक्शन का बढ़ाया जाएगा समय**

जयपुर। बस्सी थाना इलाके में युवती ने मंगेतर बनकर एक युवक से साइबर ठगी कर ली। ठगों ने युवक से कई बार में 10 लाख रुपए से ज्यादा की राशि अपने खातों में डलवा ली।

ठगी का पता पीडित को ससुराल से बातचीत होने पर लगी। इस पर पीडित ने पुलिस की शरण ली। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार गुनवालों की ढाणी निवासी गिर्राज प्रसाद मीणा ने मामला दर्ज करवाया कि उसकी 9 मार्च को सुमन मीणा से सगाई हुई थी। 11 मार्च को एक युवती ने उसे फोन किया और खुद को उसकी मंगेतर बताया। युवती ने जो अपना नाम और पता बताया वह पीडित की मंगेतर और ससुराल का था। विश्वास में आकर पीडित ने जब भी युवती ने उसे क्यूआर कोड भेजा उस पर खरीददारी के बदले रुपए डालता चला गया। युवक ने 28 बार में करीब 10 लाख रुपए अधिक की राशि डलवा लिए। इसी दौरान उसकी ससुराल वालों से बातचीत हुई तो उसने यह बात बताई तो ठगी का उसे पता चला।

ई.डी. की कार्यवाही का विरोध जताया

जयपुर। ईडी द्वारा राज्यसभा सांसद सोनिया गांधी और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ चालान पेश करने के विरोध में जयपुर शहर जिला कांग्रेस कमेटी के 16 ब्लॉको में धरना-प्रदर्शन एवं पुतला दहन किया गया।

विरोध प्रदर्शन के तहत विद्याधर नगर में ब्लॉक अध्यक्ष बद्री नारायण कुमावत के नेतृत्व में स्मृति वन चौराहा रोड नंबर एक, सीकर रोड, झोटवाड़ा में हरेंद्र सिंह जादौन, ब्लॉक अध्यक्ष के नेतृत्व में पंचायत समिति चौराहा झोटवाड़ा,जगतपुरा में ब्लॉक अध्यक्ष कैलाश खारड़ा के नेतृत्व में गेटोर मोड,जगतपुरा ,बगरू में ब्लॉक अध्यक्ष रामावतार मोगरा के नेतृत्व में बगरू पुलिया के नीचे,किशनपोल में राजेश गुर्जर, ब्लॉक अध्यक्ष के नेतृत्व में संजय सर्किल, चांदपोल,हवा महल विधानसभा के हवा महल ब्लॉक में जिला अध्यक्ष आर आर तिवाडी के नेतृत्व में शास्त्री नगर जयपुर, सिविल लाइन में विधानसभा रोहिताश सिंह और राजकुमार शर्मा ब्लॉक अध्यक्ष के नेतृत्व में गुर्जर की थड़ी,आदर्श नगर विधानसभा के रामगंज ब्लॉक में विधायक रफीक खान एवं ब्लॉक अध्यक्ष मुस्तफ़ा आलम के नेतृत्व में घाटगेट बाजार और सांगानेर विधानसभा के मानसरोवर ब्लॉक में ब्लॉक अध्यक्ष रतन सैनी के नेतृत्व में वीटी रोड चौराहा मानसरोवर में, सांगानेर ब्लॉक अध्यक्ष राजीव चौधरी के नेतृत्व में पिंजरापोल गौशाला टोंक रोड सांगानेर, मालवीय नगर विधानसभा में सिद्धेश्वर महादेव मंदिर 80 फीट रोड महेश नगर पर विधायक प्रत्याशी अर्चना शर्मा और ब्लॉक अध्यक्ष हेमलता फौजदार के नेतृत्व में नारेबाजी कर पुतला दहन किया गया।

सार-समाचार

अभिलाषा वुमेन वेलफेयर सोसाइटी ने बांधें परिंडे

जयपुर। अभिलाषा वुमेन वेलफेयर सोसाइटी की ओर से आज स्थानीय द्वारकादास पार्क में पक्षियों के लिए परिंडे बांधें गए। इसके अलावा राहगीरों को भी परिंडे दिए गए। कुल मिलाकर आज 101 परिंडे लगाए गए। सोसाइटी की अध्यक्ष डॉ रमा माथुर ने बताया की भीषण गर्मी में पक्षियों के लिए पानी की व्यवस्था करने के लिए यह कदम उठाया गया है। पार्क में आने वाले लोगों को भी परिंडे लगाने के लिए प्रेरित किया गया। सोसाइटी की ओर से पक्षियों के लिए परिंडे बाँटने का कार्य हर वर्ष किया जाता है। इस अवसर पर सोसाइटी के अन्य पदाधिकारी डॉ अंटू सक्सेना, कल्पना माथुर, विजयलक्ष्मी, जया कल्ला और अन्य सदस्य भी मौजूद थे।

प्रवासी राजस्थानियों से जुड़ाव बढ़ाने पर विशेष ज़ोर

जयपुर। राज्य के सामाजिक-आर्थिक विकास में प्रवासी राजस्थानियों का सहयोग प्राप्त करने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री ने देश-विदेश में बसे प्रवासी राजस्थानियों से जुड़ाव बढ़ाने पर बल दिया है। इसी क्रम में 17 अप्रैल को राजस्थान फाउंडेशन और लघु उद्योग भारती द्वारा संयुक्त रूप से इंदौर/देवास में प्रवासी राजस्थानी संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में इंदौर, देवास एवं आस पास के स्थानों से प्रवासी राजस्थानियों ने भाग लिया और राजस्थान से अपने जुड़ाव के बारे में चर्चा की। इस अवसर पर राजस्थान फाउंडेशन की आयुक्त डॉ. मनीषा अरोड़ा ने प्रवासी समुदाय को संबोधित किया। डॉ. अरोड़ा ने अपने संबोधन के दौरान प्रेजेंटेशन के माध्यम से राजस्थान सरकार द्वारा प्रवासी राजस्थानियों के लिए किये गए नवाचारों और योजनाओं की जानकारी साझा की। डॉ. अरोड़ा ने 2024 (निवेश प्रोत्साहन नीति) की विशेषताओं पर प्रकाश डाला और राज्य सरकार द्वारा जारी की गई विभिन्न निवेश अनुकूल आकर्षक सेक्टोरल नीतियों के बारे में भी जानकारी दी। कार्यक्रम में शामिल प्रवासी राजस्थानियों ने न केवल अपने अनुभव साझा किए बल्कि राजस्थान के विकास में अपनी भागीदारी को लेकर गहरी रुचि और उत्साह भी दिखाया। लघु उद्योग भारती, देवास द्वारा मध्यप्रदेश में विभिन्न स्थानों पर अपने उद्योग चला रहे प्रवासी राजस्थानियों को मेमेंटो देकर उद्योग सम्मान से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में ऋतुराज सिंह, जिलाधीश देवास, ओमप्रकाश मित्तल (पूर्व अखिल भारतीय अध्यक्ष, लघु उद्योग भारती), समीर मुंडड़ा (अखिल भारतीय कोषाध्यक्ष, लघु उद्योग भारती), रचना तलाटी, अध्यक्ष, महिला इकाई, लघु उद्योग भारती, देवास, किंशु गुप्ता, सचिव, महिला इकाई, लघु उद्योग भारती, देवास, राधिका मुंदड़ा, सह-संयोजक, महिला इकाई, लघु उद्योग भारती, देवास एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

कच्ची बस्तीवासियों को स्वास्थ्य के प्रति किया जागरूक

जयपुर। द संकल्प संगठन की ओर से चलाए जस रहे अभियान के तहत शुक्रवार को यूएमसीजे यूनिट महारानी कॉलेज की छात्राओं ने कठपुतली नगर कच्ची बस्ती में स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति जागरूक किया तथा सरकार की ओर से चलाई जा रही योजनाओं से अवगत कराया। रिया मंडोवरा, पलक साहू, भाविनी शर्मा आदि छात्राओं ने बस्तीवासियों को आभा कार्ड, आयुष्मान भारत हेल्थ अकाउंट के बारे में विस्तार से बताया तथा इसके अंतर्गत सरकारी सुविधाओं का लाभ लेने का आ ान किया। छात्रा रिया ने आभा कार्ड के बारे में बताते हुए कहा कि आयुष्मान भारत हेल्थ अकाउंट के तहत आम नागरिकों को पंजीकृत किया जा रहा है, जिससे उनका स्वास्थ्य रिकॉर्ड डिजिटल रूप में संधारित होगा। यह आईडी 14 अंकों का यूनिक नंबर है, जिससे अपने स्वास्थ्य रिकॉर्ड को डिजिटल रूप से लिंक कर सकते हैं।

घर के बाहर खड़ी कार को आग के हवाले किया

जयपुर। खोह नागोरियान थाना इलाके में बाइक सवार होकर आए दो बदमाशों ने वकील के घर के बाहर खड़ी कार को आग के हवाले कर दिया। घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। सीसीटीवी फुटेज में दो बदमाश हाथों में ज्वलनशील पदार्थ की बोतल लेकर कार के पास पहुंचे। फिर उन्होंने कार पर ज्वलनशील पदार्थ छिड़ककर उसे आग लगा दी। जैसे ही कार में आग लगी और धमाका हुआ, दोनों बदमाश मौके से बाइक पर सवार होकर फरार हो गए।

वारदात गुरुवार देर रात खोह नागोरियान थाना क्षेत्र के गोविंद नगर इलाके की है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। सीसीटीवी के आधार पर बदमाशों की पहचान की जा रही है। पुलिस के अनुसार जल्द ही दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। खोह नागोरियान के गोविंद नगर में रहने वाले एडवोकेट मनीष शर्मा (48) ने मामला दर्ज करवाया कि वह परिवार के साथ गोविंद नगर में रहते हैं और रोज की तरह गुरुवार रात को भी उन्होंने अपनी कार घर के सामने रोड किनारे पार्क की थी। देर रात अचानक तेज धमाके की आवाज सुनकर जब वह बाहर निकले तो देखा कि उनकी खड़ी कार से आग की लपटें उठ रही थीं। पड़ोसियों की मदद से आग बुझाने का प्रयास किया गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और फायर बिग्रेड को बुलाकर आग पर काबू पाया। लेकिन तब तक कार पूरी तरह से जलकर कबाड़ बन चुकी थी।

मनीष का आरोप है कि यह वारदात उनके पड़ोसी बिहारीलाल बैरवा और उसके दोनों बेटों की ओर से करवाई गई हो सकती है। उन्होंने बताया कि बिहारीलाल और उसके बेटे पहले से ही उनसे द्वेष भाव रखते हैं और पूर्व में भी कई बार उनके परिवार को नुकसान पहुंचाने के लिए षड्यंत्र रच चुके हैं।

दो युवक ने मंदिर में की चोरी

जयपुर। सोडाला थाना इलाके में दो युवक मंदिर में घुसे और वहां से सामान एक कट्टे में भरकर ले गए। यह पूरी घटना कॉलोनी में लगे सीसीटीवी कैमरें में कैद हो गई। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस चोरों की तलाश कर रही है। पुलिस के अनुसार चौधरी स्कूल के पास रावल जी का बंधा निवासी रविंद्र कुमार ने मामला दर्ज करवाया कि कॉलोनी में स्थित मंदिर में 16 अप्रेल की रात करीब तीन बजे दो युवक घुसे और मंदिर से चांदी का छत्र, तांबे का कलश सहित अन्य सामान एक कट्टे में भरकर ले गए। घटना का पता सुबह सामान गायब मिलने पर लगा। इस पर सीसीटीवी कैमरे चैक किए गए तो दो युवक मंदिर से सामान चुराकर ले जाते नजर आ रहे है।

हाई सिक्योरिटी जेल में निषिद्ध सामग्री पहुंचाने वाला जेल प्रहरी राज्य सेवा से बर्खास्त

जयपुर। अजमेर की हाई सिक्योरिटी जेल में निषिद्ध सामग्री ले जाते गिरफ्तार किए गए निलंबित जेल प्रहरी छोटा राम को विभागीय जांच के बाद शुक्रवार को बर्खास्त कर दिया गया है। इस संबंध में उपमहानिरीक्षक पुलिस कारागार रेंज जोधपुर द्वारा आदेश जारी किए गए हैं।

डीआईजी कारागार मोनिका अग्रवाल ने बताया कि जेल में बन्दियों को निषिद्ध सामग्री पहुंचाने वाली जेल कार्मिकों के विरुद्ध लगातार विभाग सख्त कार्रवाई कर रहा है। डीआईजी अग्रवाल ने बताया कि आरोपी प्रहरी छोटाराम बेल्ट नंबर 5093 की 24 फरवरी को शाम अजमेर हाई सिक्योरिटी जेल में ड्यूटी थी। 24 फरवरी की शाम ड्यूटी पर पहुंचे उक्त प्रहरी की जेल में तैनात आरएसी के कार्मिक कांस्टेबल अमरचंद द्वारा तलाशी ली गई तो प्रहरी की वर्दी की विशल में टेप से लपेटकर तीन मोबाइल सिम कार्ड छुपाए हुए बरामद किए गए। इस संबंध में अजमेर के सिविल लाइन पुलिस थाने में राजस्थान कारागार संशोधन अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर आरोपी प्रहरी को 24 फरवरी को ही गिरफ्तार किया गया। जिसे विभाग द्वारा 27 फरवरी को निलंबित कर दिया गया था। विभागीय जांच पूरी होने के बाद शुक्रवार को डीआईजी कारागार जोधपुर रेंज दिनेश कुमार मीणा द्वारा जेल प्रहरी छोटा राम पुत्र लखाराम बेल्ट नंबर 5093 को राज्य सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है।

वक्फ की एक इंच भी संपत्ति लेने वाली नहीं है सरकार : मदन राठौड

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने वक्फ संशोधन विधेयक 2025 को गरीब मुलसमानों के लिए बताते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गरीब मुस्लिम भाई-बहनों के हितों को ध्यान में रखकर इस विधेयक को तैयार किया है। इस विधेयक की जानकारी के अभाव में कुछ लोग मुस्लिम समाज के लोगों को गुमराह कर रहे है लेकिन जब वक्फ की संपत्ति का उपयोग गरीब मुसलमानों की शिक्षा, चिकित्सा और उनके उत्थान के लिए किया जाएगा तब मुस्लिम समाज यह समझ जाएगा कि यह हमारे हित में है। राठौड़ ने एक बार फिर स्पष्ट करते हुए कहा कि वक्फ की एक इंच भी संपत्ति सरकार लेने वाली नहीं है। सरकार वक्फ की संपत्तियों को बाहुबलियों के कब्जे से छुडाकर उस संपत्ति से होने वाली आय का उपयोग गरीब मुस्लिम समाज के लोगों के लिए करेगी।

राठौड़ ने बताया कि वक्फ की संपत्ति पर बाहुबलियों ने कब्जा कर रखा है। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष खडगे ने भी वक्फ की 5 एकड़ भूमि पर कब्जा कर रखा था, जो अब लौटा रहे हैं, अभी तक लौटाई नहीं है, अब वक्फ की जमीन लौटाने की पेशकश की है। खडगे ही नहीं, कांग्रेस के कई नेताओं ने वक्फ की संपत्ति पर कब्जा कर लिया और इसका दुरूपयोग कर रहे है, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी अब वक्फ की संपत्ति पर होने वाले अवैध कब्जों को खाली करवाकर उससे होने वाली आय का उपयोग गरीब मुस्लिम वर्ग के लिए करेगी। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने बताया कि 2006 में वक्फ के पास करीबन 6 लाख एकड़ जमीन थी, जिससे प्रतिवर्ष आय हुई 163 करोड़, जबकि 2024 तक वक्फ के पास 37 लाख एकड़ से भी अधिक जमीन हो गई, लेकिन आय में बढ़ोतरी हुई महज 3 करोड़। यह कैसे हो सकता है।

कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में बनाई गई सच्चर कमेटी की रिपोर्ट में 6 लाख एकड़ जमीन से प्रतिवर्ष 12 हजार करोड़ की आय होनी चाहिए थी, लेकिन आय दिखाई गई महज 163 करोड़। 11837 करोड़ प्रतिवर्ष खा गए। इतना ही नहीं, अब इनकी जमीन 37 लाख 94 हजार एकड हो गई, जिससे आय होनी चाहिए लगभग 100 लाख करोड, जबकि आय हुई 163 करोड। वक्फ संशोधन बिल में इनकी संपत्ति का रजिस्ट्रेशन करने के बाद इसकी वास्तविक आय से गरीब मुसलमानों को लाभ दिया जाएगा।

हत्या के आरोपी ने खुद का गला काटकर की आत्महत्या

जयपुर। झोटवाड़ा थाना इलाके में महिला से छेड़छाड़ कर रहे युवक को पकड़ा तो उसने पेपर कटर से खुद का गला काट लिया। लहूलुहान हालत में पुलिस ने युवक को कांवटिया अस्पताल में भर्ती करवाया, जहां पर उसकी उपचार के दौरान मौत हो गई। घटना शुक्रवार को सुबह 8 बजे की है। युवक हत्या के मामले में तिहाड़ जेल जा चुका था। पिछले दिनों ही जेल से बाहर आया था।

थानाधिकारी राजेंद्र सिंह ने बताया कि युवक की पहचान आनंद शर्मा (35) निवासी बानसूर (अलवर) के रूप में हुई है। वह झोटवाड़ा के जोशी मार्ग पर रहता था। पुलिस ने एफएसएल टीम की मदद से सबूत जुटाए हैं। पिछले एक सप्ताह से आनंद महिला सफाईकर्मी का पीछा कर छेड़छाड़ कर रहा था। महिला सफाईकर्मी ने अपने पति को इस बारे में बताया था। महिला सफाईकर्मी के काम पर जाने के दौरान पति ने ध्यान रखना शुरू किया था।

शुक्रवार को नशे में आनंद ने रोज की तरह महिला सफाईकर्मी से छेड़छाड़ की। इसी दौरान महिला के पति ने उसको पकड़ लिया। कहासुनी होने पर युवक धक्का देकर भाग गया। महिला से छेड़छाड़ करने की आवाज लगाकर पीछा करने पर लोगों ने उसको पकड़ लिया। लोगों ने उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। पुलिस के हवाले करने की कहने पर उसने पेपर कटर से खुद का गला काट लिया। पेपर कटर से चार-पांच बार गला रेतने से खून बहने लगा। खून बहता देखकर लोगों ने उसे छोड़ दिया।

देखते ही देखते कुछ ही देर में गले से निकल रहे खून से वह पूरी तरफ लहूलुहान हो गया। जिसे देखकर लोग वहां से भाग गए।

हाथ में पेपर कटर लेकर आनंद भी उनके पीछे दौड़ा। लहूलुहान हालत में भागते हुए बोलता रहा था कि आओ अब पकड़ो। महज 20 मीटर दूर तक भागने के बाद वह निढाल होकर सड़क किनारे गिर गया। पुलिस की प्रथमदृष्टया जांच में सामने आया है कि युवक मर्डर के मामले में तिहाड़ जेल में बंद था। कुछ समय पहले ही जेल से बाहर आया था। दिल्ली में मर्डर और जेल से बाहर आने के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। आनंद जयपुर में रहकर मूर्तियां बनाने का काम करता था।

युवक से ठगे साढ़े तीन लाख

जयपुर। चित्रकूट थाना इलाके में सीबीआई अधिकारी बनकर नौकरी लगाने के नाम पर एक युवक से साढ़े तीन लाख रुपए ठगने का मामला सामने आया है। पुलिस के अनुसार गुडा बैरसर मौखमपुरा निवासी मदन लाल कुमावत ने मामला दर्ज करवाया कि रविंद्र शर्मा ने खुद को सीबीआई में पेपर लीक अधिकारी बनकर उससे नौकरी लगाने के नाम पर 3.46 लाख रुपए ले लिए।

जयपुर में अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेम्स डेविड का भव्य स्वागत-अभिनंदन किया जाएगा : मदन राठौड़

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने बताया कि अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेम्स डेविड का गुलाबी नगरी में भव्य स्वागत किया जाएगा। विदेशी महेमानों का पलक पांवड़े बिछाकर जयपुर में अभिनंदन किया जाएगा और जयपुर की स्थापत्य कला, धार्मिक पर्यटन के साथ हमारी धरोवर का निरीक्षण करवाया जाएगा। राठौड़ ने बताया कि अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेम्स डेविड के इस दौरे का राजस्थान और भारत को व्यापारिक दृष्टि के साथ सामरिक दृष्टि से विशेष लाभ मिलेगा।

राठौड़ ने कहा कि विश्व में राजस्थान और राजस्थान में भी जयपुर का हर क्षेत्र में विशेष दर्जा है। फिर चाहे वो पर्यटन का क्षेत्र हो, या फिर हमारी स्थापत्य कला का प्रदर्शन का मामला हो, राजधानी जयपुर में आने वाला प्रत्येक पर्यटक यहां से प्रसन्न होकर जाता है। ऐसे में अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेम्स डेविड और उनकी पत्नी उषा चिलुकुरी का हम सभी के लिए गौरव का विषय है। इस दौरे से अमेरिका के साथ हमारे संबंध और अधिक मधुर होंगे। वहीं टैरिफ के सवाल पर राठौड़ ने कहा कि भारत प्रगतिशील देश है, आज हम निर्यात करने की स्थिति में है। वहीं आज के परिपेक्ष्य में अमेरिका को भी जरूरत है। ऐसे में हमारा प्रयास रहेगा कि आपसी सामांजस्य से टैरिफ नीति पर चर्चा की जाए। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि हमारा प्रयास है कि विदेशी मेहमानों को जंतर-मंतर, हवामहल, आमेर किला सहित हमारे धार्मिक स्थल, हमारी पुरातत्व कला, हमारे व्यंजनों के साथ कई चीजों से उन्हें रूबरू कराया जाए।

ARBiT
it happens here...

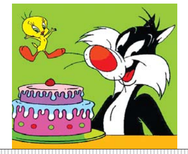

Sylvester the Cat Turns Another Year Older!

April 19 marks the birthday of Sylvester the Cat, the beloved Looney Tunes character, known for his persistent pursuit of Tweety Bird and his signature lisp. Since his debut in 1945's Life with Feathers, Sylvester has starred in numerous cartoons, often uttering his iconic catchphrase, 'Sufferin' succotash!' Despite his constant failures, fans adore his never-give-up spirit and comedic charm. Whether outsmarted by Tweety, Speedy Gonzales, or even his own son, Sylvester remains one of animation's most memorable felines. On this day, we tip our hats to a true cartoon legend, happy birthday, Sylvester!

राष्ट्रदूत
SATURDAY
19 April 2025
A-B

#ART

"Paint" God said

One begins to recognise Bolaj's urge to relate to the immortal soul rather than to the material world or to the physical body given to us for but one life.

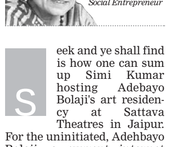

Sadhana Garg
Journalist & Social Entrepreneur

Seek and ye shall find is how one can sum up Simi Kumar hosting Adebayo Bolaji's art residency at Sattava Theatres in Jaipur. For the uninitiated, Adebhayo Bolaji, a current internet rage, is a multifaceted contemporary artist dabbling in multidimensional journey, writing, acting, even law and now painting, he does it all.

The exhibition 'Origin' mirrors Hamlet's dilemma of 'to be or not to be,' but unlike the Shakespearean hero, the story does not end in 'the rest is silence.'

Boloji quest for a connect between his inner realm and the outside world culminates into a burst of colour, canvases and creativity. London born 43-Year-Old Nigerian multidisciplinary artist has had his fair share of trips to hell and back before regaining his very personal Paradise.

"I took to studying law because my father was hellbent on making me a lawyer." Once a child actor, doing West End Show, the Edinburgh Festival, amongst them. Amongst his many roles in the movies, a notable one was in a James Bond movie *Skyfall*. Doing law, he began having persistent headaches, a restless state of mind intensified with each passing moment, and one day, on the streets of London, he zonked out. Several light bulbs bombarded his mind and his body refused to move. That's when the doctor proclaimed all is good but are you stressed about something? Suffering is one's perception clashing with one's reality, and even though I was scared, I wasn't going to let the gross physical Cosmos hold me back. At that time, acting was the only creative medium that occurred to him and so he auditioned for the Central School of Speech and Drama, he got in, and started acting professionally again. Yet, the insane headaches continued.

So, in a book store, as I stood immobilized with the all too familiar headache pounding my very being, I said, "God Help." Amidst rows of book, I actually heard a voice say 'buy paints' and rest, as they say, is history.

Doodling had been a second nature to him even while listening to a law lecture. But from now on, it took on the form of joyous ebullient figures in bold primary colours.

Today, canvas after canvas narrate an inner story lived and felt by the artist, but as one walk past his creations, one becomes a part of that very personal narrative drawn by emotion and sensibilities.

One begins to recognise Bolaj's urge to relate to the immortal soul rather than to the material world or to the physical body given to us for but one life.

Each colourful canvas is a joyous reflection of the indescribable state of having found his calling.

Says Simmi Kumar, "Sometime back, the ebullient riot of colour at the Proarta Gallery in Zurich had left me not only submerged in my surrounding but with a strong inkling to meet the artist.

Imagine my surprise when I had a call asking me whether I would be interested in hosting a art residency for Adebayo Bolaji?"

Jaipurites then can look forward to works that are animated well, almost with early life references to his origin of being an African, to his deep angst that is expressed in works dedicated to Black Lives Matter and now to the Pink City influence of animals, the sun, birds and Mother Nature, that unfolds all her beauty at this time of Baisakh.

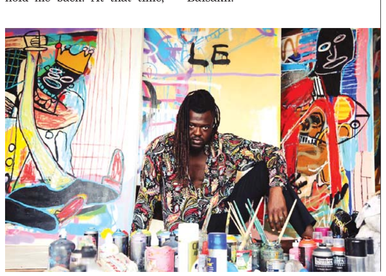

The Silent Blockade

PART:3

Empires do not always fall with thunder. Sometimes, they are undone by hesitation, by doubt, by the silence that follows when swords are sheathed. This is not the story of war, it is the story of restraint. Of a fragile alliance learning to breathe, while a conqueror finds himself haunted not by armies, but by an idea he cannot destroy.

Shailaza Singh
Published Author, Poet and a YouTuber

Babur had failed to fracture them. His gold had returned to him untouched. His letters unanswered. The Rajput Sangh had held, but only just. Because unity is not forged once. It must be reforged daily, in every court, every camp, every whisper of ambition.

And Babur knew this. Which is why he shifted from persuasion to pressure. His new strategy was to tighten the ring, not through direct attack, but by turning the map into a noose. Punjab was fortified. New cannon foundries in Lahore. Strategic towns near the Yamuna were reinforced with garrisons. He courted the Sultan of Malwa, sending emissaries to Ghiyas-ud-Din Khalji of Malwa, promising him territorial autonomy in exchange for alliance against the Rajputs.

Meanwhile, the Rajput Sangh faced its greatest internal test.

Amber was restless. Its ruler, Raja Prithviraj Singh, chafed under Mewar's central authority. In closed chambers, he questioned why Amber's seasoned forces were relegated to static duties while Marwar's cavalry commanded the dynamic southern flanks. In Bundi, young Balwant voiced concerns over the growing influence of Vijayanagar's advisors in the Sabha's war council. "What have southern poets to do with northern war?" he muttered.

The cracks were real.

And then, one nearly split the foundation. At the Rajput Sangh assembly in Chittorgarh, Prithviraj rose mid-council. "If Amber's warriors are only good for border patrol," he said, voice rising, "then let Mewar defend Malwa without us."

Silence fell like steel. Before tempers could erupt, Sanga, seated quietly beneath the carved arch of the Sabha chamber, spoke. "The last time Rajputs walked away from each other, we wrote Khanwa in blood." He rose, his limbs still stiff from old wounds, and unrolled Babur's intercepted letter for all to see. The room grew colder. "This was meant for you," Sanga said to Prithviraj. "He knew your worth. So do we. The only question is, do you?"

Prithviraj did not respond. But he sat down. Later that week, he rode beside Maldeo on patrol. No words were spoken. But something shifted. The Sabha responded not with suppression, but with renewal. They expanded the Sabha, granting equal voice to the minor states. They rotated garrison duties to ensure no faction felt slighted. And in a rare moment of political brilliance, Rao Maldeo offered joint command of the Malwa frontier to Raja Prithviraj Singh of Amber.

The message was clear: unity was not enforced, it was negotiated, preserved, and earned.

In the north, Babur was preparing for his next move.

On the walls of his Agra tent, Babur had pinned every fort, every route, every raja's name. He didn't see a kingdom, he saw a blockade, tightening with time. He had secured the Khyber passes and summoned artillery experts from Herat. But something had shifted in Hindustan. He was no longer marching into fragments.

He was facing an idea.

And ideas, Babur would come to learn, cannot be crushed by cannon. In the bazaars of Ajmer, rumour outran reason. Traders whispered of invasion. Mothers clutched their sons tighter. "If Delhi rises again," they asked, "will we burn first or last?" And far from palace halls, in a blacksmith's hut outside Mandu, a boy watched his father sharpen blades, not for war, but for parade. "Will they march this time?" he asked.

His father smiled. "If they do, it won't be for one king. It'll be for all of us." The silence grew not weaker, but deeper. Stronger. Wiser. They did not win a kingdom. But they held a line.

Historical Anchoring

In reality, Ghiyas-ud-Din of Malwa was often caught between Mewar and Delhi. The real Babur did attempt to extend influence towards Malwa and the Deccan, but was limited by internal instability and his early death in 1530. Rajput states remained fragmented.

This article imagines a world where the cracks in unity were acknowledged, not ignored, and filled not with ego, but with effort. Because even the strongest empires fall when their foundations rot in silence.

The Turning of Malwa

The fort of Mandu stood like a crown over the Vindhyas, imposing, ancient, and coveted. Mandu was the gateway between the North and the Deccan, a plateau that watched every road, every ambition.

It was here, in the summer of 1527, that the pressure nearly broke into battle. Ghiyas-ud-Din of Malwa, swayed by Mughal promises and Rajput pressure alike, delayed his allegiance. Babur's emissaries came bearing gifts and warnings. The Rajput Sangh sent letters, not threats. Mandu sat at a crossroads, caught between two rising empires.

The people of Malwa waited.

And then, the Mughals moved.

Instead of open siege, a Mughal general from Babur's camp arrived at the borders of Malwa with a force meant not to attack, but to demonstrate. They camped near Dhar, displayed Ottoman-style cannons, and pressured Ghiyas-ud-Din to align openly with Delhi.

But the Rajput Sangh anticipated the move. Rao Maldeo of Marwar and Prithviraj Singh of Amber rode south, not to war, but to diplomacy backed by readiness. With them came engineers from the South, some from Vijayanagar, others from Ahmadnagar, united for the moment, if not always in loyalty. It was a display of unity, not conquest.

At the riverfront of the Gambhir, under torchlight, Ghiyas-ud-Din received both parties. The Mughal general Mudasir Khan offered him sovereignty in name, subservience in truth. The Rajputs offered autonomy, education, and alliance.

He made his choice.

Ghiyas-ud-Din did not declare war. He declared neutrality, but signed an accord that gave the Rajput Sangh full rights to trade, fortify, and station advisors within Malwa. In exchange, his sons would be educated in Chittorgarh and Hampi. He paused long before choosing. One will call me coward, the other will call me traitor, he thought. But only one will let my sons live to rule.

He made his choice.

Babur's fury was private. But when the news reached Agra, it is said he looked at the chessboard in his tent, paused, and stared at the board for a long time. Not at the pieces, but at the empty square where his knight should have been. Then, he whispered:

"Shatranj."

"Chess."

He had not lost land. But he had lost position.

In the villages that bordered Malwa, the farmers saw soldiers arrive, and not fight. Traders from the city of Dhar returned with news of alliance, not annexation. A potter in Ujjain crafted lamps with symbols of the allied states, Mewar's sun, Marwar's horse, Amber's lotus, tentatively calling it a Sabha crest, unsure whether to sell them as pride or prophecy.

And in the stone courtyards of Mandu, children once hidden during cannon drills now chased each other past open gates. One stopped and looked up at the Rajput flags fluttering in the breeze.

"Will they stay?" he asked. His grandfather, sharpening a sickle under the banyan tree, nodded slowly. "They will, if we remind them why we stood beside them."

Historical Anchoring

Historically, the region of Malwa was a point of contention between Mewar and the Delhi Sultanate. Ghiyas-ud-Din was known for his shifting loyalties. Babur never laid a formal siege to Mandu, and there is no record of a military campaign there in 1527. The region's strategic volatility, however, is well-documented. This article remains loyal to the truth: no battle was fought, but a turning point was imagined. A choice that could have changed the game, not through bloodshed, but by choosing where one stood. Sometimes, in history, the absence of war is the greatest shift of all.

Babur's Reckoning

The air in Agra was thick, not with smoke, but with silence. A silence that pressed against the sandstone walls of the Mughal court, as if the empire itself was holding its breath.

Babur had known defeat before. In Samarkand, in Fergana, he had lost cities, kin, and pride. But never had he been denied, not by sword, but by silence. This denial struck deeper. He had expected war, even loss. But not irrelevance. The silence of Rajputana unnerved him more than resistance. It told him that he was no longer shaping the story, only reacting to one he had not authored. Ghiyas-ud-Din's refusal to align, wrapped in the guise of neutrality, was more than a diplomatic insult. It was a crack in Babur's perception of power.

He summoned his generals. Mirza Kamran sat beside Mudasir Khan, still bruised from his retreat at the Malwa border. No one spoke of failure. But the chessboard remained untouched since that night. "What do they offer these men that we do not?" Babur asked. "Something we cannot," Kamran murmured. "A dream. One that belongs to them." Babur stood by the jharokha, overlooking the Yamuna. Below, the city pulsed with merchants, caravans, and whispers. Always whispers. Of Rajput unity. Of Malwa's accord. Of children learning in Hampi and Chittorgarh, instead of Kabul or Delhi.

"If they want dreams," Babur said, "let them learn how quickly dreams can be crushed." He ordered a tightening of the northern passes. Garrisons along the Sutlej and Beas were fortified. Letters were sent to Kabul, to Balkh, to the remnants of the Timurid loyalists in Central Asia. He would not fight them yet, but he would surround them. He also turned inward. Scholars, poets, and architects were brought to Agra, not for beauty, but for narrative. The empire needed a story. One that could rival the Sabha's promise of pride. "We will build," Babur said. "And they will wonder whether they chose war, or missed the greater world."

But in his private diary that night, Babur wrote only one line:

"They play like I once did, before I wore a crown."

Historical Anchoring

Babur's real strategy following Panipat and Khanwa involved fortifying Mughal control in the north and maintaining diplomatic channels with regional rulers. This article imagines a psychological shift, where Babur, frustrated by stalled expansion, begins to craft a cultural counterweight rather than immediate retaliation. Babur's ambitions for deeper expansion into Malwa and the Deccan were historically curtailed by internal concerns and his death in 1530. This article imagines what might have evolved, had his plans matured.

The battle has not begun. But the reckoning had. And sometimes, a king loses more to silence than to steel.

To be continued...

rajeshsharma1049@gmail.com

#FORGING REFORGED

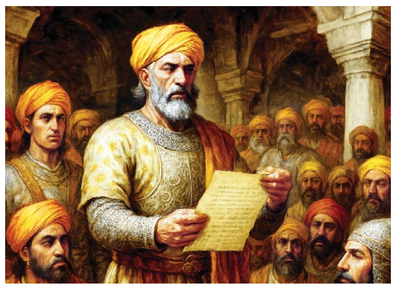

> Historically, the region of Malwa was a point of contention between Mewar and the Delhi Sultanate. Ghiyas-ud-Din was known for his shifting loyalties. Babur never laid a formal siege to Mandu, and there is no record of a military campaign there in 1527. The region's strategic volatility, however, is well-documented. This article remains loyal to the truth: no battle was fought, but a turning point was imagined. A choice that could have changed the game, not through bloodshed, but by choosing where one stood.

The images for the article have been sourced from the internet. "All images are for representational purposes only and do not depict actual historical events or individuals."

#HONOURING

The Man, The Myth, The Missed Calls From His Mother

To the Man Who Says 'Main Kar Lunga' But Never Does: Happy Husband Appreciation Day!

Today, we salute the chai-loving, TV remote-wielding, jugaad master of the house, the great Indian husband. Let's be honest, when was the last time you said, "I appreciate my husband, without following it up with..., but seriously, what does he even do?" But today, just for one glorious day, we're putting aside the burnt toasts, the missing socks, and the mysterious habit of never putting the milk back in the fridge. It's Husband Appreciation Day, and we're here to raise a toast (and maybe, a samosa) to the unsung heroes of the Indian household: our beloved desi husbands.

The Great Indian Husband: A Species of His Own

He may not write poetry, but he'll send you 73 Good Morning messages from the family WhatsApp group. He may forget your birthday, but he'll remember the price of onions in three different markets. He may never fold his towel, but he'll pick up your dad from the airport without being asked. From South Delhi to South Bombay, from Bengaluru to Bhopal, Indian husbands are a delightful mix of tradition, tech support, and tiny tantrums.

They'll say, "Don't worry, I'll call the plumber."

Spoiler alert: They won't.

They'll ask, "Khaane mein kya hai?" while standing right next to the open pressure cooker.

Logic? Never heard of.

But despite all this, there's a certain kind of dependable chaos they bring into our lives, and frankly, we wouldn't have it any other way.

Love in the Time of Tupperware

Desi husbands may not always say 'I love you,' but they show it in hilarious, wholesome ways!

- By making sure your Scooty has petrol (and theirs doesn't).
- By sharing their last piece of gulab jamun (after licking the syrup, of course).
- By calling your mom just to say 'Namaste aunty,' even though she's now technically his saas.
- By watching 400 episodes of your favourite serial, just so you have 'quality time.'

He won't write you a love letter, but he will bring you pani puri on a random Tuesday. And that, friends, is romance, Indian style.

Ways to Celebrate Your Man-Child-in-Chief

Here are some desi-approved, no-fuss ideas to show your Indian husband some well-earned appreciation.

- Let him watch the match in peace (even if he shouts 'Out hai!' at volume 300).
- Make him Maggi at midnight, true love tastes like masala and nostalgia.
- Give him control of the remote, just for one evening.
- Compliment his driving, even though he still doesn't use indicators.

And if you're feeling really generous, don't ask him to fix the leaking tap today. Let him bask in the illusion that he might do it tomorrow.

A Shoutout to the Papa-Bears, Patidevs, and Pyaar-ke-Packets

Indian husbands are a breed apart. They'll argue about politics with passion, lecture you on EMI payments, and still hold your handbag when you're trying on sarees. They're protective, predictable, occasionally perplexing, and always, always there.

So today, we celebrate the husbands who work hard, snore louder, and still ask us, "Chai banaa doon?" when we look stressed. They might never read this article, but if they do, bro, you're appreciated.

Even if you still don't know where the atta is kept.

P.S. To all Indian husbands reading this: Please remember, this day comes only once a year. Make it count, and maybe fold your towel once in a while, okay?

THE WALL

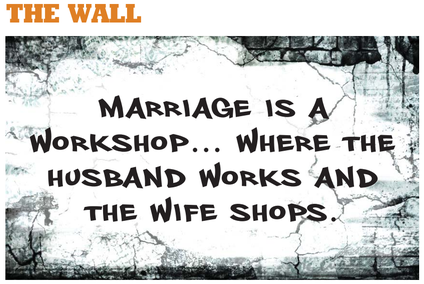

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

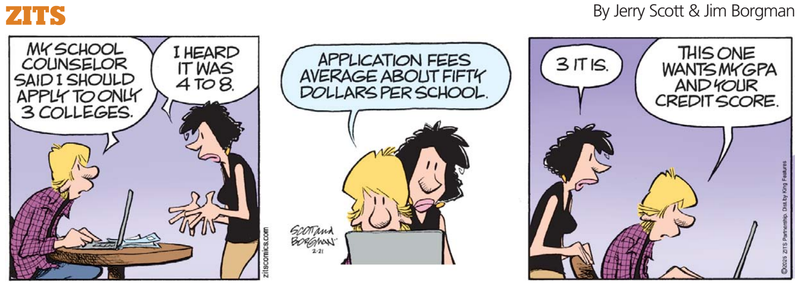

चोरों ने एक ही रात में चार घरों में चोरी की वारदात को अंजाम दिया

मामले को लेकर पुलिस जांच में जुटी है, लेकिन अब तक कोई सुराग नहीं मिल पाया है

पावटा, (निसं)। विराटनगर थाना क्षेत्र में चोरी की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही है। बुधवार रात नगर पालिका क्षेत्र के वार्ड 15 में अज्ञात चोरों ने चार स्थानों पर चोरी की वारदात को अंजाम दिया। चोर चार मकानों के पीछे की सीमेंट की जालियां

- **चोर चार मकानों के पीछे की सीमेंट की जालियां तोड़कर घुसे और लाखों रुपए के आभूषण, नकदी व कीमती सामान चुरा ले गए**

तोड़कर घुसे और लाखों रुपए के आभूषण, नकदी व कीमती सामान चुरा ले गए। पीड़ितों ने रिपोर्ट दर्ज करवाकर अज्ञात चोरों को पकड़ने की मांग की है।

सभी चोरी की वारदातों में चोरों द्वारा चोरी की वारदात को अंजाम देने का तरीका एक जैसा रहा जिसमें चोर मकान के पीछे की सीमेंट की जाली तोड़कर अंदर घुसकर कमरों की कुंडी अंदर से लगाते और उसी रास्ते से बाहर निकल जाते। वार्ड 15 निवासी सुल्तान यादव ने बताया कि वह परिवार संग

चोरी की वारदात के बाद घर में सामान बिखरा पड़ा है।

हॉल में सो रहा था। सुबह जब पत्नी मन्नी देवी उठी, तो देखा कि पीछे वाले कमरे की कुंदी अंदर से लगी हुई है। पीछे जाकर देखने पर कमरे की जाली टूटी मिली और अलमारी का ताला टूटा था। चोर सोने चांदी के जेवरात, 5 हजार नकद व एक मोबाइल ले गए। वही ओंकार यादव के घर की खिड़की तोड़कर चोर अंदर घुसे और सोने-चांदी के जेवरात व 47 हजार रुपए चुरा ले गए। वहीं बिरदी चंद यादव के सोने-चांदी के जेवर व 5 हजार रुपए

मादक पदार्थ सहित दो तस्कर गिरफ्तार

श्रीगंगानगर, (निसं)। जिले में नशे के खिलाफ चलाए जा रहे "ऑपरेशन सीमा संकल्प" व "ऑपरेशन फ्लश आउट" के तहत पुलिस ने कार्रवाई की है। जिले के तीन थानों की पुलिस ने अलग अलग कार्रवाई में अवैध अफीम समेक व नशे के कैप्सूल सहित दो तस्करों को दबोचा है। श्रीविजयनगर थाना पुलिस ने श्रवण कुमार पुत्र किशनाराम निवासी 2 एपीडी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 306 ग्राम अवैध अफीम बरामद की। आरोपी के पास से एक जीप भी जब्त की गई। मामले में एनडीपीएस एक्ट की धाराओं में प्रकरण दर्ज कर जांच मुकलावा थानाधिकारी सम्पत धायल को सौंपी गई है।

वहीं, दूसरी कार्रवाई में नई मंडी घड़साना पुलिस ने गश्त के दौरान

- **अफीम-हेरोइन व नशे के कैप्सूल बरामद किये**

रीको एरिया से धर्मवीर उर्फ बुगड़ निवासी धक्का बस्ती को 4 ग्राम हेरोइन/चिट्टा के साथ गिरफ्तार किया। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/21 में केस दर्ज कर जांच रावला थानाधिकारी नवनीत को सौंपी है। इसके अलावा, श्रीविजयनगर के चक 40 जीबी में स्थित ज्योति मेडिकल स्टोर पर छापा मारकर संचालक सुनील कुमार के कब्जे से 980 प्रतिबंधित प्रिगाबालिन कैप्सूल जब्त किए गए। इंस्पेक्टर गोरीशंकर की मौजूदगी में मेडिकल स्टोर की जांच की गई और आगे की कार्रवाई जारी है।

पार कर ले गए। कांदोलाई श्मशान घाट के पास जयराम के मकान के पीछे की सीमेंट की जाली तोड़कर अंदर घुसे और कमरों की अंदर से कुंदी लगा ली। वारदात के बाद आरोपी फरार हो गए। पुलिस जांच में जुटी है।

चोरी का खुलासा, दो आरोपी गिरफ्तार

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 3.50 लाख के जेवर बरामद किये

नारायणपुर थाना पुलिस ने चोरी के मामले में दो जनों को गिरफ्तार किया।

नारायणपुर, (निसं)। नारायणपुर थाना पुलिस ने चोरी के मामले में दो शातिर आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से करीब 3.50 लाख रुपये मूल्य के सोने-चांदी के आभूषण बरामद किए हैं।

थानाधिकारी ओमप्रकाश मीणा ने जानकारी देते हुए बताया कि भारत नगर कॉलोनी निवासी सुखवीर सिंह गोठवाल ने 24 फरवरी को अपने घर में चोरी होने की रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। सुखवीर सिंह अपने परिवार के साथ 23 फरवरी को ससुराल अलवर गया हुआ था। इसी दौरान चोरों ने सूने मकान को निशाना बनाकर अलमारी के लॉकर से 50 हजार रुपये नकद सहित सोने-चांदी के जेवरात चुरा लिए थे। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने

- **आरोपियों से और भी कई चोरी की वारदातों का खुलासा होने की संभावना जताई**

त्वरित जांच शुरू की। सीडीआर, बीटीएस और साइबर एक्सपर्ट्स की सहायता से जांच आगे बढ़ाई गई, हालांकि शुरुआती दौर में कोई ठोस सुराग नहीं मिल पाया। बाद में बानसूर थाना क्षेत्र में दर्ज एक अन्य चोरी के मामले की कड़ियों को जोड़ते हुए पुलिस ने आरोपियों की पहचान कर ली। आरोपियों को अलवर केंद्रीय कारागार से प्रोडक्शन वारंट पर लाकर गहन पूछताछ की गई, जिसमें उन्होंने नारायणपुर क्षेत्र में हुई चोरी की वारदात को कबूल कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान विजय उर्फ लाला (24) पुत्र सीताराम बलाई निवासी टीबा ऊपर नारायणपुर और अमीचंद उर्फ अमित (22) पुत्र हनुमान सैनी निवासी नारायणपुर के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपियों को दो दिन की रिमांड पर लिया है, जिसमें उनसे सोने का मंगलसूत्र, अंगूठी, चांदी की पायजेब, कमर की तागड़ी सहित अन्य कीमती सामान बरामद किया गया। पुलिस ने शुक्रवार को आरोपियों को न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। पूछताछ के दौरान सामने आया है कि आरोपियों से और भी कई चोरी की वारदातों का खुलासा होने की संभावना है। पुलिस जांच जारी है।

लापता वकील की बरामदगी के लिए क्या कर रही है पुलिस-हाइकोर्ट

हाइकोर्ट ने लापता हुए वकील की बरामदगी को लेकर पुलिस की ओर से किए जा रहे प्रयास की जानकारी मांगी

जयपुर। राजस्थान हाइकोर्ट ने धौलपुर में करीब सात माह पहले लापता हुए वकील की बरामदगी को लेकर पुलिस की ओर से किए जा रहे प्रयास की जानकारी मांगी है। अदालत ने कहा है कि तीस मई को रिपोर्ट पेश कर बताया जाए कि वकील की बरामदगी के लिए क्या कार्रवाई की गई है। जस्टिस अवनीश झिंगन और जस्टिस भुवन गोयल की खंडपीठ ने यह आदेश मीना मिश्रा की बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

सुनवाई के दौरान धौलपुर एसपी सुमित मेहरडा अदालत में पेश हुए। उन्होंने अदालत को बताया कि वकील की तलाश के लिए एसआईटी का गठन किया गया है। वहीं वकील से जुड़े लोगों से पूछताछ भी की गई है। इसके अलावा पुलिस की टीम ने यूपी और एमपी के विभिन्न स्थानों पर जाकर वकील को तलाशा है। इसके साथ ही लापता वकील की फोटो पोर्टल पर अपलोड की गई है। इस पर अदालत ने आगामी सुनवाई पर एसपी को उपस्थित होने से छूट देते हुए पुलिस की ओर से की गई कार्रवाई की रिपोर्ट पेश करने को कहा है।

याचिका में अधिवक्ता दीनदयाल खंडेलवाल और सुरभि ने अदालत को बताया कि 23 सितंबर, 2023 को याचिकाकर्ता के पति प्रमोद कुमार मिश्रा घर से कोर्ट जाने के लिए निकले थे, लेकिन शाम को वापस घर नहीं आए। इस पर याचिकाकर्ता ने उन्हें अपने रिश्तेदारों और परिचितों के घर तलाशा, लेकिन वे वहां भी नहीं मिले। इस पर याचिकाकर्ता ने कोतवाली थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई। इसके बावजूद पुलिस ने उन्हें तलाशने के लिए कोई कार्रवाई नहीं की। याचिकाकर्ता की ओर से अदालत को यह भी बताया गया कि उसने स्थानीय पुलिस अधीक्षक को पत्र लिखकर कुछ संदिग्ध व्यक्तियों पर संदेह जताया था। इसके बावजूद पुलिस ने उनसे पूछताछ तक नहीं की। ऐसे में पुलिस को निर्देश दिए जाए कि वह उसके पति को तलाश कर अदालत में पेश करे।

बम स्क्वॉड ने कलेक्ट्रेट की तलाशी ली

हनुमानगढ़, (निसं)। जिला कलेक्ट्रेट में बम निरोधक दस्ते और डॉग स्क्वॉड ने शुक्रवार को गहन तलाशी अभियान चलाया। यह कार्रवाई कलेक्ट्रेट को आरडीएक्स से उड़ाने की धमकी भरा ई-मेल मिलने के बाद की गई।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जनेश तंवर ने बताया कि दो दिन पहले राजस्थान के कई जिला कलेक्ट्रेट को इस तरह के धमकी भरे ई-मेल प्राप्त हुए थे। हनुमानगढ़ में बुधवार शाम को पहली बार कलेक्ट्रेट की जांच की गई। उस दौरान कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। शुक्रवार को बम निरोधक दस्ते और खोजी कुत्तों की टीम ने पूरे परिसर की बारीकी से जांच की। इस दौरान भी कोई विस्फोटक या संदिग्ध सामग्री नहीं मिली। एएसपी के मुताबिक प्रारंभिक जांच में यह धमकी बोगस प्रतीत हो रही है।

शाहपुरा जिला बचाओ आंदोलन 108वें दिन भी लगातार जारी

शाहपुरा, (निसं)। शाहपुरा जिला बचाओ आंदोलन 108वें दिन शुक्रवार को भी जारी रहा। जिला बचाओ संघर्ष समिति के द्वारा उपखंड कार्यालय शाहपुरा के बाहर क्रमिक अनशन धरने पर किसान केसरी संघ शाहपुरा के बैनर तले प्रतापपुरा ग्राम के किसान अध्यक्ष सूर्य प्रकाश ओझा के नेतृत्व में शांतिपूर्ण तरीके से नारेबाजी करते हुए धरना स्थल पर पहुंचकर शाहपुरा जिले को समाप्त करने के विरोध में प्रदर्शन किया। वहीं शाहपुरा को वापस जिले का दर्जा देने की मांग का ज्ञापन राज्यपाल के नाम जिला बचाओ संघर्ष समिति को दिया।

किसान केसरी संघ प्रतापपुरा के किसान महावीर बैरवा, कल्याण बैरवा, कैलाश बैरवा, गीलू बैरवा, भैरूलाल जाट, मुकेश जाट, उगमलाल, सत्यनारायण बैरवा, नारायण भील, इस्लाम खान, शैतान जाट, भगतराम बलाई, वारिस अली खान, घीसू जाट, महेंद्र भूल राजेंद्र जाट, जमनालाल खारोल, बजरंग ग्यारसी देवी बावरी, किरण बावड़ी, बन्ना लाल खारोल, जमनालाल ओनाड खारोल, शाहरुख खान सहित कई सदस्य क्रमिक अनशन धरने पर बैठे, जिनका समिति की ओर से माला पहनकर स्वागत किया गया। धरने को किसान गिलु बैरवा, भैरूलाल जाट, मुकेश जाट, ग्यारसी देवी बावरी और संघर्ष समिति अध्यक्ष दुर्गालाल राजोरा, संयोजक रामप्रसाद जाट, महासचिव कमलेश मुंडेतिया, किसान केसरी संघ के जिला अध्यक्ष सूर्य प्रकाश ओझा ने संबोधित करते हुए सरकार से शाहपुरा जिले की बहाली की मांग की।

इस मौके पर संघर्ष समिति सदस्य राजेंद्र बोहरा, सत्यनारायण पाठक, उदय लाल बैरवा, धनराज जीनगर, विनीत बुनकर, नजीर मोहम्मद, शंभू लाल चौधरी, दुर्गा लाल जोशी, अजय मेहता, सुरेशचंद्र घूसर, अधिवक्ता ताज मोहम्मद, अखिल व्यास , शरीफ मोहम्मद, वेद प्रकाश धाकड़ सहित कई सदस्य मौजूद रहे।

रेलवे की केबल के बंडलों में आग लगी, लाखों का नुकसान

कोटा, (निसं)। शहर में आगजनी की दो-तीन घटनाएं सामने आई है। गनीमत है कि आगजनी की घटनाओं में कोई जनहानि नहीं हुई है। गुरूवार देर रात्रि को एक कार में आग लग गई तो वहीं शुक्रवार तड़के गुमानपुरा इलाके के एक मकान में आगजनी की घटना सामने आई तो वहीं गुरूवार को रेलवे कॉलोनी इलाके में रेलवे की केबल के बंडलों में आग लगने की घटना सामने आई, जिसमें आग की चपेट में आने से लाखों रूपये की केबल जलकर नष्ट हो गई।

अगिनश्मन अधिकारी राकेश व्यास ने बताया कि गुरूवार को रेलवे

- **वहीं मकान व कार में आग लगी, घटनाओं में कोई जनहानि नहीं हुई**

की सिंगनल और टेलिफोन केबल के बंडलो में आग की सूचना मिली। जिस पर मौके पर दमकल भेजकर काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। अग्निश्मन अधिकारी राकेश व्यास ने बताया कि गुरूवार देर रात्रि को राधिका रिसोर्ट के पास एक खड़ी कार में आग लग गई। सूचना पर दमकल को मौके पर भेजा गया और आग पर काबू पाया गया। वहीं शुक्रवार तड़के गुमानपुरा इलाके की टीचर्स कॉलोनी में एक मकान में आग लगने की सूचना मिली। सूचना पर अग्निश्मन विभाग की दमकल मौके पर भेजी गई। अग्निश्मन अधिकारी राकेश व्यास ने बताया कि आग मकान के दूसरे फ्लोर में लगी थी जहां पर मोबाइल एसेसरीज रखी हुई थी, आग की चपेट में आने से काफी सामान जनलकर खाक हो गया गनीमत रही कि कोई जनहानि नही हुई। काफी मशक्कत के बाद मकान में लगी आग पर काबू पाया गया।

अवैध हथियारों के साथ पंजाब के दो तस्कर गिरफ्तार

उदयपुर, (निसं)। चित्तौड़गढ़ जिले की कोतवाली निम्बाहेडा थाना पुलिस ने अवैध हथियारों की तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए पंजाब के दो हथियार तस्करों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से पांच अवैध पिस्टल मय मैग्जीन बरामद की गई। आरोपियों ने ट्रक चालक को धोखे में रखकर पिस्टलों को बैग व कपड़ों में छिपाकर लिफ्ट ली थी।

पुलिस अधीक्षक सुधीर जोशी ने बताया कि जिले में अवैध गतिविधियों की रोकथाम और अपराधियों की धरपकड़ के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में एएसपी

- **तस्करों के पास से पांच अवैध पिस्टल मय मैग्जीन बरामद**

सरिता सिंह के निर्देशन और डीएसपी निम्बाहेडा बद्रीलाल राव के सुपरविजन में थानाधिकारी राम सुमेर मीणा के निर्देशानुसार एएसआई सूरज कुमार और पुलिस टीम ने निम्बाहेड़ा बायपास हाईवे रोड पर सघन नाकाबंदी की। नाकाबंदी के दौरान नीमच की ओर से आ रहे एक संदिग्ध ट्रक को रोका गया। ट्रक रुकते ही खलासी साइड से दो व्यक्ति उतर कर भागने लगे लेकिन कांस्टेबल रामकेश ने मुस्तैदी दिखाते हुए दोनों को पकड़ लिया। पूछताछ में दोनों संदिग्ध काफी घबराए हुए लगे जिस पर उनकी तलाशी ली गई। पकड़े गए व्यक्तियों की पहचान अवतार सिंह पुत्र करनेल सिंह जट सिख, निवासी नगला, थाना गढ़ शंकर, जिला होशियारपुर, (पंजाब) और जसवीर ठाकुर पुत्र रणजिंदर सिंह राजपूत निवासी चाकरोदा, थाना गढ़ शंकर, जिला होशियारपुर, (पंजाब)के रूप में हुई। तलाशी में अवतार सिंह के काले बैग से तीन पिस्टल,जबकि जसवीर ठाकुर की पैंट के अंदर और जेबों से दो पिस्टल और एक मोबाइल फोन बरामद हुआ। कुल 5 अवैध पिस्टल मय मैग्जीन बरामद कर दोनों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने बताया कि मामले में गहन पूछताछ की जा रही है और हथियारों की खरीद फरोख्त व सप्लायर गैंग के नेटवर्क का खुलासा होने की संभावना है। वहीं ट्रक चालक अर्जुन देव पुत्र दीवानचंद भाट निवासी रावतसर, (हनुमानगढ़) ने पूछताछ में बताया कि इन दोनों ने उसे धोखे में रख ट्रक में लिफ्ट ली थी। उसके पास या ट्रक में कोई भी संदिग्ध सामग्री नहीं पाई है। पुलिस टीम में हेड कांस्टेबल हरविंदर सिंह, कांस्टेबल रामचंद्र, हेमंत, रामकेश, राकेश, विजय सिंह, शिशुपाल, सुरेंद्र पाल, विक्रम और बहादुर सिंह शामिल थे।

इनामी अपराधी गिरफ्तार

जयपुर। मुहाना थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए बलात्कार और पॉक्सो एक्ट के मामले में पिछले 6 माह से फरार 5 हजार रुपए के इनामी आरोपित विजय शर्मा निवासी टोंक को गिरफ्तार किया है। पुलिस उपायुक्त दक्षिण दिगंत आनन्द 19 नवम्बर 2024 को परिरिवादीया ने एक रिपोर्ट दी की वह विजय शर्मा के मकान पर किराये से अपने परिवार के साथ रहती थी और वह अभी नाबालिग है। विजय शर्मा ने उसको डरा धमकाकर गलत सम्बन्ध बनाये। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश के लिए एक पुलिस टीम का गठन किया। गठित टीम द्वारा आरोपी विजय शर्मा के संभावित ठिकानो पर लगातार निगरानी व दबिश दी जाकर पिछा किया जा रहा है।

सात बंदरों की बेरहमी से हत्या के आरोप में 12 जने गिरफ्तार

उदयपुर, (निसं)। सात बंदरों का शिकार कर उनकी बेरहमी से हत्या के मामले में उदयपुर की सायरा थाना पुलिस ने आदिवासी कथोड़ी समाज के 12 आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने कुंभलगढ़ अभ्यारण्य क्षेत्र के कडेच ग्राम पंचायत के रीछवाडा गांव में यह कार्रवाई की। आरोपियों ने बंदरों को न केवल मारा, बल्कि लोहे के हाशिए से उनके शवों के टुकड़े-टुकड़े कर दिए। पुलिस ने मृतक बंदरों के मांस से भरी पोटलियां बरामद की है। सूचना मिलने पर हायला रेंज के फॉरेस्टर तुलसीराम मेघवाल टीम के साथ मौके पर पहुंचे। तब आरोपियों ने अधिकारियों को ही घेरकर हमला करने

- **आरोपियों के कब्जे से बंदरों का मांस, शिकार में प्रयोग हथियार और चार बाइक बरामद की**

की कोशिश की जिससे स्थिति तनावपूर्ण हो गई। इसके बाद जैसे-तैसे वन अधिकारियों ने अपना बचाव किया। इसके बाद बोखाडा रेंज से क्षेत्रीय वन अधिकारी जयंतीलाल गरासिया, फॉरेस्टर नारायण सिंह राणावत, वनरक्षक वीरेंद्र सिंह शेखावत, अशोक गरासिया, ओमप्रकाश व नीरज मौके पर पहुंचे। तलाशी के दौरान आरोपियों के कब्जे से बंदरों का मांस, शिकार में प्रयोग हथियार और चार बाइक भी बरामद की है। सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर बोखाडा वन विभाग कार्यालय लाया गया। पूछताछ में उन्होंने बंदरों का शिकार करना कबूल कर लिया। वन विभाग ने आरोपियों के खिलाफ वन्यजीव संरक्षण अधिनियम की धाराओं में मामला दर्ज कर आगे जांच शुरू कर दी है। वन विभाग के अनुसार सभी आरोपी ओगणा थाना क्षेत्र के समीजा गांव के निवासी हैं। इन्होंने बंदरों को लोहे के तार में फंसा कर शिकार किया था और फिर धारदार हाशिए से उनके शवों के टुकड़े कर मांस पोटलियों में भर लिया। फिलहाल वन विभाग ने पूरे क्षेत्र में गश्त बढ़ा दी है और वन्यजीवों की सुरक्षा को लेकर अतिरिक्त सतर्कता बरती जा रही है। घटना के बाद वन विभाग ने पूरे क्षेत्र में गश्त बढ़ा दी है और वन्यजीवों की सुरक्षा को लेकर अतिरिक्त सतर्कता बरती जा रही है। विभाग का कहना है कि जैव विविधता और पारिस्थितिकी संतुलन बनाए रखने के लिए इस तरह की घटनाओं पर सख्त कार्रवाई जरूरी है। विशेषज्ञों के अनुसार कथोडी समाज परंपरागत रूप से जंगलों में रहकर शिकार पर निर्भर था। राज्य सरकार द्वारा अब उन्हें विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं और सुविधाओं से जोड़ा जा रहा है, लेकिन कुछ समूह अब भी पुरानी आदतों को नहीं छोड़ पा रहे हैं।

हज प्रशिक्षण शिविर आज

जयपुर। इस्लाम धर्म के सबसे महत्वपूर्ण अरकान हज और उमराह के लिए इस वर्ष मक्का मदीना जाने वाले हज यात्रियों का प्रशिक्षण शिविर शनिवार को सुबह 9 बजे से दोपहर 1 बजे तक सुन्नी दावते इस्लामी जयपुर के तत्वाधान में पहाड़गंज स्थित हीरा इंग्लिश सीनियर सैकेंडरी स्कूल में आयोजित होगा। जिसमें प्रशिक्षक मौलाना सैय्यद मोहम्मद कादरी हज यात्रियों को हज के दौरान अदा किए जाने वाले अरकानों के बारे में विस्तार से बताएंगे। यह शिविर मुफ्ती अब्दुस्सत्तार रजवी साहब की सरपरस्ती में आयोजित किया जाएगा, जिसमें शहर के उलेमा एवं इस्लामी विद्वान शामिल होंगे। सुन्नी दावते इस्लामी व नूरी सुन्नी सेंटर विकास समिति के सदस्य हाजी मोहम्मद हसीन अहमद व हाजी हामिद बैग ने बताया कि उमराह व हज यात्रा पर जाने वाले महिला-पुरुषों के प्रशिक्षण शिविर को ट्रेंड हज ट्रेनर्स संबोधित करेंगे। शिविर में अनुभवी हज ट्रेनर्स मौलाना सैय्यद मोहम्मद कादरी साहब के साथ हजरत मौलाना कारी वली मुहम्मद शेरी साहब और कारी मुहम्मद शकील अशरफी साहब हज यात्रियों को जानकारी देंगे।

डंडों से हमला कर युवक की हत्या, शव को जंगल में फेंका

मृतक ने भाभी के प्रेम-प्रसंग पर आपति जताई थी, एक आरोपी डिटेन

कोटा, (निसं)। रानपुर थाना इलाके में कुछ आरोपियों द्वारा डंडों से हमला कर युवक की हत्या करने का मामला सामने आया है। हमलावर बदमाश युवक की हत्या कर शव को जंगल में फेंक कर फरार हो गये। मृतक युवक के दोनों पैर बेल्ट से बंधे हुए थे। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और मौके पर एफएसएल व एमओबी टीम को बुलाया गया। पुलिस ने मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों का सौंप दिया।

रानपुर थानाधिकारी रामविलास ने बताया कि मृतक डोलिया गांव निवासी भंवरलाल भील (26) है। थानाधिकारी ने बताया कि मृतक के चाचा देवलाल ने रिपोर्ट दी। रिपोर्ट में गांव के ही उसके पड़ोसी हेमराज व गांव के युवक बबलू पर हत्या का आरोप लगाया है।

थानाधिकारी ने बताया कि मामले में सामने आया है कि मृतक की भाभी का उसके पड़ोसी हेमराज से प्रेम-प्रसंग चल रहा था।

हत्या के मामले में पुलिस ने एक जने को डिटेन किया।

- **हमलावर बदमाश युवक की हत्या कर शव को जंगल में फेंक कर फरार हुये**

हेमराज भंवरलाल की भाभी से बातचीत करता था, जिस पर भंवरलाल ने कई बार हेमराज को टोका और इसी बात को लेकर दोनों के बीच झगड़ा भी हुआ था। थानाधिकारी ने बताया कि हेमराज जब जंगल में बकरियां चराने गया तो उसके पीछे भंवरलाल हेमराज को समझाने के लिये जंगल में गया, जहां दोनों के बीच कहासुनी हो गई।

जिस पर हेमराज ने अपने अन्य साथी के साथ मिलकर भंवरलाल को पकड़ा और उस पर डंडों व पत्थरों से हमला कर दिया।

थानाधिकारी ने बताया कि फरियादी की रिपोर्ट पर हेमराज व बबलू के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज किया। पुलिस उपअधीक्षक मनीष शर्मा ने बताया कि भंवरलाल भील की हत्या के मामले में एक आरोपी हेमराज को डिटेन कर लिया है। आरोपी हेमराज से पूछताछ की जा रही है।

संक्षिप्त

इनामी आरोपी गिरफ्तार

बौंली- बामनवास। भरतपुर रेंज पुलिस महानिरीक्षक राहुल प्रकाश के आदेशानुसार चलाए जा रहे वांछित व फरार आरोपियों की धर पकड़ अभियान के तहत सवाई माधोपुर जिले की बाटोदा थाना पुलिस ने चार माह से फरार चल रहे इनामी आरोपी रामकेश मीणा उम्र 70 वर्ष निवासी सुखानंदपुरा थाना बाटोदा को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। बाटोदा थाना प्रभारी यशपाल सिंह के नेतृत्व में गठित टीम में शामिल सहायक उप निरीक्षक राजेश सिंह, कांस्टेबल भजनलाल व सुरेश सिंह ने 8 दिसंबर 2024 को दर्ज मुकदमा दर्ज कराकर बताया था कि 5 दिसंबर 2024 को सांय कविता मीणा को रास्ते से निकलने से मना किया व गाली गलौज की, उसके बाद आरोपी सुवालाल, दिलखुश, महेंद्र, धर्मेंद्र, रामकेश, विजयलाल, अंगूरी, रोशनती सबने एक राय होकर मुरारी के घर में घुसकर तलवार, लाठी, डंडों से उसके परिजनो से गंभीर मारपीट की।

भंडारे में स्काउट्स ने किया सेवा कार्य

शाहपुरा। विराटनगर कस्बे के भिंडवाला की ढाणी में स्थित हीरामल जी महाराज के विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। इस दौरान स्थानीय संघ विराटनगर के स्काउट मास्टर विक्रम कुमार कुंभावत और विनोद कुमार कुंभावत के सानिध्य में स्काउट कुलदीप कुम्हार, प्रेमचंद कुम्भावत, विवेक किराड़, विशाल कुम्हार,उमेश प्रजापत, प्रिंस बिवाल, युवराज सैनी, मनीष कुम्हार, सूर्यकांत प्रजापत, सोमेंद्र कुम्हार, मयंक गुप्ता मनीष सैनी, अभिषेक यादव, पुष्पेंद्र यादव, गुड्डू कुम्हार सहित 20 स्काउट्स ने अपनी सेवाएं दी। मेला कमेटी ने स्काउट्स के कार्य की प्रशंसा करते हुए कहा कि स्काउट संगठन निस्वार्थ भाव से सेवा करता है। मेला कमेटी ने स्काउट्स को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। भंडारे में महावीर महासी एण्ड पार्टी रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए।भक्तों ने बाबा का जयकारा लगाते हुए प्रसादी ग्रहण की।

साउंड सिस्टम भेंट किया

मनोहरपुर। रा उ मा वि टोडी मे अम्बेडकर जयंती पर भामाशाह एडवोकेट मोहनलाल कुड़ी द्वारा 13000 रुपये की लागत का साउंड सिस्टम भेंट किया गया। प्रधानाचार्य मदन लाल रैगर ने धन्यवाद ज्ञापित किया। मनीष हरितवाल ने बताया कि इससे पहले भी ऐडवोकेट मोहनलाल कुड़ी विद्यालय मे लगभग 10 लाख से भी ज्यादा के उपकरण और कार्य करवा चुके है।

प्रतियोगिता में राजेन्द्र रहे प्रथम

निवाई। अखिल भारतवर्षीय धर्म जागृति संस्थान प्रान्त राजस्थान द्वारा प्राकृत भाषा के महाकाव्य अशोक रोहिणी चरित्र पर आधारित राष्ट्रीय स्तरीय प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का परिणाम श्री जिनशासन क्षेत्र मदार अजमेर में आचार्य वसुनंदी मुनिराज ससंघ के सानिध्य में आयोजित समारोह में घोषित किए गए। तहसील अध्यक्ष विमल जौंला ने बताया कि संस्थान के प्रांतीय अध्यक्ष पदम जैन बिलाला के अनुसार प्रतियोगिता में 1 हजार से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय स्तरीय रोहिणी चारित्र प्रतियोगिता में निवाई के 10 प्रतिभागियों ने प्रतियोगिता में भाग लिया।

नम्बर मिलाइए 9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

तीये की बैठक

हमारे पूजनीय पिताजी **ठा. सा. जयपाल सिंहजी** (Rted. AS RVPN) का स्वर्गवास 17/4/25 को हो गया। तीये की बैठक 19/4/25 शनिवार को सायं 5 से 6 बजे तक निवास स्थान 30 निम्बार्क नगर, धावास रोड, हीरापुरा, जयपुर पर होगी।

शोकाकुलः पुष्पा देवी (धर्मपत्नी), दिनेश सिंह, मुकेश सिंह (पुत्र),समस्त कुशवाहा परिवार, 9509601617, क्रिस्टल एडवरटाइजिंग- 9828010142

कांग्रेस कमेटी कोटपूतली व नारेहड़ा के संयुक्त तत्वाधान में कार्यकर्ताओं ने दिया धरना

सम्बोधित करते पूर्व संसदीय सचिव।

कोटपूतली। ईडी द्वारा वरिष्ठ कांग्रेस नेता, राज्यसभा सांसद व सीपीपी चेयरपर्सन सोनिया गाँधी, नेता प्रतिपक्ष राहुल गाँधी के विरूद्ध चार्जशीट पेश किये जाने के विरोध में राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार ब्लॉक स्तर पर शुक्रवार को केन्द्र सरकार के विरूद्ध धरना प्रदर्शन किया गया।

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी कोटपूतली व नारेहड़ा के संयुक्त तत्वाधान में स्थानीय नगर परिषद कार्यालय पर धरना प्रदर्शन ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष व पूर्व चैयरमैन प्रकाश चंद सैनी के नेतृत्व में आयोजित हुआ। जिसमें भाग लेते हुये कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भारत सरकार के ईशारे पर ईडी की कार्यवाही का आरोप लगाते हुये सोनिया व राहुल गाँधी के विरूद्ध चार्जशीट पेश किये जाने पर कड़ा आक्रोश व्यक्त किया।

पूर्व संसदीय सचिव रामस्वरूप कसाना ने कहा कि मोदी सरकार विपक्ष को रौंदकर लोकतंत्र की हत्या करने का प्रयास कर रही है। ब्लॉक अध्यक्ष प्रकाश चंद सैनी ने कहा कि केन्द्र सरकार ईडी को राजनैतिक हथियार की तरह इस्तेमाल कर बदले की राजनीति पर उतर आई है। जिसे बर्दाश्त नहीं किया जायेगा।

कांग्रेस नेता रामनिवास यादव ने कहा कि भारत सरकार के ईशारे पर केन्द्रिय एजेंसियों द्वारा विपक्षी दलों के विरूद्ध की जा रही कार्यवाही लोकतंत्र का गला घोटने जैसा है।

संगठन महामंत्री वी के नवल ने बताया कि धरने को पूर्व विधायक रामचन्द्र रावत, सेवा दल जिलाध्यक्ष रघुवीर सिंह यादव, पूर्व पार्षद हनुमान सैनी, जगमाल सिंह यादव, ब्लॉक अध्यक्ष सतीश निमोरिया, कांग्रेस नेता सांवत गुर्जर, युवा कांग्रेस के अशोक कसाना, पूर्व अध्यक्ष राकेश रावत, पूर्व प्रदेश सचिव प्रदीप गुर्जर व तारा पूतली, इंजी. दिनेश मीणा, कांग्रेस नेता छीत्तर रावत, कमल मीणा, मालीराम कम्पाउन्डर, जगदीश खेमजी, रमेश जिंदल, पूर्व पार्षद बाबूलाल सैनी, सतीश मांडैया, के एम बंसल, डॉ. अभिलाष मीणा, शाहरूख टांक, रत्तिराम यादव, हंसराज योगी, गोपाल सिंह शेखावत व जयराम मीणा सहित अन्य ने भी सम्बोधित किया। इस दौरान बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

337 वीं हीदा जयंती धूमधाम से 'हीदा की मोरी' पर मनाई

श्रीमाधोपुर। हीदा की मोरी पर स्थित ''हीदा जी भोमियां बाबा'' को सजा फूल मालाओं से पूजा अर्चना हीदा वंशज डॉ.गजेंद्र सिंह हीदा के द्वारा की गई, उसके बाद सर्व समाज के लोगों द्वारा पूजा अर्चना की गई। इस अवसर पर मुख्य कार्यक्रम का आयोजन हीदा की मोरी स्थित ''गुरुद्वारा हाल'' में किया गया, जिसमें गुरुद्वारा परिवार के जानकीदास जी व अन्य कार्यकर्ताओं ने कार्यक्रम को सफल बनाने में अपनी सेवा दी, जिसके लिए कार्यक्रम संयोजक राजस्थान डेमोक्रेटिक फ्रंट (आरडीएफ), प्रमुख डॉ गजेंद्र सिंह हीदा के साथ अतिथि के रूप में पधारें रिटायर्ड आईएएस जे. पी. मीणा, आईआरएस कमलेश मीणा, इनकम टैक्स कमिश्नर दिल्ली व पूर्व मंत्री व विधायक कन्हैया लाल ने स्वागत सम्मान किया। इस अवसर पर विभिन्न समाज जनों ने ''हीदा जी'' के पुरुषत्व और महान योद्धा को अपने अपने अंदाज में याद करते हुए उनके जीवनकाल के किस्सों व प्रसंगों को सभी के सामने रखा। साथ ही जयपुर स्थापना के लिए श्रीं हीदा जी को याद किया, इतिहासकार टी सी चिता ने हीदा जी के जीवन पर प्रकाश डाला। अपने अपने वक्तव्यों में जे पी मीणा, कमलेश कुमार मीणा व कन्हैया लाल ने ''हीदा जी '' को याद करते हुए उनकी जयंती मनाई।

MUNICIPAL CORPORATION (GREATER), JAIPUR
(Pandit Deendayal Uppadhyay Bhawan Lalkothi Tonk Jaipur 302015)
No. F-6(DCR-FIRST (J.S)/RO.LIC/N.N.J/2025/518 Date : 16-04-2025
PUBLIC NOTICE
The licensee M/s/ Indus Tower Limited Jaipur (Particulars of Licensee) has submitted application in this office for granting permission for erection/ installation of telecom tower aboveground telegraph infrastructure on the land or building or location mentioned below :-

Sr. No.	Site ID	Address
1	IN 3272499	Row, Road Side Area, Singh Marg, 200ft By Pass, Ward No.60, Jaipur
2	IN 3318729	Row Near Heerapura Samshaan, 200ft By Pass, Ward No.61, Ajmer Road, Jaipur

Therefore, it is hereby informed to all concerned that if, any body has any objection or suggestion on granting permission for installation or establishment of above mentioned telecom infrastructure on the land/location above, he may submit objection or suggestion along with supporting documents before the undersigned during office hours on any working day within 7 days of the publication of this notice.
In absence of any objection/ suggestion within above stipulated time it any be deemed that nobody has objection/suggestion and matter will be disposed off accordingly.
Deputy Commissioner (Revenue-I)
Municipal Corporation (Greater), Jaipur

आवश्यकता

स्टेनोग्राफर (पूर्णकालिक/अंशकालिक) किसी अधिवक्ता या न्यायाधीश के कार्यालय में कानूनी ड्राफ्टिंग का अनुभव रखने वाले स्टेनो की आवश्यकता है, जिसे अंग्रेजी टाइपिंग का अच्छा ज्ञान हो। टी-7, फेलिसिटी टावर, सहकार मार्ग जयपुर-302006 नरेश कुमार सेजवानी, अधिवक्ता, संपर्क करें- 8764399098

खोया पाया

मेरे भूखण्ड संख्या सी-360 ब्लॉक-सी, देव विहार देव किशनपुरा चाकसू का मूल आंवटन पत्र कहीं गुम हो गया हैमिलने पर सम्पर्क करें- विजय लक्ष्मी शर्मा, मोबाइल नम्बर - 9929466654

मेरा मकान सं. 81, सुमेर नगर विस्तार जी ब्लॉक, मांग्यावास, जयपुर का मूल संशोधित साइट प्लान और स्टांप कहीं गुम हो गये है। मिलने पर सम्पर्क करें- रमेश कुमार वर्मा, 9414517800

नाम परिवर्तन

मैं राजकुमार चौधरी ये घोषित करता हूं कि मेरा पहले नाम वोटर आईडी में राजकुमार था जो कि अब आधार कार्ड व पैन कार्ड में राजकुमार चौधरी के नाम से भविष्य में इसी नाम से जाना जाये ये दोनों व्यक्ति सैम है।

मैं रज्जन लाल प्रजापत पुत्र श्री मन्नी लाल निवासी प्लाट नं . 6 तिरूपति नगर ए चरण नदी -2 मुरलीपुरा जयपुर यह कि मेने मेरा नाम रज्जन लाल कुमावत से बदलकर रज्जन लाल प्रजापत रख लिया है।अतः भविष्य में मुझे रज्जन लाल प्रजापत के नाम से जाना जाये। नोटेरी पब्लिश जयपुर दिनांक 17/4/2025

मेरे पुत्र भव्यम मोटवानी के स्कूल में मेरा नाम मंजू मोटवानी दर्ज है जो गलत है सही नाम मंजू हासवानी है अतः भविष्य में मंजू हासवानी नाम से जाना पहचाना जाए।

I, Ramandeep Kaur Saini R/o A-4, SKL Elite, Vaishali Estate gandhipath west, Jaipur 302021 has changed my name from Ramandeep Kaur Saini to Ramandeep Kaur for all future purposes

I Monu Kumari D/o Ranveer Singh R/o Village Wahidpura Dist. Jhunjhunu, Rajasthan. Have change my name from Monu Kumari to Monika Nemiwal. I will be known as Monika Nemiwal for all future purposes.

ग्रामीणों ने विधायक व जिला कलक्टर को सौंपा ज्ञापन

कोटपूतली। कस्बे के निकटवर्ती ग्राम पुरूषोत्तमपुरा के ग्रामीणों ने चिराग प्रसाद मीणा के नेतृत्व में जिला कलक्टर कल्पना अग्रवाल को जनसुनवाई में ज्ञापन सौंपकर शिकायत दर्ज करवाते हुये एवं विधायक हंसराज पटेल को ज्ञापन सौंपकर ग्राम पुरूषोत्तमपुरा में बस स्टैण्ड का निर्माण कर बस सेवा शुरू करने एवं ग्राम पुरूषोत्तमपुरा को पंचायत समिति पावटा से पंचायत समिति कोटपूतली में स्थानान्तरित किये जाने की मांग की है। ज्ञापन में ग्रामीणों ने बताया कि पुरूषोत्तमपुरा से पावटा की दूरी 30 जबकि कोटपूतली की दूरी मात्र 17 किमी है। आवागमन के कोई साधन ना होने की वजह से ग्रामीणों को निजी साधनों से आना जाना पड़ता है। जिससे बुजुर्गो, महिलाओं को विशेष परेशानी का सामना करना पड़ता है। साथ ही ग्रामीणों ने पुरूषोत्तमपुरा में बस स्टैण्ड का निर्माण कर बस सेवा शुरू किये जाने की भी मांग की। ग्रामीणों ने बताया कि बस सेवा ना होने से स्कूली विधार्थियों, मजदूरों को आवागमन में काफी समस्या का सामना करना पड़ता है। ऐसे में पुरूषोत्तमपुरा से कोटपूतली के लिये सुबह व शाम को बस सेवा शुरू की जायें। साथ ही पुरूषोत्तमपुरा ग्राम शुक्लावास व बेरी बांध के बीच में पड़ता है। प्रतिदिन कोटपूतली से जो बस जयपुर जाती है, उसका स्टैण्ड पिचाणी, शुक्लावास व बेरी बांध में बना है। ऐसे में प्रतिदिन जयपुर जाने वाले ग्रामीणों को जयपुर की बस पकडने के लिये 05 किमी दूरी पिचाणी या बेरी जाना पड़ता है।

उद्घोषणा (इश्तिहार) न्यायालय (राज.)
व्यवहार मिश्रित (मुत्तफरिका) वाद सं. 27/2024 उत्तराधिकारी
विषय- उत्तराधिकार प्रमाण-पत्र प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन प्राप्त करने हेतु प्रार्थना-पत्र।
प्रार्थी नाम सुमन चौबे पत्नि अविनाश चन्द्र चौबे जाति....
विवाद स्थान 6912 केलगरी आई अस्पताल परिसर मालवीय नगर जयपुर
मृतक......... की सम्पत्ति के विषय में।
पेशी दिनांक- 19.05.2025
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त प्रार्थी/प्रार्थीगण ने इस न्यायालय में इस आशय का प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है कि मृतक, नाम अविनाश चन्द्र चौबे पुत्र पन्ना लाल चौबे जाति... निवासी 179 विनोबा विहार मालवीय नगर जयपुर का उत्तराधिकारी स्वीकार कर उसके पक्ष में उत्तराधिकार प्रमाण पत्र, प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन, प्रदान किया जावें।
अतः उक्त प्रार्थना-पत्र की स्वीकृति में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह इस न्यायालय में दिनांक 19 माह 05 सन् 2025 को न्यायालय में उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रमाण सहित प्रस्तुत करें। उक्त दिवस के पश्चात् कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।
आज दिनांक 16 माह 04 सन् 2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय मुद्रांकन से जारी किया गया।
आज्ञा न्यायालय से-वरिष्ठ मुंसरिम
जिला एवं सैशन न्यायालय
जयपुर महानगर-प्रथम
मोहर अदालत

हैतुक दर्शित करने के लिए सूचना
(साधारण प्रारूप)
व्यवहार प्रक्रिया संहिता पहली अनुसूची
संख्यांक 4
न्यायालय ACJM साहब स्थान सांभर लेक
प्यारे किशन विरुद्ध ओम प्रकाश वगै.
वाद/प्रार्थना पत्र अस्थाई निषेधाज्ञा
प्रार्थना पत्र संख्या 05 सन् 2025
नाम (1) मनभर देवी पत्नी स्व.रामेश्वर लाल शर्मा (2) भागचन्द शर्मा पुत्र स्व.रामेश्वर लाल शर्मा (3) राजेश कुमार शर्मा (4) कान्ता देवी (5) सीमा शर्मा पुत्र व पुत्रीयां स्व.रामेश्वर लाल शर्मा जाति शर्मा पता 17, आदर्श बाजार, बरकत नगर, टोंक फाटक, गली नं.17, शर्मा किराणा स्टोर, जयपुर जिला जयपुर राजस्थान
उक्त प्रार्थी ने इस न्यायालय में यह आवेदन किया है कि नकल संलग्न है।
अतः आपको चेतावनी दी जाती है कि आप उस आवेदन के विरूद्ध हैतुक दर्शित करने के लिए दि.05 माह 05 सन् 2025 को 7.30 बजे पूर्वान्ह में या अपने प्लीडर द्वारा जिसे सम्यक रूप से अनुदेश किया गया हो, उपसंजात हो। यदि आप ऐसा करने में असफल रहेंगे तो उक्त आदेश की सुनवाई और उसका निपटारा एक पक्षीय रूप से किया जाएगा।
यह आज ता.17 माह 04 सन् 2025 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दी गई।
आज्ञा से-प्रस्तुतकार
वरिष्ठ सिविल न्यायालय
अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट
सांभर लेक जिला जयपुर
मोहर अदालत

विवाद्यकों के स्थिरीकरण के लिए सम्मन
(आदेश 5 के नियम 1 और 5)
न्यायालय ACJM साहब स्थान सांभर लेक
प्यारे किशन विरुद्ध ओमप्रकाश वगै.
वाद बाबत संविदा की विशिष्टपालना व स्थायी निषेधाज्ञा
वाद सं. 04 सन् 2025
(1) मनभर देवी पत्नी स्व.रामेश्वरलाल शर्मा (2) भागचन्द शर्मा (3) राजेश कुमार शर्मा (4) कांता देवी (5) सीमा शर्मा समस्त पुत्र व पुत्रीयां स्व.रामेश्वर लाल शर्मा R/o 17, आदर्श बाजार, बरकत नगर, टोंक फाटक, गली नं.17, शर्मा किराना स्टोर, जयपुर राजस्थान
वादी ने आपके विरूद्ध दावा के लिए वाद पंजीयत किया है। आपको इस न्यायालय में तारीख 05 माह 05 सन् 2025 को दिन में 7.30 बजे दावे का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये वचन दिया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते हैं जिसे सम्यक अनुदेश दिए गये हों और जो इस वाद से सम्बन्धित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित साक्ष्य दाखिल करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे में या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या दाखिल/सुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित है। और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर, चाहे वह आपके कब्जे व शक्ति में हो अपना प्रतिरक्षा या मुजराई के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते हैं तो आप ऐसी दस्तावेजों को उल्लिखित समय के बाद उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ट करें। आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।
यह वाद ता. 17 माह 04 सन् 2025 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।
आज्ञा से-प्रस्तुतकार
वरिष्ठ सिविल न्यायालय
अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट
सांभर लेक जिला जयपुर
मोहर अदालत

'सेवा करने से दिल को सुकून मिलता है'

मनोहरपुर । डॉक्टर रिजवान अहमद वरिष्ठ यूनानी डॉक्टर, राजकीय यूनानी अस्पताल ताला ने कहा कि हजरत बुर्हानुद्दीन चिश्ती बाबा के आए हुए जायरिनों की सेवा करने से दिल को सुकून मिलता है – यह शब्द डॉक्टर रिजवान अहमद ने मेले में अपनी ड्यूटी के दौरान मरीजो को देखने के बाद में कहे ! डॉक्टर रिजवान अहमद ने कहा कि मीठे बोल व मधुर व्यवहार से बीमार जल्दी ठीक हो जाते है ! उन्होंने अपने अधीनस्थ कर्मचारियों को कहा कि जिस क्षेत्र में आप काम कर रहे हो मरीज आपको भगवान के रूप में देखता है मरीज बीमारी के कारण परेशान होता है ऐसे में मरीजो के साथ मे अच्छा व्यवहार हो सरलता और सौम्यता (मीठे बोल के साथ मधुर व्यवहार) से आधी बीमारी ख़त्म हो जाती है उन्होंने कहा कि अक्सर डॉक्टर 10 – 12 घण्टे की ड्यूटी के अलावा भी कई घण्टे अतिरिक्त ड्यूटी देते है उन्होंने कई मरीजो को देखा व मधुर व्यवहार से उनका इलाज किया इस पर जायरिनों ने डॉक्टर व उनके स्टाफ का शुक्रिया अदा किया।

मरम्मत व जीर्णोद्धार के लिए 4.50 करोड़ की राशि स्वीकृत

- विधायक कुलदीप धनकड की अनुशंसा पर मुख्यमंत्री राजस्थान सरकार भजनलाल शर्मा व जल संसाधन मंत्री सुरेश रावत द्वारा 4.50 करोड़ की राशि स्वीकृत की गई है, जिससे शिवनगर जोहड़ व एनिकेट का मरम्मत व जीर्णोद्धार का कार्य करवाया जाएगा

पावटा। किसानों की आय बढ़ाने व कृषि के बेहतर उत्पादन के उद्देश्य से विराटनगर विधान सभा क्षेत्र की पावटा प्रागपुरा नगरपालिका के शिवनगर खारवाली जोहड़ व एनिकेट मरम्मत व जीर्णोद्धार के लिए विधायक कुलदीप धनकड की अनुशंसा पर मुख्यमंत्री राजस्थान सरकार भजनलाल शर्मा व जल संसाधन मंत्री सुरेश रावत द्वारा 4.50 करोड़ की राशि स्वीकृत की गई है। जिससे शिवनगर खारवाली जोहड़ व एनिकेट का मरम्मत व जीर्णोद्धार का कार्य करवाया जाएगा।

वही विधायक कुलदीप धनकड की अनुशंसा पर मुख्यमंत्री राजस्थान सरकार भजनलाल शर्मा द्वारा कृषि विपणन द्वारा मंडी समिति के अंतर्गत नवीन संपर्क सड़क भोजावास संस्कृत स्कूल एमडीआर रोड से वीर तेजाजी नगर वाया बडपीपली की ढाणी, कुई की ढाणी तक 3 किलोमीटर लंबी सड़क के निर्माण कार्य के लिए 1करोड़ 47 लाख 80 हजार की प्रशासनिक व वित्तीय स्वीकृति जारी की गई। इस दौरान विधायक कुलदीप धनकड ने कहा कि शिवनगर खारवाली जोहड़ व एनिकेट के मरम्मत व जीर्णोद्धार से पानी व्यर्थ नहीं बहेगा और किसानों को राहत मिलेगी।

वही बीते कई सालों से जर्जरहाल आंतरिक सड़कों के कारण व्यापारियों के साथ ही गांवों से अपनी उपज लेकर आने वाले किसानों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा था।

विधायक धनकड ने कहा कि एक जनप्रतिनिधि का यह दायित्व होता है कि वह अपने क्षेत्र, वहां की जनता के विश्वास पर खरा उतरे, उनसे मिलकर उनकी समस्याओं का निराकरण करें, क्षेत्र का विकास करे। इसलिए जनसुनवाई के माध्यम से ऐसे प्रयास हम करते रहेंगे, जनता के बीच जाकर उनकी समस्याओं को सुनने व उसके निवारण के लिए हम कार्य करते रहेंगे।

क्षेत्र के विकास एवं जनहित से जुड़े हर विषय को लेकर हम संवेदनशील हैं और उसका समाधान करना ही हमारा उद्देश है। इसके लिए भाजपा पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं सहित ग्रामीणों ने विधायक कुलदीप धनकड, मुख्यमंत्री राजस्थान सरकार भजनलाल शर्मा,जल संसाधन मंत्री सुरेश रावत का आभार व्यक्त किया।

बाबा जाटड़े वाले महाराज का विशाल मेला भरा, कुश्ती दंगल का हुआ आयोजन

कुस्ती में दाव पेच लड़ाते पहलवान।

- संजय जैलाफ ने जीती 51 हजार रूपये की कामड़े की कुश्ती

कोटपूतली। कस्बे के निकटवर्ती ग्राम कल्याणपुरा खुर्द में श्री श्री 1008 श्री बाबा जाटड़े वाले महाराज का विशाल वार्षिक मेला शुक्रवार को बड़े ही धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ आयोजित हुआ। इस मौके पर प्रातरू 07 बजे बाबा की विशाल शोभा यात्रा व कलश यात्रा निकाली गई। इससे पूर्व 17 अप्रैल गुरूवार को सुन्दरकाण्ड पाठ व जागरण का आयोजन हुआ। शुक्रवार दोपहर को विशाल मेला व कुश्ती दंगल का आयोजन हुआ। जिसमें 51 हजार रूपयों की कामड़े की कुश्ती संजय जैलाफ व विकास टोडिया का बास के मध्य हुई। जिसमें संजय जैलाफ ने बाजी मारी। मेले में आसपास के गांवों के लोगों ने आनंद लिया। वहीं श्रद्धालुओं ने मंदिर में धोक लगाकर खुशहाली की कामना की। मेले में बच्चों व महिलाओं ने जमकर खरीददारी की। रात्रि को शिम्भू म्हासी मुसनौता, मक्खन म्हासी बंध की ढ़ाणी, मुकेश म्हासी जमालपुर व लालचंद म्हासी लाखा का नांगल आदि द्वारा धमाल की प्रस्तुती दी गई। इस दौरान पूर्व विधायक रामचंद्र , मालीराम कम्पाउंडर, सेडूराम कसाना, सरपंच घीसाराम, कैलाश कम्पाउंडर, डॉ. विकास गुर्जर, डॉ. श्याम सुंदर शर्मा, डॉ. सीना मीणा, डॉ. अशोक भ्रमर, सुरेश दिल्ली पुलिस, खैरूराम, छीतरमल, रामस्वरूप सरपंच, हंसराज चेयरमैन, रामावतार कसाना, दाताराम पटवारी, ओमप्रकाश हवलदार, रामकुमार जिला पार्षद, एक्सईएन दीपक मीणा समेत अन्य मौजूद रहे।

जानलेवा हमला करने का मामला करवाया दर्ज

दूदू । स्थानीय पुलिस थाने में भाजपा जिला परिषद सदस्य एवं पंचायत समिति उप प्रधान द्वारा एक दूसरे पर जानलेवा हमला करने का मामला दर्ज कराया पंचायत समिति दूदू उप प्रधान भाजपा कैलाश जाट ने रिपोर्ट दर्ज कराई की न 48 से दूदू द्वारा था इस दौरान रास्ते में एक एस यू वी गाड़ी में सवार कुछ लोगों ने उनकी गाड़ी के आगे ब्रेक लगाकर रास्ता रोक दिया पश्चात गाड़ी में सवार लोगों द्वारा सरियों से हमला बोल दिया के दौरान जाट के पैर व कंधों पर चोट आई साथ ही जाट ने सोने की चेन गाड़ी में रखे दस्तावेज वह नकदी छीनकर ले जाने का आरोप भी लगाया है वहीं दूसरे पक्ष में जिला परिषद सदस्य भाजपा दूदू भवरलाल चौधरी द्वारा कैलाश जाट पर तीन बार जानलेवा हमला करने का मामला दर्ज कराया तथा बताया कि 14 अप्रैल की शाम को जानलेवा हमला करने की वारदात के दौरान पीठ पर धारदार वस्तु से हमला बोलकर जान से मारने की धमकी दी गई दूसरे दिन भंवर लाल के घर पहुंच कर लोगों द्वारा पथराव किया जाकर मकान का दरवाजा तोड़ दिया गया पुलिस ने पहुंचकर बचाया बुधवार को जब भंवरलाल डिप्टी ऑफिस के बाहर से जा रहा था के दौरान फिर हमला बोल दिया गया मौके पर पुलिस उपाधीक्षक दीपक खंडेलवाल थाना निरीक्षक मुकेश कुमार ने पहुंचकर मामला शांत कराया तथा कुछ लोगों को शांति भंग के आरोप में हिरासत में लिया प्रकरण की सूचना उच्च अधिकारियों को मिलने के बाद पुलिस अधीक्षक ग्रामीण जयपुर आनंद शर्मा ने दूदू पहुंच कर प्रकरण की जानकारी तथा दोनों पक्षों को समझाने का प्रयास किया घटना के बाद पुलिस थाना परिसर में पुलिस जाब्ता मौजूद रहा।

आम सूचना मेरे अभिभाष्य श्री गणेश राम सारण पुत्र श्री राम लाल सारण, निवासी-सारणों की ढ़ाणी, सिनोदिया, खातवारी खुर्द, जयपुर, राजस्थान के स्वामित्व की अचल सम्पत्ति प्लाट नंबर 24, बालाजी विहार-8, किशोरपुरा, नियर हाथोज, कालवाड़ रोड़, जयपुर, राजस्थान का दक्षिणी भाग मय निर्माण छत सहित स्थित है, उक्त वर्णित प्लाट का बेचान मेरे अभिभाष्य ने दिनांक 24.03.2025 को जरिये एक पंजीबद्ध विक्रय पत्र द्वारा श्रीमती प्रियका पत्नि श्री कपिल कुमार को कर दिया है, उक्त वर्णित आवासीय अचल सम्पत्ति के चैन दस्तावेजात् में दिनांक 09 नवम्बर 2022 ईस्वी को निष्पादित मूल विक्रय पत्र दिनांक 12.04.2025 को फुलेरा मेन बस स्टेण्ड, एचडीएफसी बैंक के पास, जिला जयपुर में गिर गया है, जिसकी पुलिस में गुमशुदगी रिपोर्ट नम्बर 2738707/2025 आनलाईन मेरे अभिभाष्य ने दर्ज करवा दी है। उक्त वर्णित प्लाट का दिनांक 09 नवम्बर 2022 को निष्पादित मूल विक्रय पत्र किसी भी व्यक्ति, संस्था, दीगर को मिलता है, तो मुझसे सम्पर्क करें।
जयपुर दिनांक 18/4/2025
देवेन्द्र कुमार शर्मा (एडवोकेट) मोबाईल न. 9414788265

आम सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्थान आवासन मण्डल, जयपुर की योजना में फ्लैट नम्बर एम ए-2/209, एम आई जी-ए, सैक्टर 29, प्रताप अपार्टमेन्ट, प्रताप नगर जयपुर की आवासीय योजना का अलॉटमेंट लैटर नम्बर 1697 दिनांक 18.11.2011 एवं संशोधित अलॉटमेंट लैटर दिनांक 20.03.2012 जो कि राम कौरी के नाम से था। वो खो गया है। जिसकी रिर्पोट एल आर नम्बर 2673498/ 2025 दर्ज करा दी गई है। उक्त सम्पति के सम्बंध में प्रीति सिंह जाटव ने एस.बी.आई. मे लोन हेतु आवेदन किया है यदि किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन तिथी से 7 दिवस में सम्पर्क करें।
(आर.के.जैन), एड्वोकेट R/152/1997 मो. 9414311580

पेयजल संकट से निपटने के लिए राज्यमंत्री संजय शर्मा ने खुदवाएं दर्जनों ट्यूबवेल

- अलवर मे पहली बार जिला कलक्टर आर्तिका शुक्ला ने सम्भाली धरातल पर उतकर कमान

अलवर । पिछले कई सालों से अलवर में लगातार पानी के मचा हाहाकार आखिर कब थमेगा इसका उत्तर शायद किसी के पास ना हो क्योंकि पिछली कई सालों से अलवर में त्राहिमाम मचा हुआ है लेकिन इसका कोई स्थाई समाधान किसी ने नहीं सोचा क्योंकि राजनेता अपने वोट बैंक की खातिर जल संचय क्षेत्रों जैसे तालाब,बांध सहित अन्य जगहों पर अतिक्रमण होता अपनी खुली आंखों से देखते रहे वही जल संसाधन विभाग के अधिकारी भी जनता की खरी खोटी सुनने से बचने के लिए कभी जनता को आफिस में नही मिलते जिसके चलते आज तक अलवर में त्राहिमाम मचा हुआ है अब भाजपा सरकार व जिला कलक्टर आर्तिका शुक्ला की सूझबूझ से पानी की समस्याओं से लोगों कुछ निजात मिली है लेकिन यह अभी उंट के मुंह में जीरा समान है।

अलवर के मुख्य पेयजल श्रोत्र जिले के 22 बांधरहे है जिनमें मानसून के समय पानी की खूब आवक होती रही जिससे लोगों को पेयजल की समस्या से कभी जूझना नही पडा लेकिन जैसे जैसे समय बीतता गया और अलवर की आबादी बढने के साथ लोगों में अपना मकान बनाने की लालसा जागी तभी से भूमाफियाओं ने जगह-जगह अतिक्रमण करते हुए पानी के बहाव के रास्तों पर अपने मकान बना लिए जिससे पानी की आवक बंद हो गई। यहां उल्लेखनीय है कि कभी पानी से लबालब रहने वाली जयसाबंध झील आज सूखी पड़ी है यह वह ऐतिहासिक झील है जिसमें कभी नोका चलती थी और इसका प्रमाण 1968 में बनी नीलकमल फिल्म में देखने को मिल जाता है। झीलों व बांधों के बहाव क्षेत्रों पर हुआ कब्जा अलवर के सिलीसेढ़ बांध से आने वाले पानी से शहर की लाल डिग्गी को भरा जाता था एवं उससे आने वाली नहर से कंपनी बाग की सिंचाई तक होती थी लेकिन अब वह पानी आना बंद है। इसी प्रकार जयसाबंध झील के सूखने का कारण भी यहां होने वाले अतिक्रमण है इसी प्रकार अलवर शहर में एक बडा तालाब जिसे जेत सागर के नाम से जाना जाता था उस पर आज बहुत बडी कॉलोनी बसी हुई है। अलवर की राजनीति ने भी इस संकट में बडी भागीदारी निभाई है क्योंकि भू माफियाओं ने अवैध प्लाटिंग करके इन क्षेत्रों में बेच दी और इनपर जब भवन बने तो जिम्मेदार अधिकारियों की नजने उन तक पहुंची लेकिन वोट की राजनीति के चक्कर में यहां बडी कालोनिया बस गई जिन्हें हटाना अब प्रशासन ही क्या सरकार के बस में ही रहा।

भाजपा सरकार सरकार लाई ईआरसीपी योजना : भाजपा सरकार ने ईआरसीपी योजना लाकर अलवर वासियों को कुछ आस बंधा दी लेकिन यह योजना आने में अभी समय लगेगा लेकिन तब तक लोगों को पेयजल कैसे मिलेगा इसके लिए शहर विधायक एवं राज्य मंत्री ने अनेकों ट्ययूबवेल मंजूर करे जिनमें अनेको ट्ययूबवेल लोगों की प्यास बुझाने भी लगे है तो कही यह का प्रगति पर है। वही मंत्री संजय शर्मा सिलीसेढ़ से पानी दो नहरो के जरिए लाने की तैयारी में लगे है इसके लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी गई है जो जल्दी ही धरातल पर उतरेगी।

पहली बार किसी जिला कलक्टर ने धरातल पर उतर कर सम्भाली पेयजल की कमान जिला कलक्टर आर्तिका शुक्ला शहर मे पेयजल के लिए मॉनिटरिंग कर रही है जिसका फायदा अब लोगों को मिलने लगा है।

कार्यालय ग्राम पंचायत छान्देल कलां पं.स. कोटखावदा (जयपुर)
क्रमांक-ग्रा.पं./2024-25/ई-निविदा/02 दिनांक 15.04-2025
ई-निविदा सूचना 01/2025-26
पंचायत समिति कोटखावदा के ग्राम पंचायत छान्देल कलां में sfc+ffc क्षेत्र विकास कार्यकम् के अन्तर्गत 20.00 लाख का 4 कार्य स्वीकृत है। कार्यो को सम्पादित कराने हेतु पंचायतराज अधिनियम 1996 के नियम 181 (2) के अन्तर्गत तथा राजस्थान लोक उपापन पार्दर्शिता नियम 2013 के अनुसार राज्य सरकार के अधिकृत संगठनों में पंजीकृत सक्षम श्रेणी के संवेदकों से ई-टेंडरिंग प्रक्रिया द्वारा निविदायें निम्नानुसार आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बंधित समस्त जानकारी कार्यालय समय में एवं राजस्थान उपापन पोर्टल https:/spp.rajasthan.gov.in एवं https:/eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है। निविदाएं ऑनलाईन प्राप्त करने एवं अपलोड करने की दिनांक 17/04/2025 से 24/04/2025 को प्रातः 11.00 बजे तक रहेगी।
NIB-ZJP2526A0078
UBN-ZJP2526WSOB00096 TOZJP2526WSOB00101
सरपंच — ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत छान्देल कलां — ग्राम पंचायत छान्देल कलां

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी नगरपालिका किशनगढबास, खैरथल तिजारा
क्रमांकः-128 **लोक सूचना** दिनांकः-17-04-2025
प्रारूप-10 नियम 6 (7) देखिए
आवेदक खातेदार श्रीमती प्रज्ञा यादव पुत्री श्री भुपेन्द्र यादव व श्रीमती बबीता यादव पत्नि श्री भुपेन्द्र यादव निवासी मकान संख्या 191, सी 2. कुन्दन नगर अजमेर तथा श्रीमती शुभा यादव पत्नि श्री रमन यादव निवासी मकान स. सी-167, लाजपत नगर दिल्ली साउथ दिल्ली ने इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का गैर कृषिक प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिये आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात्

जिले सहित तहसील का नाम	ग्राम का नाम	खसरा नं.	क्षेत्र
खैरथल, खैरथल तिजारा	हल्का पटवार नूरनगर	856/746	0.4750 है०

इसलिये, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90 क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिये भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 07 दिवस के भीतर भीतर कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजो के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा।
उपर्युक्त नियत समय के भीतर भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तदनुसार मामले का निपटारा किया जावेगा।
यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मोहर के अधीन आज 17.04.2025 को जारी की गयी।
प्राधिकारी अधिकारी, नगरपालिका किशनगढ़बास

संक्षिप्त

पुण्यतिथि समारोह रविवार को

अलवर। श्री श्री 1008 महात्मा मोहनदास उर्फ सेवादास जी के शिष्य महात्मा लक्ष्मण दास जी महाराज का द्वितीय पुण्यतिथि समारोह आगामी दिनांक 20 अप्रैल 2025 रविवार को बाबा के समाधि स्थल भूरा सिद्ध अलवर पर मनाया जायेगा। समिति प्रचार मंत्री महेन्द्र सैनी बताया कि इस कार्यक्रम के तहत दिनांक 20 अप्रैल 2025 रविवार को प्रात: 8 बजे भूरा सिद्ध स्थित बाबा की समाधि स्थल पर पुष्पांजलि अर्पित की जायेगी तथा सुन्दरकाण्ड का पाठ किया जायेगा। सुन्दरकाण्ड समापन के पश्चात प्रसाद वितरित किया जायेगा। सभी सामाजिक बंधुओं एवं सामाजिक संस्थाओं से निवेदन है कि अधिक से अधिक संख्या में पधार कर पुण्यतिथि समारोह को सफल बनाने में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करे।

मारपीट करने के दो मामले दर्ज

निवाई। स्थानीय पुलिस थाने में एक महिला सहित मारपीट करने के दो अलग-अलग मामले दर्ज हुए है। थानाधिकारी रामजीलाल बैरवा ने बताया कि लोधा की ढाणी निवासी महेन्द्रसिंह ने मामला दर्ज करवाया है कि उसकी पत्नि व उसके साथ आरोपी हरिसिंह, बलवीर, धर्मा, ममता व गोरधनी आए दिन गाली गलौच करते है व मारपीट करते है। शुक्रवार को सभी आरोपियों ने एक राय होकर उन पर जानलेवा हमला कर दिया। उन्होंने आरोपियों को गिरफ्तार करने का मामला दर्ज करवाया है। उन्होंने बताया कि इसी प्रकार गांव हिंगोटिया निवासी बंशीलाल शर्मा ने मामला दर्ज करवाया है कि पुरानी रंजिस को लेकर शुक्रवार को सुबह करीब 9 बजे आरोपी सत्यनारायण शर्मा व रामकल्याण पुत्र गोपीलाल शर्मा निवासी हिंगोटिया ने उसकी बाईक पर ट्रैक्टर चढाकर उसको जान से मारने की कोशिश की। उन्होंने शीघ्र आरोपितों को गिरफ्तार करने व कार्रवाई करने का मामला दर्ज करवाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

विचारगोष्ठी की तैयारी को लेकर बैठक आज

टोक। भारतीय जनता पार्टी निवाई पीपलू विधान सभा द्वारा सम्मान अभियान के तहत नगर निकाई स्तर पर 24 अप्रेल को डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी सामुदायिक भवन नगर पालिका निवाई में विचार गोष्ठी का आयोजन किया जायेगा। जिसमे मुख्य वक्ता के रूप में राजस्थान भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौर रहेगें। जिसको लेकर आज डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी समुदायिक भवन नगर पालिका निवाई में बैठक का आयोजन किया जायेगा। जिसमें निवाई पीपलू विधानसभा के समस्त वर्तमान व पूर्व मण्डल अध्यक्ष, समस्त मोर्चा के मण्डल अध्यक्ष, चेयरमेन, वाईस चेयरमेन, डी.आर, सी.आर, प्रधान, उपप्रधान, पार्षद व निवाई विधानसभा के कार्यकर्ता व पदाधिकारी मौजूद रहेगे तथा जिलाध्यक्ष चन्द्रवीर सिंह चौहान व निवाई विधायक रामसहाय वर्मा भी बैठक को सम्बोधित करेगे।

तीरंदाजी संघ का चेयरमेन बनने पर दी बधाई

निवाई। राजस्थान तीरंदाजी संघ के प्रदेशाध्यक्ष दीपेंद्रसिंह खंगारोत ने संघ का चेयरमेन बनने पर राज्य के गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम से मुलाकात कर पुष्प गुच्छ भेंटकर बधाई एवं शुभकामनाएं दी। इस दौरान उन्होंने राज्य में तीरंदाजी को बढ़ावा देने के लिए विस्तार से चर्चा की। तीरंदाजी के लिए 1 वर्ष की विशेष कार्य योजना बताई। गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह ने प्रदेशाध्यक्ष दीपेंद्रसिंह को प्रदेश में तीरंदाजी को चरम पर लाने के लिए प्रयास करने का आश्वासन दिया। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि केंद्र व राज्य सरकार से अधिक से अधिक सहयोग दिलवाया जाएगा।

कलश यात्रा का शुभारंभ

निवाई। गांव रजवास में देवधाम में दो दिवसीय शिव पंचायत प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव का कलश यात्रा के साथ शुभारंभ हुआ। पं. आचार्य मुकेश कुमार शास्त्री के सानिध्य में कलश यात्रा निकाली गई। कलश यात्रा में 51 महिलाओं ने कलश सिर पर धारण कर मंगल गीत गाते हुए रवाना हुई। इस दौरान शिव पंचायत को नगर भ्रमण करवाया गया। जुलूस रघुनाथ मंदिर, चतुर्भुज मंदिर, मुरली मनोहर मंदिर, लक्ष्मीनाथ मंदिर व गोपाल मंदिर होती हुई श्री देव धाम मंदिर पहुंची।

ईडी की दुर्भावनापूर्ण कार्यवाही के विरोध में कांग्रेस ने किया विरोध प्रदर्शन

पावटा। यूपीए चेयरपर्सन सोनिया गांधी और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा चार्जशीट दाखिल किए जाने को लेकर राजस्थान कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार ब्लॉक स्तर पर विरोध दर्ज करवाने हेतु ब्लॉक कांग्रेस कमेटी विराटनगर व पावटा के तत्वाधान में कांग्रेस पूर्व विधायक इंद्राज गुर्जर , पावटा ब्लॉक अध्यक्ष महादेव यादव व विराटनगर ब्लॉक अध्यक्ष महेंद्र रातावाल के नेतृत्व में विरोध व धरना प्रदर्शन किया गया।

पावटा में सुभाष चौक व विराटनगर में हनुमान जी की बगीची बस स्टैंड पर धरना देकर कांग्रेस ने ईडी की कार्यवाही का विरोध किया व ईडी व मोदी की शव यात्रा निकालकर पुतला दहन किया। इस दौरान कांग्रेस नेताओं, कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस नेताओं ने केंद्र सरकार पर राजनीतिक प्रतिशोध और लोकतंत्र को कमजोर करने के गंभीर आरोप लगाए।

पावटा, विराटनगर में कांग्रेसियों ने मोदी का पुतला दहन किया।

प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस जनों ने सरकार के खिलाफ नारेबाज़ी की और ईडी की कार्रवाई को तानाशाही मानसिकता का परिचायक बताया। पूर्व विधायक इंद्राज गुर्जर ने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार विपक्ष की आवाज़ को दबाने के लिए ईडी का मनमाने तरीके से इस्तेमाल कर रही है। उन्होंने कहा कि सोनिया गांधी और राहुल गांधी पर आरोप जनता की आवाज़ को कुचलने का प्रयास है, क्योंकि वे सत्ता से सवाल करने का

- सोनिया गांधी, राहुल गांधी के खिलाफ ईडी की चार्जशीट केंद्र का षड्यंत्र

साहस रखते हैं। विधायक इंद्राज गुर्जर ने कहा कि यह भाजपा का षड्यंत्र है, भारतीय जनता पार्टी ईडी को इलेक्शन डिपार्टमेंट बना रही है।

भाजपा सरकार अपनी विफलताओं से जनता का ध्यान हटाना चाहती है। तब वह ईडी, सीबीआई, आईटी जैसी जांच एजेंसियों को विपक्षियों को डराने का हथियार बना रही है। धरना व विरोध प्रदर्शन में रामनिवास यादव,सरपंच शीशराम दायमा, दिनेश यादव जिला पार्षद, रोशन धनकड़, अजय सैनी, रामजीलाल यादव, पूर्व नगर अध्यक्ष सुरेश शर्मा, कैलाश अग्रवाल छिंतोली वाले, मंडल अध्यक्ष सुनील बिरला, दशरथ यादव, मनोज अग्रवाल, पूर्व सरपंच सागरमल, जिला पार्षद हरफुल कसाना, करण पंसारी, राजीव डहरवाल, महेश बैराठी, मालीराम बाडीगर, रिजवान कुरैशी, श्याम शर्मा, मनोज सोनी, सुदामा यादव, करतार सिंह शेखावत, गणेश सैनी, रामेश यादव, मुकेश स्वामी, विकास वर्मा, अमित चौहान, सीताराम सिंघल, रतिराम यादव, विजय राठी, रामचंद्र भोजावास, सुरेश यादव, इरफ़ान कुरैशी, राजेंद्र पारीक, रामवतार टेपण सहित वक्ताओं ने कहा कि ईडी का दुरुपयोग कांग्रेस नेताओं के खिलाफ किया जा रहा है, जो लोकतंत्र के लिए खतरनाक है। कार्यकर्ताओं ने चेतावनी दी कि यदि ईडी की कार्यशैली में बदलाव नहीं आया तो कांग्रेस जन देशभर में सड़कों पर उतरकर बड़ा जन आंदोलन खड़ा करेंगे।

'प्यासे पक्षियों की प्यास को बुझाना पुण्य का कार्य है'

मनोहरपुर। जेवीवीएनएल शाहपुरा के अधिशाषी अभियंता श्री सुरेश चन्द्र गर्ग ने कहा कि झुलसा देने वाली सूर्य की किरणें व आग की तरह धधकती हुई जमीन से उमस बनती है और इससे ब्लडप्रेशर कम व अधिक होता है ऐसे में प्यास और तेज लगती है अगर समय पर पानी नही मिले तो पक्षी तड़प तड़प कर मर जाते है ऐसे में प्यासे पक्षियों की प्यास को बुझाने के लिए परिंडे को लगाकर पुण्य का कार्य करे, यह शब्द गर्ग ने जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड शाहपुरा के अधिशाषी अभियंता कार्यालय के प्रांगण में परिंडा लगाने के बाद में उपस्तिथ कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहे ! गर्ग ने कहा कि जीवन अनमोल है लापरवाही से बचकर रहना हैं।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने राज्यपाल के नाम थाना अधिकारी को ज्ञापन सौंपा

फुलेरा । कस्बे में शुक्रवार को कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने ब्लॉक अध्यक्ष पुष्पा मेघवाल के नेतृत्व में फुलेरा थानाधिकारी श्रवण कुमार को राज्यपाल के नाम एक ज्ञापन सौंपा गया।

ज्ञापन में बताया कि केन्द्र सरकार एवं प्रवर्तन निदेशालय ईडी का दुरुपयोग करते हुए हमारे शीर्ष नेता राज्यसभा सांसद सोनिया गांधी तथा नेता प्रतिपक्ष लोकसभा राहुल गांधी सहित अन्य नेताओं पर दुर्भावना पूर्ण तरीके एवं प्रतिशोध की भावना रखते हुए नाजायज तरीके से उन्हें परेशान करने हेतु बुनियाद आरोप लगा रही है। इसके चलते हम कार्यकर्ता आपके माध्यम से केन्द्र सरकार से यह कहना चाहते हैं कि हमारे

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने ब्लॉक अध्यक्ष पुष्पा मेघवाल के नेतृत्व में फुलेरा थानाधिकारी श्रवण कुमार को राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा।

नेताओं पर प्रतिशोध की भावना से किये जा रहे कार्यों के खिलाफ पूरे देश में कांग्रेस कार्यकर्ता सहित अन्य जनमानस केन्द्र सरकार के इस कृत्य के खिलाफ है। साथ ही हम इस पत्र के माध्यम से अपना रोष प्रकट करते है, तथा गैर कानूनी तरीके से किये जा रहे कृत्य के विरुद्ध आप संविधान की रक्षा के लिए तथा संविधान का पालन करते हुए ईडी की इस कार्रवाई को तुरन्त रुकवाने का आग्रह करते है।

इस अवसर पर ब्लॉक महामंत्री अलिमुद्दीन जोया, फुलेरा कांग्रेस अध्यक्ष अमर चन्द सैनी, संगठन महामंत्री शैलेन्द्र शर्मा, सांभर कांग्रेस अध्यक्ष कमल शुक्ला, सीपी व्यास नरैना से रंजीत सारसर, जितेन्द्र अग्रवाल, पालिका उपाध्यक्ष योगेश सैनी, विद्यासागर शर्मा, दयानन्द चौधरी, मनोज कुलहरी, विष्णु सोनी, लतीफ कुरैशी, वेद प्रकाश वर्मा, आसिफ अली, गणेश बिजारणीय, पांचूलाल वर्मा, मुकेश शर्मा, अनीता राजोरिया सहित अन्य कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

नौ कुण्डीय महायज्ञ में जनप्रतिनिधियों ने आहुतियां दी

श्रीमाधोपुर । गढ़टकनेत ग्राम पंचायत की बड़ी ढ़ाणी रामसागर जोहड़ा स्थित श्री बालाजी महाराज के मंदिर में 15 अप्रेल से चल रहे नौ दिवसीय एवं नौ कुण्डीय श्री मारुति महायज्ञ के चौथे दिन शुक्रवार को नौ कुंडों पर बैठे दस जोड़ों के अलावा अनेकानेक विशिष्टजनों एवं जन प्रतिनिधियों ने भी हवन में आहुतियां देकर पुण्य कमाया । नौ कुण्डों पर श्रवणलाल रुण्डला एवं उनकी धर्मपत्नी श्रवणी देवी, रतनलाल रुण्डला एवं उनकी धर्मपत्नी अंकिता देवी, जवाहरलाल दूधवाल एवं उनकी धर्मपत्नी रुकमा देवी, शिम्भुदयाल कलवानिया एवं उनकी धर्मपत्नी मोहनी देवी, हरलाल कलवानिया एवं उनकी धर्मपत्नी तीजा देवी, श्रीराम जांगिड़ एवं उनकी धर्मपत्नी मीरा देवी, श्यामलाल जांगिड़ एवं उनकी धर्मपत्नी मिश्री देवी, श्यामलाल सैनी एवं उनकी धर्मपत्नी फूली देवी,रामसिंह नटवाड़िया एवं उनकी धर्मपत्नी विमला देवी और रामकिशोर नटवाड़िया एवं उनकी धर्मपत्नी हंसा देवी के रुप में दस जोड़े बैठे हैं और चल रहे महायज्ञ में अपनी- अपनी आहुतियां दें रहे हैं । महाराज श्री प्रधान कुंड पर अपनी आहुतियां दें रहे हैं।आज

- नौ दिवसीय एवं नौ कुण्डीय श्री मारुति महायज्ञ के चौथे दिन जन प्रतिनिधियों ने हवन में आहुतियां दी

शुक्रवार के शुभ दिन श्री बालाजी महाराज मंदिर के महायज्ञ परिसर में अजीतगढ़ पंचायत समिति प्रधान एडवोकेट शंकरलाल यादव का भी आगमन हुआ ।

यादव ने भी चल रहे होम-हवन में आहुतियां देकर अपनी आध्यात्मिक आस्था प्रकट की। बाढ़ावाली ढ़ाणी के एडवोकेट जालिम सिंह के साथ-साथ मदनलाल पारीक, पूरणमल रुण्डला एवं बजरंगलाल ने भी चल रहे महायज्ञ में अपनी आहुतियां दी।महायज्ञ यज्ञाचार्य पण्डित रतनलाल लाटा एवं उनकी 15विद्वान पण्डितों की टीम विधि-विधान से महायज्ञ करवाने में जुटी हुई है वहीं महायज्ञ कमेटी के सदस्यगण व्यवस्थाओं में कोई कोर कसर नहीं आने दे रहे हैं।श्री बालाजी मंदिर के संत टीला द्वाराचार्य महामण्डलेश्वर श्री श्री 1008 श्री हरिदास जी महाराज का ही पुण्य-प्रताप है कि उन्होंने इस श्री मारुति महायज्ञ का बीड़ा उठाया और पूरी बस्ती को चेतनामय कर दिया। आसपास की ढ़ाणियों में ही नहीं आसपास के गांवों -कस्बों तक से भक्तगण-श्रृद्धालुगण यज्ञस्थल तक पंहुचा रहे हैं और अपने बूते के अनुसार जो पुण्य-कर्म बन पड़ा रहा है वह कर रहे है। 40किग्रा गाय का शुद्ध घी, 50किग्रा पीपल-खेजड़ी -चंदन की समिधा (लकड़ी) के साथ-साथ अन्य हवन सामग्रियां प्रतिदिन काम में आ रही हैं जिनसे आसपास का वातावरण शुद्ध एवं पवित्र होने लगा है।

पर्यावरण प्रदूषण हटकर उसकी जगह भक्तिमय परिवेश महसूस होने लगा है।महायज्ञ समिति के कर्मठ कार्यकर्ताओं में मोतीलाल रुण्डला, सुरेन्द्र कुमार शर्मा, मुकेश नटवाड़िया, बनवारी लाल रोलानिया, बाबूलाल रुण्डला, अशोक नटवाड़िया, शंकरलाल जांगिड़,पवन कुमार शर्मा, धोलूराम निठारवाल, सुनील कुमार, नरेंद्र कुमार समेत अनेकानेक लोग महायज्ञ की शुरुआत से ही सेवाएं देते आ रहे हैं।

स्कुल में पोषाहार चोरी की वारदात का पर्दाफाश

कोटपूतली। कस्बे के निकटवर्ती सरूण्ड थाना पुलिस ने चोरी एवं नकबजनी की वारदातों का खुलासा करने एवं कार्यवाही करने के संबंध में चलाये जा रहे अभियान के तहत कार्यवाही करते हुये स्कुल में पोषाहार चोरी की वारदात का पर्दाफाश कर एक मुल्जिम को गिरफ्तार किया है एवं उसके कब्जे से चोरी किये गये गेहुँ बरामद किये है।

एसएचओ बाबूलाल मीणा ने बताया कि विगत 15 अप्रैल को परिवादी अशोक कुमार सुरेला (50) पुत्र जगदीश प्रसाद जाति मेघवाल निवासी रायकणपुरा थाना पनियाला हाल प्रधानाध्यापक महात्मा गाँधी राजकीय विधालय मोहनपुरा ने दर्ज कराया कि विगत 13 अप्रैल को रविवार अवकाश एवं 14 अप्रैल को डॉ. भीमराव अम्बेडकर जयन्ती अवकाश था। 15 अप्रैल को विधालय के मुख्य भवन के चेनल गेट पोषाहार कक्ष तथा चेनल गेट के अन्दर अक्षय पेटिका के ताले टूटे हुये पाये गये।

संबंधित प्रभारियों के स्टॉक रजिस्ट्रर के अनुसार इन्द्राज सामान से मिलान एवं शेष स्टॉक के अनुसार लगभग 05 कट्टे गेहूं तथा 01 कटटा चावल गायब मिले। जिनको कोई चोर रात्रि में चुराकर ले गया। जिस पर मुकदमा नं 99/2025 धारा 305(ए), बी.एन.एस में दर्ज कर अनुसंधान शुरु किया गया। उक्त घटना एवं अन्य नकबजनी की वारदातों को गम्भीरता से लेते हुये थाना स्तर पर टीम का गठन किया गया। टीम द्वारा आसूचना एकत्रित की गई। घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया गया। घटना के संबंध में मोहनपुरा, कांसली, गोरधनपुरा व आसपास जानकारी की गई एवं आसूचना एकत्रित की गई एवं आसूचना संकलन कर संदिग्ध व्यक्तियों की पहचान कर तलाश शुरु की गई।

इसी दौरान 16 अप्रैल को संदिग्ध रमाकान्त उर्फ गोलू (20) पुत्र अनिल जाति लखेरा निवासी कांसली थाना सरुण्ड को दस्तयाब कर प्रकरण हाजा में गहनतापुर्वक अनुसंधान कर पीसी रिमाण्ड प्राप्त कर वारदात का खुलासा किया गया। आरोपी द्वारा प्रकरण हाजा की घटना को अपने साथी के साथ मिलकर कारित करन स्वीकार किया एवं मुल्जिम के कब्जे से चोरी गया माल गेंहु बरामद किये गये। आरोपी से गहनतापूर्वक अनुसंधान जारी है और भी वारदातों का पता लगाने के संबंध में अनुसंधान किया जा रहा है एवं उक्त घटना में शरीक अन्य आरोपियान की तलाश जारी है।

गर्मी में परिंदों के लिए जीवनदायिनी पहल

जयपुर। गर्मी की तपती धूप में जब इंसान तक परेशान हो जाता है, तब नन्हें परिंदों की स्थिति और भी दयनीय हो जाती है। इसी को ध्यान में रखते हुए रानी रत्ना कुमारी फाउंडेशन ट्रस्ट द्वारा गांवों में विभिन्न स्थानों पर 1000परिंडे लगाए जाएंगे, ताकि पक्षियों को पीने के लिए स्वच्छ पानी और खाने के लिए दाना उपलब्ध हो सके इसकी शुरुआत साधु संतों के सान्निध्य में खरुंडी मैड

- रानी रत्ना कुमारी फाउंडेशन ट्रस्ट द्वारा गांवों में लगाए जाएंगे 1000 परिंडे

में स्थित बालाजी महाराज के मंदिर से हुई।

इस अभियान का उद्देश्य है आमजन में पक्षियों के प्रति संवेदनशीलता जगाना और पर्यावरण के प्रति ज़िम्मेदारी निभाना। गांवों के प्रमुख जगह, गलियों, विद्यालयों और सार्वजनिक स्थानों पर इन परिंडों को लगाया जाएगा ।

ट्रस्ट की संस्थापिका भाजपा नेत्री रत्ना कुमारी शाहपुरा ने बताया कि हमारे ट्रस्ट द्वारा 1000 परिंडे लगाने का संकल्प लिया गया है जिनको मेरे स्वयं ओर टीम के द्वारा गांवों के सार्वजनिक स्थल पर लगाए जाएंगे, उन्होंने बताया कि की यह केवल एक सामाजिक कार्य नहीं, बल्कि एक नैतिक ज़िम्मेदारी भी है। हर नागरिक से आग्रह है कि वे अपने घरों की बालकनी, छत या आसपास के पेड़ों पर भी परिंडे लगाएं और नियमित रूप से उसमें पानी और दाना भरें।

यह अभियान न सिर्फ परिंदों की मदद करेगा, बल्कि लोगों को प्रकृति के और करीब लाएगा। इस दौरान सत्यनारायण सिंह मैड श्रवण सिंह मैड मंदिर से महंत गुरुचरण दास जी महाराज सहित कई साधु संत गण और गांव के गणमान्य लोग मौजूद रहे।

साधु संतों के सान्निध्य में खरुंडी मैड में स्थित बालाजी महाराज के मंदिर में परिंडे लगाएं।

18 लाख रुपए गबन का फरार आरोपी डाकपाल गिरफ्तार

बौंली-बामनवास। भरतपुर रेंज पुलिस महानिरीक्षक राहुल प्रकाश के आदेशानुसार सवाई माधोपुर जिला पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में चलाए जा रहे हैं वांछित आरोपियों की गिरफ्तारी अभियान के तहत बाटोदा थाना प्रभारी यशपाल सिंह के नेतृत्व में गठित टीम में शामिल सहायक उप निरीक्षक किरोड़ी लाल, कांस्टेबल समय सिंह व विजेंद्र ने 10 माह से फरार चल रहे18 लाख 42हजार 950 रुपए के पोस्ट ऑफिस शाखा मोरपा से गबन के आरोपी डाकपाल जसराम मीणा उम्र 35 वर्ष निवासी पाडली थाना बालघाट जिला करौली को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। इस मामले को लेकर 11 जून 2024 को उमेश चंद्र गुआरिया उम्र43 वर्ष वर्ष हाल सहायक अधीक्षक डाकघर गंगापुर सिटी ने मामला दर्ज करा कर बताया था कि जसराम मीणा द्वारा मोरपा शाखा डाकघर में पदस्थापन के दौरान खाताधारको /जमाकरताओं द्वारा जमा व निकली गई राशि की रकम को सरकारी हिसाब में नहीं लेकर 18 लाख 42हजार950 रुपए का गबन किया है। इस पर बाटोदा थाना पुलिस ने मुकदमा नंबर 92/2024 धारा 420, 409, आईपीसी में दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया।

सार-समाचार

ईडी की कार्यवाही के खिलाफ धरना प्रदर्शन कर आक्रोश जताया

दूदू। नगर पालिका मुख्यालय पर दूदू पुलिया के नीचे शुक्रवार को ब्लॉक कांग्रेस कमेटी दूदू के बैनर तले राहुल गांधी व प्रदेश के पूर्व मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास के खिलाफ केंद्र सरकार द्वारा की गई ईडी की कार्यवाही के खिलाफ धरना प्रदर्शन कर आक्रोश जताया इस अवसर पर पूर्व विधायक एवं मंत्री बाबूलाल नागर ने केंद्र सरकार पर सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया तथा कहा कि सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में कोई योजनाएं स्वीकृत नहीं की जा रही है पूर्व सरकार द्वारा की गई जनकल्याणकारी योजनाएं बंद कर दी गई से आम जनता परेशान है वहीं पुलिस अधिकारियों एवं प्रशासन पर क्षेत्र में बजरी माफियाओं को पनपाने का आरोप लगाया ब्लॉक कांग्रेस कमेटी कोऑर्डिनेटर एवं पूर्व महामंत्री पंडित दुर्गादत शर्माने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि राहुल गांधी वी प्रताप सिंह खाचरियावास द्वारा भाजपा सरकार की नीतियों की पोल खोल जाने पर उन्हें दबाने का प्रयास किया जा रहा है जो लोकतंत्र में उचित नहीं है इस अवसर पर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष शिवजी राम किशन दाधीच बीसी भाकर आरिफ शेख त्रिलोक चौधरी दूदू एवं फागी क्षेत्र के कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

हत्या का प्रयास, पिता पुत्र सहित सभी दोष मुक्त

सांभरझील । सांभर एडीजे नीरज भामू ने आईपीसी की धारा 307 व अन्य धाराओं में आरोपित अपराध में संदेह का लाभ देते हुए ग्राम नरायना के रहने वाले पिता पुत्र सहित सभी छह अभियुक्तों को दोष मुक्त घोषित किया। अभियुक्तगण के अधिवक्ता हेमराज कुमावत ने बताया कि ग्राम मालेडा में नायब तहसीलदार, पटवारी के द्वारा गांव वालों की मौजूदगी में कथित अतिक्रमण का मौका मुआयना देखने के दौरान 17 अगस्त 2012 को मारपीट की घटना घटित हुई थी। न्यायाधीश नीरज भामू ने फैसले में लिखा कि चश्मदीद गवाहों व पीड़ित के बयानों में जबरदस्त विरोधाभास हो, दस्तावेजी साक्ष्यों में उन विरोधाभास के संदर्भ में तथ्य भी मौजूद हो जो कहानी को संदेहास्पद बना देते हो तो ऐसी स्थिति में अभियुक्तगण को संदेह का लाभ दिया जाना न्यायोचित प्रतीत होता है। इसीलिए अभियुक्तगण अमरचंद पुत्र हरिनारायण, हरिनारायण पुत्र झूंथाराम, गोपाल पुत्र रामकरण, कानाराम उर्फ सरदार पुत्र हरिनारायण, रामचंद्र पुत्र हरि नारायण व रामकरण पुत्र झूंथाराम को दोषमुक्त किया घोषित किया। अधिवक्ता हेमराज कुमावत ने बताया कि क्रॉस केस से बचने के लिए अभियुक्तगण पर आरोप लगाए गए हैं जबकि अतिक्रमण की भूमि पर जबरन खाली करने के प्रयास में जिसमें गांव वाले, तहसीलदार और सरपंच पति के साथ में मिलकर हरिनारायण को अपने कब्जेशुदा जमीन से बेदखल करने के लिए आए और उन लोगों के द्वारा इन पर हमला किया गया था और बैठे हुए हरिनारायण पर चोट की और उसके परिवारजन उसे बचाने आया तो उसके साथ में भी मारपीट की। मामले को बड़ा चढ़कर आहतगण के विरुद्ध दर्ज कराया गया है।

कांग्रेस ने विरोध प्रदर्शन किया

मानपुरा माचेडी । क्षेत्र के जाँलसु स्टैण्ड पर शुक्रवार प्रदेश कांग्रेस के निर्देशानुसार रामपुरा डाबड़ी ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के नेतृत्व में ईडी, भाजपा सरकार की जन विरोधी नितियो व आमजन की समस्याओं को लेकर कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह का पुतला दहन कर भाजपा सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। ब्लॉक अध्यक्ष बाबुलाल भुखल ने बताया कि नेशनल हेराल्ड मामले में शीर्ष नेतृत्व सोनिया गांधी, राहुल गांधी के खिलाफ झूठा आरोप पत्र दाखिल करने व ईडी, राष्ट्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग के खिलाफ ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ने विरोध कर प्रधानमंत्री, गृह मंत्री का पुतला दहन किया है। इस दौरानउप जिला जिला प्रमुख मोहन डागर ने कहा कि केन्द्र सरकार राजनीतिक द्वेषता के चलते कांग्रेस युपीए चैयरपर्सन सोनिया गांधी, विपक्ष के नेता राहुल गांधी सहित कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं को ईडी की तरफ से मनमाने तरीके से कार्यवाही करवा रही है। इस मौके पर उप जिलाप्रमुख मोहन डागर, ब्लॉक अध्यक्ष बाबुलाल भुखल, पीसीसी महासचिव प्रतिष्ठा यादव,चिरंजीलाल वर्मा, पंचायत समिति सदस्य भगवान सहाय जाबडौलिया, सरपंच प्रतिनिधि रमेश यादव, तेजपाल कुलरिया, डॉ सीयाराम सैनी, रामकुवार यादव, मंडल अध्यक्ष मनिष गुलिया, रामजीलाल शर्मा, चन्द्र प्रकाश राजावत, गोवर्धन मीणा, रामचंद्र यादव, महेश प्रजापत, पायलट मीणा, दिलिप सिंह तँवर, विनोद मीणा, दिनेश भुखल, बाबुलाल वर्मा, रमेश खण्डेलवाल सहित सैकड़ों कांग्रेसी कार्यकर्ता मौजूद थे।

बिजली की केबल चोरी के मामले में दो आरोपियों को किया गिरफ्तार

पावटा। विराटनगर थाना पुलिस ने बिजली केबल चोरी के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से बिजली का केबल प्रकरण का माल मशरुका बिजली का कॉपर तार बरामद किया गया है। विराटनगर थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले वार्ड न.16 बूजा बांध तन विराटनगर निवासी पीड़ित बजरंग सिंह पुत्र बन्ने सिंह ने 24 मार्च 2025 को रिपोर्ट दी थी। इसमें बताया था कि उसके कुएं से अज्ञात चोर बिजली की केबल करीब दो हजार फुट को काटकर चोरी कर ले गए है। इस पर विराटनगर थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जिला पुलिस अधीक्षक राजन दुष्यंत द्वारा मामले के खुलासे के लिए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक वैभव शर्मा के निर्देशन व विराटनगर वृत्ताधिकारी वृत्त विराटनगर शिप्रा राजावत के सुपरविजन एवं विराटनगर थाना प्रभारी सोहन लाल के नेतृत्व में टीम गठित कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी गई। गठित पुलिस टीम द्वारा आस पास के सीसीटीवी फुटेज खंगालते हुए तकनीकी प्रणाली की सहायता से केबल चोरी की घटना का पर्दाफाश करते हुए विश्राम बावरिया पुत्र जगदीश बावरिया उम्र 24 साल व संतों उर्फ संतोष बावरिया पुत्र नानकराम बावरिया उम्र 21 साल निवासी जैन नसिया मंदिर के पास विराटनगर को गिरफ्तार कर प्रकरण का माल मशरुका बिजली का कॉपर तार बरामद किया।

शिक्षण संस्थान में 51000 रु दिये

मनोहरपूर। सीकर में सामाजिक कार्यों में अग्रणीय और तेजी से उभरती हुई संस्था निस्वार्थ फाउंडेशन द्वारा गरीब परिवार के बच्चों के लिए संचालित संस्था श्री ओम बन्ना शिक्षण संस्थान में 51000 रु की राशि भेंट की गई। संस्था एडमिन रेवंत सिंह जो की सीकर के सेवद बड़ी निवासी है उन्होंने कहा कि ये शिक्षण संस्थान सर्व समाज के बच्चों के लिए है जिस में बच्चे नि:शुल्क शिक्षा प्राप्त कर सकते है इस में मुख्य सहयोगी केप सा राठौड़ नंदू सिंह ओडिंट तेजपाल सिंह जोधा व नवीन घई दिल्ली कैलास सिंह बरसिंहपूरा रहे ।ओम बन्ना टाइगर फोर्स के माधो सिंह उदट द्वारा संस्था का आभार व्यक्त किया गया इस में महेंद्र सिंह उपस्थित रहे। संस्था एडमिन के अनुसार निस्वार्थ फाउंडेशन लगातार हर महीने जरूरमंद परिवार की मदद कर रही है महिलाओं के स्वरोजगार के लिए बच्चियों के विवाह गौसेवा में जैसा भी पीड़ित परिवार को सहायता की जरूरत होती है उसे पहुंचाई जाती है। संस्था के कुछ सदस्य विदेश में भी रहते है जो समय समय पे सहयोग करते है। किसी भी तरह की मदद करने से, चाहे वह बड़ी हो या छोटी, आपको खुशी और संतुष्टि मिलेगी।

परिंडे लगाकर जन्मदिन मनाया

पावटा। गर्मियों में जैसे-जैसे पारा चढ़ता है पक्षियों के लिए दाना-पानी ढूंढ पाना भी उतना ही मुश्किल होता है ऐसे में कई बेजुबान पक्षी दाना-पानी नहीं मिलने की वजह से अपनी जिंदगी भी नहीं बचा पाते । तेजी से बढ़ रहे पारे ने हर किसी को परेशान कर रखा है । तापमान किसी के लिए सबसे ज्यादा घातक है तो वह है बेजुबान परिंदे कई बेजुबान पक्षी इस भीषण गर्मी में प्यास से छटपटाते हुए दम तोड़ देते हैं । पक्षियों को भीषण गर्मी में तडपना ना पडे इसी पहल को पावटा तहसील के गांव भांकरी निवासी फुटबॉल कोच हर्षवर्धन शर्मा व यशवर्धन शर्मा दोनों जुडवां भाईयों ने अपना जन्मदिन पक्षियों के लिए परिडें लगाकर मनाया।

एक भारतीय क्रिकेटर उनसे संबंध बनाने के लिए कहता था। यही नहीं कई क्रिकेटर अपने गंदी तस्वीरें भेजते हैं। पिछले साल हार्मोन इश्यू के चलते मैंने अपना जेंडर बदलवा लिया और आर्यन से अनाया बन गई। - **अनाया**

क्रिकेटर संजय बांगर की बेटी, क्रिकेटर्स पर आरोप लगाते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

पैट कमिंस

सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान पैट कमिंस की शुक्रवार को सोशल मीडिया पर एक तस्वीर सामने आई है, जिसमें वह अपनी पत्नी के साथ एयरपोर्ट पर नजर आ रहे हैं। इस फोटो के सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर पैट कमिंस के आईपीएल 2025 से बाहर होने की चर्चा शुरू हो गई है। पैट कमिंस की पत्नी रेबेका ने अपने इंस्टाठााम पर एयरपोर्ट की तस्वीरें शेयर की हैरेबेका ने अपनी पोस्ट में दो तस्वीरें शेयर की है, एक में वह अपनी पति के सा दिख रही है, जबकि दूसरी तस्वीर में उनका सामान है।

क्या आप जानते हैं ?... एक भारतीय फुटबॉलर मुहम्मद शालेल ने 30 सेकेंड में 10 नटमेग बनाकर गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया है।

// लखनऊ और राजस्थान मैच का रॉयल रोमांच आज //

राजस्थान रॉयल्स और लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाड़ियों ने मैच की पूर्व संध्या पर जमकर अभ्यास किया। राजस्थान रॉयल्स के खिलाड़ियों पर हैड कोच राहुल द्रविड़ व लखनऊ सुपर जायंट्स के मेंटर जहीर खान ने पेनी नजर जमाई रखी।

पंजाब किंग्स ने रॉयल चैलेंजर्स बैंगलुरू को पांच विकेट से हराया

बेंगलुरु, 18 अप्रैल। अर्शदीप सिंह, मार्क्क यानसन, हरप्रीत बराड़ और युजवेंद्र चहल की बेहतरीन गेंदबाजी के बाद नेहाल वढेरा (नाबाद 33) की शानदार बल्लेबाजी के दम पर पंजाब किंग्स ने वर्षा बाधित मैच में शुक्रवार को इंडियन प्रीमियर लीग के 34वें मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को पांच विकेट से हरा दिया। 96 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पंजाब किंग्स के लिए प्रियांश आर्य और प्रभसिमरन सिंह की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 22 रन जोड़े। तीसरे ओवर में जॉश हेजलवुड ने प्रियांश आर्य 11 गेंद में (16) रन को आउटकर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को पहली

सफलता दिलाई। अगले ही ओवर में भुवनेवश्वर कुमार ने प्रभसिमरन नौ गेंद मे (13) को आउट कर पंजाब को दूसरा झटका दिया। कप्तान श्रेयस अय्यर (सात) और जॉश इंग्लिस (14) और शशांक सिंह (एक) रन बनाकर आउट हुये। नेहाल वढेरा ने 19 गेंदों में तीन चौके और तीन छक्के लगाते हुए (नाबाद 33) रनों की महत्वपूर्ण पारी खेली। मार्कस स्टॉयनिस (सात) रन बनाकर नाबाद रहे। पंजाब किंग्स ने 12.1 ओवर में पांच विकेट पर 98 रन बनाकर मुकाबला पांच विकेट से जीत लिया।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की ओर से जॉश हेजलवुड ने तीन और भुवनेश्वर कुमार ने दो विकेट लिये। इससे पहले आज यहां पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया।

हमने जो टीम चुनी है वो बेहतर है : राहुल द्रविड़

जयपुर, 18 अप्रैल। राजस्थान रॉयल्स के हैड कोच राहुल द्रविड़ का मानना है कि हमसे पिछले मैचों में कुछ गलतियां हुई है लेकिन हम हारे नहीं है। हमारी टीम के खिलाड़ी अपनी पूरी क्षमता के साथ मैदान में अभ्यास कर रहे है। आने वाले 7 मैचों में राजस्थान रॉयल्स के खिलाड़ी अच्छी परफोरमेंस देगें।

ओपनिंग पार्टनरशिप को लेकर द्रविड़ ने कहा कि रॉयल्स के ओपनर यशस्वी व संजू ने बेहतरीन परफोरमेंस दी है। दोनों अच्छा खेले रहे है, संजू की इंजरी के बाद बाहर जाना एक टर्निंग पाइंट था उस मैच में। हर मैच में तो अच्छा परफोर्म नहीं दे सकते है टीम के कुछ रूल्स होते उन्हें हमें फॉलो करना पड़ता है। हमने जो टीम सलेक्ट की है वो बेहतर टीम है। टीम पर मेहनत हो रही है और उसका रिजल्ट अगले मैचों में देखने को मिलेगा।

लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग के मैच से पहले राजस्थान रॉयल्स के बारे में काफी चर्चा हो रही है, और इसमें से ज्यादातर चर्चा कप्तान संजू सैमसन और मुख्य कोच राहुल द्रविड के इर्द-गिर्द है। मुश्किलों से घिरी यह फ्रेंचाइजी अपने करिश्माई कप्तान के बिना ही घरेलू मैच खेल सकती है, क्योंकि वह अभी तक उस साइड स्ट्रेन से उबर नहीं पाए हैं, जो उन्हें नई दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ

सुपर ओवर में मिली हार के दौरान हुआ था। लेकिन चोट के डर के बीच, कैंप में एक और कहानी भी चल रही थी क्योंकि सोशल मीडिया पर कप्तान और कोच के बीच अनबन की अफ़वाहें उड रही थीं।

दिल्ली के खिलाफ़ सुपर ओवर की शुरुआत से पहले एक कथित घटना के दौरान अफ़वाहें उडीं। द्रविड को सुपर ओवर की रणनीति के बारे में टीम के साथ चर्चा करते हुए देखा गया, लेकिन कप्तान सैमसन, जो डगआउट के पास थे, ने योजना में भाग नहीं लिया। सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं ने देखा कि सैमसन की बॉडी लैंग्वेज कप्तान और कोच के बीच स्पष्ट अलगाव को दर्शाती है। हालाँकि, हेड कोच ने स्पष्ट रूप से इस बात से इनकार किया है कि उनके और कप्तान के बीच ऐसा कोई टकराव है, उन्होंने अफ़वाहों को "निराधार" अटकलें बताया और टकराव से पहले और उसके बाद टीम की एकजुटता पर ज़ोर दिया।

लखनऊ के खिलाफ़ अपने खेल की पूर्व संध्या पर मीडिया से बात करते हुए, राजस्थान रॉयल्स के हेड कोच ने कहा: "मुझे नहीं पता कि ये रिपोर्ट कहाँ से आ रही हैं। संजू और मैं एक ही पेज पर हैं। वह हमारी टीम का एक अभिन्न अंग है। वह हर निर्णय और चर्चा में शामिल रहता है। कभी-कभी, जब आप खेल हार जाते हैं और चीजें सही नहीं होती हैं, तो आपको आलोचना का सामना करना पडता है और हम इसे अपने प्रदर्शन के आधार पर ले सकते हैं, लेकिन हम इस आधारहीन बात के बारे में कुछ नहीं कर सकते।

टीम का जोश वाकई शानदार है, मैं इन खिलाडियों की मेहनत से प्रभावित हूं। एक बात जो लोग नहीं समझ पाते हैं, वह यह है कि जब खिलाडी अच्छा प्रदर्शन नहीं करते तो उन्हें कितना दुख होता है। 2008 के आईपीएल चैंपियन के लिए यह सीजन आदर्श से कम रहा है। राजस्थान की टीम अभी तक 7 मैचों में से सिर्फ 4 अंक लेकर अंक तालिका में 8वें स्थान पर है और वे लगातार हार के बाद एलएसजी के खिलाफ घरेलू मैच में उतरेंगे। कप्तान और कोच के बीच मतभेद और अपने सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज के बिना खेलने की खबरें सवाई मानसिंह स्टेडियम में होने वाले घरेलू मैच से पहले आरआर के लिए आदर्श तैयारी नहीं हैं।

गुजरात टाइटंस स्टेडियम में दर्शकों को देगी पानी, मिस्ट फैन, सनस्क्रीन और चिकित्सा सुविधा

अहमदाबाद, 18 अप्रैल। गुजरात टाइटन्स अहमदाबाद में दिल्ली कैपिटल्स के साथ होने वाले आगामी मैच के लिए सभी धूप वाले स्टैंड में मिस्ट फैन, सनस्क्रीन, सन वाइजर, पीने का पानी, ओआरएस और मोबाइल मेडिकल सुविधाएँ उपलब्ध करायेंगी। गुजरात टाइटन्स के सहायक कोच आशीष कपूर के साथ आज के प्री मैच संवाददाता सम्मेलन में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि दर्शकों के लिए सुरक्षित और आनंददायक अनुभव सुनिश्चित किये जाने को लेकर यह सुविधाएं उपलब्ध होगी। दिल्ली कैपिटल्स के साथ होने वाले मुकाबले से पहले आज गुजरात टाइटन्स ने अहमदाबाद के बॉक्स पार्क में प्रसंशक स्पर्धा का आयोजन किया। इस दौरान टाइटन्स के साथ जुड़ने, मजेदार चुनौतियों, सवालों और जवाबों में हिस्सा लेने और विशेष पुरस्कार जीतने के लिए बड़ी संख्या में प्रशंसक पहुंचे।

हमें फाइनल में पहुंचने के लिए घर से बाहर भी अच्छा खेलना होगा : हार्दिक

मुम्बई, 18 अप्रैल। मुम्बई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पंड्या ने कहा है कि हमें इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के फाइनल में पहुंचने के लिए घरेलु मैदान के अलावा बाहर भी अच्छा प्रदर्शन करना होगा।

सनराइजर्स हैदराबाद पर मिली जीत के बाद हार्दिक ने कहा, यह एक मुश्किल विकेट था। इस पर 160 का स्कोर थोड़ा कम था। यहां गेंदें रूक कर आ रही थीं। हमने अच्छी तैयारी की थी। मुझे लगता है कि हमने गेंदबाजी के दौरान अच्छा प्रयास किया। हमें विकेटों की आवश्यकता थी। ईशान, हर्षल और मैं अंतिम ओवरों के दौरान अच्छी गेंदबाजी कर सकते हैं। हमें एक या दो अच्छे ओवर चाहिए थे। इसलिए हमने राहुल चहर को अवसर दिया था। हमें फाइनल में जाने के लिए घर से बाहर अच्छा खेलना पड़ेगा। लेकिन हम अब तक ऐसा नहीं कर पाए हैं।

उन्होंने कहा, हम पूरी समझदारी के साथ सटीक गेंदबाजी कर रहे थे। कुछ गेंदों पर शॉट खेलना बिल्कुल भी आसान नहीं था। इसका श्रेय काफी हद तक गेंदबाजो जाता है कि हमने उन्हें कुछ अच्छे शॉट्स खेलने लिए मजबूर किया। हम लगातार उन्हें दबाव में रखने का प्रयास कर रहे थे। दीपक ने जो पहले कुछ ओवर किए, उन में से कुछ गेंदें रूक कर भी आईं। इसके बाद हमने धीमी गेंदों का इस्तेमाल करने का फैसला किया। इसके अलावा हमने यॉर्कर को बहुत ही चालाकी के साथ इस्तेमाल किया।

अभिषेक शर्मा ने टी-20 क्रिकेट में मचाया धमाल

ऐसा कमाल करने वाले बने पहले भारतीय

मुंबई, 18 अप्रल। अभिषेक शर्मा ने आईपीएल 2025 के 33वें मैच में मुंबई इंडियंस के खिलाफ शानदार 40 रन की पारी खेली। सनराइजर्स हैदराबाद के ओपनर ने अपनी पारी में 7 चौके लगाए। अभिषेक ने हैदराबाद को अच्छी शुरुआत दी और ट्रेविस हेड के साथ पहले विकेट के लिए 59 रन जोड़े, जिन्होंने 29 गेंदों पर 28 रन बनाए।अभिषेक शर्मा में अपनी 40 रन की पारी के दम पर साल 2025 में टी20 क्रिकेट में 500 रन का आंकड़ा छूने वाले पहले भारतीय बने।

उन्होंने इस साल खेली 12 टी30 पारियों में कुल 511 रन बनाए हैं। इस साल यानी 2025 में अब तक कोई भी भारतयी टी20 प्रारूप में 400 रन का आंकड़ा पार नहीं कर पाया है। इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर 10 पारियों में 343 रन बनाकर तिलक वर्मा दूसरे नंबर पर हैं जबकि साई सुदर्शन ने 6 पारियों में 329 रन बनाए हैं और सूची में तीसरे स्थान पर हैं। साल 2025 की शुरुआत में अभिषेक शर्मा ने इंग्लैंड के खिलाफ ईडन गार्डन में 79 रन की पारी से की थी और फिर अगले तीन मैचों में उन्हें संघर्ष करना पड़ा और वे 30 रन का आंकड़ा भी नहीं छू पाए। अभिषेक ने वानखेड़े स्टेडियम में 135 रनों की पारी खेलकर सीरीज का अंत किया। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने अपनी पारी में 13 छक्के और 7 चौके लगाए थे।

इसके बाद उन्होंने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 24 रनों की पारी खेलकर आईपीएल 2025 सीजन की शुरुआत की। अभिषेक अगले चार मैचों में संघर्ष करते रहे और केवल 27 रन ही बना पाए। उन्होंने पंजाब किंग्स के खिलाफ फॉर्म में वापसी करते हुए 141 रनों की बेहतरीन पारी खेली। अभिषेक के युवा ओपनर बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने क्रिकेट के गुर पूर्व बल्लेबाज युवराज सिंह से सीखे हैं और वो हर कदम पर उनसे सलाह लेते हैं, लेकिन अभिषेक ने बताया कि मौजूदा समय में उनका फेवरेट भारत के वनडे वे टेस्ट कप्तान रोहित शर्मा हैं।

लासलो जिरे को हराकर अल्कराज बार्सिलोना ओपन के क्वार्टरफाइनल में

बार्सिलोना, 18 अप्रैल। स्पेन के टेनिस स्टार कार्लोस अल्कराज ने सर्बिया के लासलो जिरे को हराकर बार्सिलोना ओपन के क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली है। गुरुवार को 71 मिनट तक चले मुकाबले में अल्कराज ने लासलो जिरे को 6-2, 6-4 से हराया।

अरावली क्रिकेट क्लब ने सुराणा क्लीनिक को हराया

जयपुर, 18 अप्रैल। जयपुर जिला क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित अनुराग मिश्रा स्मृति बी डिवीजन लीग में आज पूल बी के मैच में अरावली क्रिकेट क्लब ने सुराणा

क्लीनिक को 10 विकेट से हराया। आज प्रातः अरावली ग्राउंड पर सुराणा क्लीनिक ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए धीरज शर्मा के 124 रन (126 गेंद, 16 चौके व 3 छक्के) के शानदार शतक से 35.1 ओवर में 156 रन बनाए। अरावली क्रिकेट क्लब के लिए क्षितिज शर्मा ने 23 पर 5, हंसराज रोलानिया ने 36 पर 2, जुनेद अगवान व ओमांश शर्मा ने एक - एक विकेट लिया। जवाबी पारी में अरावली क्रिकेट क्लब ने शोभित मिश्रा के 132 रन नाबाद शतक (50 गेंद, 19 चौके, 7 छक्के) व आर्यन भारद्वाज के 18 रन नाबाद से 12 ओवर में बिना विकेट 159 रन बनाकर मैच जीत लिया।

पाकिस्तान की महिला टीम ने थाईलैंड को 87 रनों से हराया

लाहौर, 18 अप्रैल। सिदारा अमीन (80), कप्तान फतीमा सना (नाबाद 62/तीन विकेट), रमीन शमीम और नशरा संधू (तीन-तीन विकेट) के शानदार प्रदर्शन की बदौलत पाकिस्तान की महिला टीम ने विश्वकप क्वालीफायर मुकाबले में गुरुवार को थाइलैंड को 87 रनों से हरा दिया। आज यहां पाकिस्तान की महिला टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए सिदारा अमीन (80), कप्तान फतीमा सना (नाबाद 62), मुनीबा अली (17) और सिदरा नवाज (11) रनों के योगदान से निर्धारित 50 ओवरों में छह विकेट पर 205 रनों का स्कोर खड़ा किया। पाकिस्तान के 205 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी थाईलैंड की टीम पाकिस्तान महिला टीम के गेंदबाजी आक्रमण के आगे अधिक देर तक नहीं टिक सकी और पूरी टीम 34.4 ओवर में 118 रन के स्कोर पर सिमट गई। थाइलैंड की बल्लेबाजी का आलम यह था कि उसका कोई भी बल्लेबाज 20 के स्कोर तक भी नहीं पहुंच सका। नान्नापट कोंचारोएनकाई ने सर्वाधिक (19) रनों की पारी खेली।

ट्रेविस हेड आउट होने के बाद भी नहीं गए पैवेलियन, दो कैच के बाद भी मिला मौका

मुंबई, 18 अप्रल। सनराइजर्स हैदराबाद बनाम मुंबई इंडियंस मैच के मैच के दौरान एक अजीब घटना भी हुई है। मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए इस मैच में ट्रेविस हेड लगातार दो गेंदों पर कैच आउट हुए है। इसके बाद भी वो पवेलियन नहीं लौटे। फील्डर ने ट्रेविस का कैच बिलकुल क्लीन तरीके से पकड़ा था फिर भी वो पवेलियन नहीं लौटे। फील्डर ने ट्रेविस हेड का कैच पकड़ा। इसके बाद भी दो गेंदों पर आउट होने के बाद अंपायर ने ट्रेविस हेड को आउट नहीं किया। इसके पीछे कारण सामने आया है। सनराइजर्स हैदराबाद की पारी में नौवें ओवर में हार्दिक पांड्या गेंदबाजी कर रहे थे। नौवें ओवर की चौथी गेंद पर ट्रेविस हेड स्ट्राइक पर थे। उन्होंने बड़ा शॉट खेलने की कोशिश की और कैच विल जैक्स ने पकड़ा। मुंबई की पूरी टीम ने खुशी मनाई की ट्रेविस का विकेट गया मगर तभी नो बॉल का सायरन बजा। नो बॉल देखकर स्टेडियम में बैठी नीता अंबानी ने भी अपना सिर पकड़ लिया। नो बॉल के बाद फ्री हिट दी गई। हेड ने इस गेंद पर बड़ा शॉट खेलना चाहा मगर मिचेल सैंटनर ने उनका कैच पकड़ लिया। फ्री हिट पर कैच आउट नहीं हो सकता है, इसलिए ट्रेविस को फिर से लाइफ मिल गई। फ्री हिट में कोई भी बल्लेबाज रन-आउट हो सकता है। इसके अलावा किसी और तरह से आउट नहीं किया जा सकता है। ऐसे में ट्रेविस हेड लगातार दो बार आउट होने के बाद भी वो आउट नहीं हुए।

उवासे को अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में फिर से गेंदबाजी करने की मिली अनुमति

दुबई। 18 अप्रैल। रवांडा की महिला गेंदबाज जियोवानीस उवासे को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में फिर से गेंदबाजी करने की अनुमति मिल गई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने शुक्रवार को बताया कि पुनर्मूल्यांकन और सुधार के बाद रवांडा की गेंदबाज जियोवानीस उवासे की गेंदबाजी क्रिया वैध पाई गई है। उल्लेखनीय है कि जनवरी 2023 में दक्षिण अफ्रीका में आयोजित आईसीसी अंडर-19 महिला टी-20 विश्वकप के दौरान रिपोर्ट किए जाने के बाद उवासे को गेंदबाजी से निलंबित कर दिया गया था। विशेषज्ञ पैनल ने उवासे की गेंदबाजी करने के वीडियो फुटेज की समीक्षा करते हुए कहा है कि कोहनी का विस्तार आईसीसी अवैध गेंदबाजी विनियमों के तहत अनुमत 15-डिग्री सहनशीलता के स्तर के भीतर है।

नारायणा की जीत में राजवीर सिंह राठौड़ व रोहित चौधरी चमके

जयपुर, 18 अप्रैल। यूनियन क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित 27 वीं नवीन-नफीस स्मृति क्रिकेट प्रतियोगिता में आज नारायणा क्रिकेट ग्राउण्ड सिरसी ग्राम, पर खेले गये पूल-डी के मैच में राजवीर सिंह राठौड़ 55 रन तथा राहित चौधरी 15 रन पर 3 विकेट कि शानदार गेंदबाजी की बदोलत नारायणा क्रिकेट एकेडमी ने कियान क्रिकेट एकेडमी को 4 विकेट से हराकर 2 अंक अर्जित किये।

टॉस जीतकर कियान क्रिकेट एकेडमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुये दिलखुश 37, रिषभफौजदार 29 रन व कैशव शर्मा 11 रन छोड़कर कियान एकेडमी का कोई भी बल्लेबाज रोहित चौधरी 15 रन पर 3 विकेट, सुरेश 20 रन पर 2 विकेट तथा भुवन, रोहित चौधरी तथा अजित राजना प्रत्येक 1-1

विकेट के समक्ष बिलकुल नहीं टिक पाये ओर पुरी टीम 16.5 ओवर में ही महज 114 रन बनाकर सिमट गई।

जवाबी पारी में नारायणा क्रिकेट एकेडमी के कप्तान राजवीर सिंह राठौड़ 55 रन (23 गेंद, 3 चौके, 6 छक्के), संजू सारण 21 रन, सुरेश 18 रन की मदद से विजय लक्ष्य 12.1 ओवर में 6 विकेट खोकर 115 रन बनाकर 4 विकेट से जीत हासिल कर ली। कियान एकेडमी की ओर से मंयक स्वामी 15 रन पर 3 विकेट, अभय 16 रन पर 2 विकेट, अक्षय पुराहित 32 रन पर 1 विकेट लेकर सफल गेंदबाज रहें। मैन ऑफ दा मैच राजवीर सिंह राठौड़ 55 रन (23 गेंद, 3 चौके, 6 छक्के) नारायणा क्रिकेट एकेडमी रहे।

राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन के तत्वावधान में 80 खिलाड़ियों ने अपना रजिस्ट्रेशन करवाया

दौसा, 18 अप्रैल। जिला क्रिकेट संघ द्वारा ग्रीष्मकालीन शिविर लगाया गया जिसमें 80 खिलाड़ियों ने अपना रजिस्ट्रेशन करवाया। राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन के तत्वाधान में जिला क्रिकेट संघ दोसा के द्वारा ग्रीष्मकालीन शिविर का शुभारंभ जिला क्रिकेट संघ के सचिव ब्रजकिशोर उपाध्याय द्वारा किया गया और खिलाड़ियों को अनुशासन एकाग्रता और कड़ी मेहनत का महत्व बताया 30 अप्रैल तक चलने वाले शिविर में इन खिलाड़ियों को क्रिकेट की बारीकी और फिटनेस और योगा का प्रशिक्षण दिया जाएगा जिससे आगामी आरसीए के टूर्नामेंट में दौसा जिले से अच्छे खिलाड़ी जिले का प्रतिनिधित्व करें सचिव उपाध्याय द्वारा खिलाड़ियों को बीसीसीआई लेवल कोच को कुछ दिन तक शिविर में बुलाने का प्रस्ताव रखा है वर्तमान में कोच मेघराज यादव, वेंकटेश शर्मा, विजय शर्मा, प्रेम सिंह तथा निर्मल सेन योगा कोच अपनी सेवाएं कैंप में दे रहे हैं।

प्रियंका हॉस्पिटल डीपीटीएल सीजन-5

टीम केसी मेमोरियल व टीम रेटिना रेकेटर्स पहुंचे अगले दौर में

जयपुर, 18 अप्रैल। जय क्लब में चल रही प्रियंका हॉस्पिटल डीपीटीएल सीजन 5 प्रतियोगिता में खिलाड़ी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे है। लीग चेयरमैन डॉ जयंत सेन व लीग सेक्रेटरी डॉ अनिल यादव ने बताया कि आज हुए मैचेज में टीम के सी मेमोरियल ने टीम प्रिसीज़न को 3-2 से , टीम नारायणा हॉस्पिटल ने टीम केडिया हॉटस्पॉट को 3-2 से , रेटिना रेकेटर्स ने टीम फोर्टिस हॉस्पिटल को 3-2 से , टीम डॉ चेफ ने टीम महात्मा गाँधी हॉस्पिटल को 3-2 से , टीम ईगल ने टीम सैंडी स्ट्राइकर्स को 3-2 से , टीम थापर टाइटन्स ने टीम नी राइडर्स को 3-0 से व टीम आर जे 13 किंग्स ने टीम मलोत वॉरियर्स को 4-1 से हराया। लीग

कॉर्डिनेटर डॉ सुधांशु ने बताया कि प्रतियोगिता में 250 खिलाड़ी भाग ले रहे है।

मुख्यमंत्री आज से 3 दिन शेखावाटी का दौरा करेंगे

वे जयपुर, सीकर, झुँझुनूँ जिले में जनता से सीधे संवाद करेंगे, अधिकारियों की मीटिंग लेंगे

- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा 20 अप्रेल को पिलानी में यमुना जल समझौते की डीपीआर के लिये गठित संयुक्त टास्क फोर्स की दूसरी बैठक की अध्यक्षता करेंगे।

जयपुर, 18 अप्रेल। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शनिवार से जयपुर, सीकर, झुंझुनूं और चूरू के तीन दिवसीय दौरे पर रहेंगे। इस दौरान शर्मा आम जन से संवाद करेंगे और विभिन्न क्षेत्रों से संबंधित विषयों पर अधिकारियों की बैठकें लेंगे।

शर्मा शनिवार को सड़क मार्ग से टांटियावास, चौमूं, गोविन्दगढ़, सरगोठ, रींगस, पलसाना, बाजौर होते हुए, सीकर सर्किट हाउस पहुंचेंगे, जहाँ वे जनसुनवाई करेंगे तथा अधिकारियों की बैठक भी लेंगे। इसके पश्चात वे धोद, लक्ष्मणगढ़ होते हुए फतेहपुर जाएंगे।

मुख्यमंत्री रविवार को मण्डावा और मुकुन्दगढ़ के रास्ते झुंझुनूं जाएंगे तथा वहाँ के सर्किट हाउस में जनसुनवाई करेंगे और अधिकारियों की बैठक लेंगे। झुंझुनूं से मुख्यमंत्री गुढ़ा मोड़, बगाड़, चिड़ावा के रास्ते पिलानी जाएंगे। सोमवार को शर्मा बिट्स पिलानी में अधिकारियों के साथ बैठक करेंगे। वहाँ से हवाई मार्ग से मलसीसर पहुंचेंगे, जहां पेयजल के डैम का निरीक्षण करेंगे। इसके बाद वे चूरू पुलिस लाइन में आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे।

चूरू से मुख्यमंत्री हिण्डाला फार्म हाउस, प्रेमपुरा (सीकर) जाएंगे, जहां वे स्व. ईश्वर राम हिण्डाला की प्रतिमा का अनावरण करेंगे। इसके बाद चौरू, फागी (जयपुर) पहुंचेंगे और भक्त शिरोमणि धन्ना भगत की 610वीं जयन्ती महोत्सव में शिरकत करेंगे। मुख्यमंत्री शर्मा 20 अप्रेल को पिलानी में यमुना जल समझौते की डीपीआर को लेकर गठित संयुक्त टास्क फोर्स की दूसरी बैठक की अध्यक्षता करेंगे। इस दौरान वे नक्शे एवं अलाइन्मेन्ट की डिजाइन पर विस्तृत चर्चा करेंगे।

उल्लेखनीय है कि यमुना जल समझौते के प्रथम चरण में ताजेवाला हैड से प्रदेश में जल लाने के लिए प्रवाह प्रणाली हेतु संयुक्त डीपीआर बनाने पर सहमति बनी है। डीपीआर के लिए गठित संयुक्त टास्क फोर्स की पहली बैठक 7 अप्रेल को यमुनानगर में हो चुकी है।

'मुर्शिदाबाद में जो कुछ भी हुआ चौंकाने वाला है'

- ममता बनर्जी के अनुरोध को ठुकरा कर राज्यपाल शनिवार को मुर्शिदाबाद जायेंगे।

मालदा (पश्चिम बंगाल), 18 अप्रैल। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस शुक्रवार को मालदा पहुंचे। यहां उन्होंने हिंसा से पीड़ित लोगों से मुलाकात की। राज्यपाल ने कहा- मैंने शिविर में रह रहे परिवार के सदस्यों से मुलाकात की। उनकी शिकायतें सुनीं और भावनाओं को समझा।

राज्यपाल शनिवार को मुर्शिदाबाद जाएंगे। उन्होंने कहा- मैं जमीनी स्थिति का जायजा लूंगा। वहां जो कुछ भी हुआ, चौंकाने वाला है। किसी भी कीमत पर शांति स्थापित होनी चाहिए। इसकी रिपोर्ट केंद्र सरकार को देंगे।

इससे पहले गुरुवार को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने राज्यपाल से दौरा स्थगित करने का अनुरोध किया था। ममता ने कहा था मैं गैर-स्थानीय लोगों से अनुरोध करूंगी कि वे अभी मुर्शिदाबाद का दौरा न करें। राज्यपाल से कुछ और दिन प्रतीक्षा करने की अपील करूंगी। बोस ने कहा, बंगाल में अलग-अलग जगहों से हिंसा की भयावह खबरें आ रही हैं। हमें हिंसा के पंथ को ताबूत में बंद कर ताबूत में आखिरी कील भी ठोकनी होगी। बंगाल में शांति और सौहार्द बनाए रखने के लिए यह बेहद जरूरी है।

पार्टी अध्यक्ष ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सब महत्वपूर्ण नहीं है तथा आरएसएस का कोई स्वयंसेवक ही संघ की विचारधारा एवं विचार-प्रक्रिया को कायम रख सकता है तथा पार्टी को इसे जारी रखने की जरूरत है। अमित शाह की सर्वोच्च प्राथमिकता वाले भूपेन्द्र यादव आरएसएस को स्वीकार नहीं है, क्योंकि वे संघ के पुराने कार्यकर्ता नहीं हैं। ऐसे ही और कुई मुद्दों का समाधान अभी तक नहीं हुआ है। लेकिन इस गतिरोध को तोड़ने के लिए जबरदस्त परामर्श एवं चर्चाएं जारी हैं।

यूनेस्को के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

नाट्यशास्त्र को यूनेस्को के "मैमरी ऑफ द वर्ल्ड रजिस्टर" में शामिल किया जाना हमारे शाश्वत ज्ञान और समृद्ध संस्कृति को वैश्विक मान्यता प्रदान किया जाना है।

प्र.मंत्री मोदी ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के खतरों के बीच टैस्ला के शेयरों में भारी गिरावट आई है, विशेषरुप से कैनडा द्वारा कंपनी को इलैक्ट्रिक वाहन सब्सिडी से बाहर किए जाने के बाद। संभावना है कि यू.के. भी ऐसा ही कदम उठाएगा।

लेकिन, भारत में स्टारलिंक की योजनाएं सही दिशा में बढ़ती नज़र आ रही हैं। बुधवार को उद्योगमंत्री गोयल ने स्टारलिंक के प्रतिनिधिमण्डल से मुलाकात की, जिसमें कंपनी के वाइस प्रैसिडैंट चैड गिब्स और सीनियर डायरैक्टर रायन गुडनाइट शामिल थे। भारतीय टैलिकॉम कंपनियाँ, भारती एयरटैल और वोडाफोन आइडिया प्रमुख हैं, स्टारलिंक के साथ भारत में सैटेलाइट आधारित टैलिकॉम सेवाओं की शुरुआत को लेकर पार्टनशिप पर बातचीत कर रही हैं।

सैटलाइट इन्टरनैट को बढ़ावा और प्रोत्साहन देना सरकार की व्यापक डिजिटल इन्क्लूज़न रणनीति के अनुरुप है। दूरसंचार मंत्री, ज्योतिरादित्य सिंधिया ने हाल ही में सैटलाइट संचार की महत्ता पर जोर दिया था, खासकर ग्रामीण और दूरदराज के इलाकों में, जहाँ, फाइबर और मोबाइल नैटवर्क जैसे पारंपरिक इन्फ्रास्ट्रक्चर पर पहुँचना मुश्किल है।

उप मु.मंत्री एकनाथ शिंदे, अमित ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ताकत की परीक्षा होंगे।

मुंबई में फड़नवीस, ठाकरे की शिवसेना से सीधी चुनौती का सामना कर रहे हैं, जबकि, ठाणे और कल्याण डोंबिविली क्षेत्रों में शिंदे के प्रभाव की परीक्षा होगी, जहाँ उनकी प्रतिस्पर्धा, ना केवल यूबीटी से बल्कि अपने ही भाजपा सहयोगियों, दोनों से है। पुणे और पिंपरी -चिंचवड़ जैसे क्षेत्रों में, जहाँ अजित पवार का एनसीपी गुट हावी है, वहाँ शिंदे की स्थिति की स्थिति कमज़ोर मानी जा रही है।

मुंबई के एक राजनीतिक विश्लेषक के अनुसार, "शिंदे मुश्किल स्थिति में हैं। उन्हें इन चुनावों के जरिए अपने गुट की ताकत साबित करनी है, लेकिन, गठबंधन की अंदरुनी खींचतान इसमें बाधा बन रही है।"

महायुति के दांव बहुत ज्यादा है। नगर निगमों पर नियंत्रण स्थानीय प्रशासन को प्रभाति करता है और व्यापक राजनैतिक ताकत का संकेत होता है। नगर निगम चुनावों में कमज़ोर प्रदर्शन विपक्ष को ताकत देगा खासकर उद्धव ठाकरे की शिवसेना और कांग्रेस को शहरी क्षेत्र में जहां मतदाता सड़क व पेयजल आपूर्ति जैसे मुद्दों से प्रभाति होते हैं।

इसी बीच रायगढ़ विवाद गठबंधन के सत्ता संघर्ष को दर्शाता है। शाह का एनसीपी की प्रति झुकाव भाजपा के रणनीतिक समीकरणों के हिसाब किताब को दर्शा रहा है।

चुनाव की उलटी गिनती शुरु हो रही है और महायुति को आन्तरिक मतभेदों को सुलझाना ही होगा ताकि एक प्रभावी चुनाव अभियान चलाया जा सके। राजनैतिक विश्लेषक कहते है कि ठाकरे की सरकार को गिराने के कारण शिंदे की सौदेबाजी की ताकत अब कम होती जा रही है। एक सूत्र ने बताया कि, शिंदे ने शाह को अपने पूर्व योगदान की याद दिलाई पर भाजपा उन्हें कुछ भी देने के मूड में नहीं है। आगामी सप्ताओं में पता चलेगा कि शाह इन मतभेदों को सुलझाकर कोई समझौता कर पाते या फिर महायुति की फूट महाराष्ट्र के राजनैतिक भविष्य को नया आकार देगी।

दो हजार से ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

भुगतान पर एमडीआर हटा चुका है।

मंत्रालय ने कहा है,चूंकि वर्तमान में यूपीआई लेनदेन पर कोई एमडीआर लगाया ही नहीं जाता है, ऐसे में इन लेन-देन पर कोई जीएसटी लागू ही नहीं किया जा सकता है। बयान में कहा गया है कि सरकार यूपीआई के माध्यम से डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है।

बाइस नक्सलियों ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सुकमा एसपी किरण चव्हाण ने बताया कि जिले में लगातार नक्सल उनमूलन अभियान चलाया जा रहा है। पुनर्वास नीति का भी प्रचार प्रसार किया जा रहा है।

'नियद नेल्लानार योजना' के तहत विकास कार्य भी कराया जा रहा है, जिससे प्रभावित होकर नौ महिला समेत 22 माओवादियों ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय में सरेंडर किया है।

अमेरिका तीन सप्ताह में ही, जल्दी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कम्पनियों की अमेरिकी बाज़ार में अच्छी खासी उपस्थिति है, में राहत चाह रहा है। इसके बदले में अमेरिका, भारत के डेयरी, पोल्ट्री और डिजिटल कॉमर्स के क्षेत्र में अधिक पहुँच चाहता है। वार्ताओं का रणनीतिक महत्व बहुत विस्तृत है, जिससे ये और ज्यादा जटिल हो गई हैं। इनसे ग्लोबल सप्लाई चेन का पुनर्गठन प्रभावित होगा, जो वर्तमान में चीन से बहुत गहराई से जुड़ी हुई है।

अमेरिकन अधिकारियों को कुछ ही सप्ताह में भारत के साथ समझौता फाइनल होने की उम्मीद है। लेकिन गोयल ने संयमित रुख अपनाया और संकेत दिया कि 6 माह में संपूर्ण समझौता हो सकता है। असल मुद्दों की जटिलता और इसके स्थानीय स्तर पर पड़ने वाले राजनैतिक प्रभाव के कारण नई दिल्ली को मजबूरन सतर्क व संतुलित कूटनीति अपनानी पड़ रही है। मूल रूप से सभी व्यापारिक गतितिविधयाँ टैरिफ या बाज़ार तक पहुँच से संबंधित नहीं हैं।

यह सोचा समझा भू-राजनैतिक खेल है। ट्रम्प प्रशासन का लक्ष्य अनौपचारिक आर्थिक गठबंधन बनाना है, जो वैश्विक सप्लाई चेन की चीन पर निर्भरता कम कर सके और टैक्नॉलजी, दुर्लभ पृथ्वी तत्वों व निर्माण क्षेत्र में चीन के दबदबे को चुनौती दे सके।

बाँग्लादेश, मुर्शिदाबाद के दंगों ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बड़े पैमाने पर हिंसा की खबरें आई थीं। हिन्दुओं को हर तरह से डराया-धमकाया गया था, खुली धमकियाँ दी गई थीं तथा उन पर हमले किये गये थे। बाँग्लादेश में हिन्दू मंदिरों तथा सम्पत्तियों को नुकसान पहुँचाया गया तथा उन्हें नष्ट कर दिया गया। ढाका के सुप्रसिद्ध इंडियन इन्फॉर्मेशन सेन्टर, जिसका नाम पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के नाम पर रखा गया था, को उन्मादी भीड़ पूरी तरह ढहा दिया।

अब, बाँग्लादेश ने बंगाल के सीमान्त जिले मुर्शिदाबाद में तबाही मचा दी है, उसे साम्प्रदायिक उन्माद का ग्रास बना दिया है।

वस्तुत: मुर्शिदाबाद में हिन्दू निवासियों के खिलाफ हिंसा हो रही है, तथा जिले के हिन्दू परिवार बड़ी संख्या में अपने घर-गांव छोड़कर अन्यत्र चले गये हैं। यह एक विडम्बना ही है कि एक हिन्दू -बहुल देश के एक राज्य के एक हिस्से से हिन्दू घर छोड़कर भागने को मजबूर हो गये हैं। इस स्थिति को हलके में लेते हुये, तृणमूल कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने कहा था कि संदर्मित लोग एक जिले से दूसरे जिले में ही तो गये हैं, देश के अन्य भागों में शरण पाने के लिये वे राज्य छोड़कर तो नहीं गये हैं। उक्त नेता, जो स्वयं बिहार छोड़कर बंगाल में आ बसे हैं, अपने हिसाब से, एक बड़ा सांत्वनाप्रद बयान देकर, बुराई में अच्छाई ढूंढने की निरर्थक कोशिश मात्र कर रहे हैं।

बंगाल के सभी जिलों में मुस्लिमों द्वारा एकाएक की गई हिंसा तथा मुस्लिम इलाकों हिन्दुओं के जान-माल के नुकसान से एकाएक चौंक पड़ी ममता बनर्जी अब इसे राजनीति का परिणाम बताने की कोशिश कर रही हैं।

ममता ने केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह की कड़ी आलोचना शुरु कर दी है तथा आरोप लगाया है कि राज्य के साम्प्रदायिक उन्माद के लिये शाह जिम्मेदार हैं। उन्होंने कहा कि ये उपद्रव पूर्व-नियोजित थे तथा आतंक का माहौल पैदा करने के लिये पड़ोसी बाँग्लादेश से लोग बंगाल में घुस आये थे। जैसी कि उनकी आदत है, उन्होंने राज्य की वर्तमान दुर्दशा पर हो रही चर्चा की दिशा बदलने के लिये, उसे पूरी तरह से असम्बंधित मुद्दों की ओर ले जाने की कोशिश की। उन्होंने अपने पक्ष के इमामों की एक सभा को सम्बोधित करते हुये कहा कि मोदी के बाद, शाह का भविष्य क्या होगा। वे मुस्लिमों को अपनी तरफ बनाये रखने की हताशापूर्ण कोशिश कर रही हैं।

हिंसा इतनी प्रचंड रही है कि पहले की स्थितियों के विपरीत, राज्य की पुलिस को बल प्रयोग करना पड़ा। और यह बल प्रयोग शांति कायम करने के लिये नहीं, बल्कि स्वयं की रक्षा के लिये किया गया था। पुलिस की सम्पत्तियाँ तो नष्ट की ही गई हैं, पुलिस पर हमले भी किये गये हैं। इस कारण, पुलिस लाठीचार्ज करने तथा फायरिंग के लिये मजबूर हो गई। इससे उनके मुस्लिम समर्थकों में उनकी स्थिति खराब हो गई तथा कुछ मुस्लिम मंत्रियों ने तो राज्य पुलिस की आलोचना तक की है। इसके अलावा, कुछ मुस्लिम पोलिटिकल पार्टियाँ, मुस्लिम वोटों पर ममता की निर्विवाद पकड़ को एक तरफ रखते हुये, अल्पसंख्यकों के बीच अपनी स्थिति को मजबूत तथा एकजुट कर रही हैं। ममता ने आरोप लगाया है कि बीएसएफ ने बच्चों को अपनी पकड़ में ले लिया था तथा उनसे ईंट-पत्थर और मिसाइलें फिंकवाई थीं। उन्होंने यह भी कहा कि बीएसएफ ने घुसपैठियों को अंदर आने दिया तथा इस प्रकार, इस उपद्रव के लिये केन्द्र जिम्मेदार है।

बीएसएफ को कटघरे में खड़ा कर दिया गया है तथा इस प्रकार, उपद्रवों को मिसहैन्डल करने में राज्य की कोई भूमिका नहीं है। ममता बनर्जी ने आरोप लगाया था कि बीएसएफ ने ईंट-पत्थर फैंकने के लिये छोटे-छोटे बच्चों को पैसे दिये थे। राज्य प्रशासन की पोल पूरी तरह खुल गई है तथा वह हिंसा को रोकने में असफल रहा है। दूसरी और, बीएसएफ पर फायरिंग करने का दोषारोपण किया जा रहा है तथा कहा जा रहा है कि इस फायरिंग में बहुत से लोग मारे गये हैं।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908